सब का सपना

निष्पक्ष व निडर - हिंदी दैनिक समाचार पत्र

प्यार, एकता व आस्था का त्योहार मकर संक्रांति पेज: 7

द लफ में समुद्री डाकू बनीं हैं प्रियंका चोपड़ा पेज: 8

वर्ष : 01 | अंक : 275 | बुधवार 14 जनवरी 2026 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 08 | मूल्य: 2 रुपए

बिहार में बुजुर्गों को अब घर पर मिलेगी जमीन-फ्लैट की रजिस्ट्री की सुविधा: नीतीश कुमार

बिहार एजेंसी: बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मंगलवार को राज्य के 80 वर्ष या उससे अधिक उम्र के बुजुर्गों को उनके घर पर ही जमीन या फ्लैट की निबंधन (रजिस्ट्री) सुविधा उपलब्ध कराने का ऐलान किया। यह सुविधा मद्य निषेध, उत्पाद एवं निबंधन विभाग द्वारा संचालित चलंत निबंधन इकाई (मोबाइल रजिस्ट्रेशन यूनिट) के माध्यम से निश्चित समय-सीमा के भीतर प्रदान की जाएगी, जिसमें आवेदक ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे। यह नयी व्यवस्था एक अप्रैल 2026 से लागू की जाएगी। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट कर बताया कि कई बार यह देखा गया है कि 80 वर्ष या उससे अधिक उम्र के बुजुर्गों को जमीन या फ्लैट की रजिस्ट्री से जुड़े कार्यों के निष्पादन में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। इसी के मद्देनजर उन्हें सहूलियत देने और अनावश्यक परेशानियों से बचाने के उद्देश्य से यह निर्णय लिया गया है।

लक्षद्वीप में नौसेना का मेगा मेडिकल मिशन, सुपर-स्पेशियलिटी इलाज की सुविधा

नई दिल्ली एजेंसी: भारतीय सशस्त्र बल केवल सीमाओं की रक्षा तक सीमित नहीं हैं, बल्कि अब नागरिकों के स्वास्थ्य संरक्षण में भी अहम भूमिका निभा रहे हैं। इसी कड़ी में भारतीय नौसेना की पहल के तहत लक्षद्वीप में एक बहु-विशेषज्ञ मेगा मेडिकल एवं सर्जिकल शिविर का आयोजन किया गया है, जिसमें गंभीर और जटिल बीमारियों के इलाज की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। लक्षद्वीप में संयुक्त सेवाओं का बड़ा स्वास्थ्य अभियान यह पहल केंद्र शासित प्रदेश लक्षद्वीप में की गई है, जहां संयुक्त सेवाओं के तहत बहु-विशेषज्ञ मेगा मेडिकल और सर्जिकल शिविर आयोजित किया जा रहा है। 13 जनवरी को कवरत्ती स्थित इंदिरा गांधी अस्पताल में इसका औपचारिक उद्घाटन नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के. त्रिपाठी ने किया।

यह शिविर 17 जनवरी तक चलेगा। रक्षा मंत्री की परिकल्पना के अनुरूप आयोजन रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की परिकल्पना के अनुरूप आयोजित इस शिविर को भारतीय नौसेना द्वारा विशाल पैमाने पर संचालित किया जा रहा है। रक्षा मंत्री ने कहा कि यह पहल दूरदराज क्षेत्रों में रहने वाले नागरिकों तक गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने की सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाती है और स्वस्थ भारत के दृष्टिकोण को आगे बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। व्यापक जांच, निःशुल्क इलाज और दवाएं रक्षा मंत्री के अनुसार, इस शिविर के माध्यम से व्यापक स्वास्थ्य जांच, शीघ्र निदान, समय पर चिकित्सकीय परामर्श, आवश्यक चिकित्सा हस्तक्षेप और निःशुल्क दवाओं का वितरण किया जा रहा है, जिससे द्वीप समुदाय को दीर्घकालिक स्वास्थ्य लाभ मिलेगा। पांच द्वीपों में आयोजित हो रहा शिविर भारतीय नौसेना द्वारा यह बहु-विशेषज्ञ चिकित्सा शिविर लक्षद्वीप के पांच द्वीपों-अमीनी, एंड्रॉथ अगत्ती कवरत्ती और मिनिकॉय- में आयोजित किया जा रहा है। इसका उद्देश्य द्वीपवासियों को सुलभ, समग्र और उन्नत स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना है। सुपर-स्पेशियलिटी सेवाओं की उपलब्धता पांच दिवसीय इस शिविर में कार्डियोलॉजी, नेफ्रोलॉजी, न्यूरोलॉजी गैस्ट्रोएंटरोलॉजी, एंडोक्राइनोलॉजी के साथ-साथ अन्य बुनियादी और सुपर-स्पेशियलिटी सेवाओं में परामर्श, जांच और उपचार प्रदान किया जा रहा है। कवरत्ती में विशेष रूप से तैनात नेत्र विज्ञान टीम द्वारा पात्र मरीजों के मोतियाबिंद ऑपरेशन भी किए जा रहे हैं। प्रधानमंत्री के समान स्वास्थ्य पहुंच दृष्टिकोण के अनुरूप यह पहल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उस दृष्टिकोण के अनुरूप है, जिसके तहत देश के सबसे दूरदराज क्षेत्रों में भी हर नागरिक तक गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं की समान पहुंच सुनिश्चित की जा रही है। यह आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना पीएम-जेएवाई) जैसी राष्ट्रीय पहलों की भावना को भी प्रतिबिंबित करती है। वन अर्थ, वन हेल्थ दर्शन से जुड़ा प्रयास नौसेना के अनुसार यह शिविर वन अर्थ वन हेल्थ के वैश्विक स्वास्थ्य दर्शन के अनुरूप उपचारात्मक निवारक और प्रोत्साहक स्वास्थ्य सेवाओं का समन्वय प्रस्तुत कर रहा है। नौसेना प्रमुख ने बताया पहल को अनूठा नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के. त्रिपाठी ने कहा कि यह पहल तीन दृष्टियों से अनूठी है।

पहला, समन्वय- जिसमें तीनों सशस्त्र सेवाओं और स्थानीय प्रशासन के विशेषज्ञ मिलकर काम कर रहे हैं। दूसरा विस्तार- जिसमें कार्डियोलॉजी, नेत्र विज्ञान, मोतियाबिंद शल्यक्रिया, नेफ्रोलॉजी न्यूरोलॉजी गैस्ट्रोएंट रोलॉजी त्वचा रोग और एंडोक्राइनोलॉजी जैसे कई विशेषज्ञ शामिल हैं।

त्वचा रोग और एंडोक्राइनोलॉजी जैसे कई विशेषज्ञ

नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के. त्रिपाठी ने कहा कि यह पहल तीन दृष्टियों से अनूठी है। पहला, समन्वय- जिसमें तीनों सशस्त्र सेवाओं और स्थानीय प्रशासन के विशेषज्ञ मिलकर काम कर रहे हैं। दूसरा, विस्तार- जिसमें कार्डियोलॉजी, नेत्र विज्ञान, मोतियाबिंद शल्यक्रिया, नेफ्रोलॉजी, न्यूरोलॉजी, गैस्ट्रोएंटरोलॉजी, त्वचा रोग और एंडोक्राइनोलॉजी जैसे कई विशेषज्ञ शामिल हैं।

पुणे-पीसीएमसी चुनाव: साथ रहकर भी जुदा राहें, फडणवीस बोले- अजित पवार ने तोड़ा हमारा भरोसा

मुंबई एजेंसी: महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने पिंपरी-चिंचवाड़ नगर निगम (पीसीएमसी) में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के प्रमुख अजीत पवार द्वारा बार-बार लगाए गए भ्रष्टाचार के आरोपों का जवाब देते हुए कहा कि उपमुख्यमंत्री ने सौहार्दपूर्ण चुनाव की प्रतिबद्धता का पालन नहीं किया। पुणे में पत्रकारों से बात करते हुए, देवेंद्र फडणवीस ने महायुति दलों के बीच एक समझौते का जिक्र किया, जिसके तहत एक-दूसरे पर व्यक्तिगत हमले नहीं किए जाएंगे। अजीत पवार राज्य में सत्ताधारी गठबंधन का हिस्सा होते हुए भी, पुणे और पिंपरी-चिंचवाड़ के स्थानीय निकाय चुनावों के लिए भाजपा और शिवसेना से अलग होकर अपने चाचा शरद पवार की एनसीपी के साथ गठबंधन करके

चुनाव लड़ने का फैसला किया। पुणे जिले के पालक मंत्री अजीत पवार ने एएनआई को बताया कि स्थानीय लोगों को टैंकर माफिया से संबंधित समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। एएनआई को दिए साक्षात्कार में उन्होंने आरोप लगाया कि पीसीएमसी के विभिन्न विभागों पर लगभग 4,000 करोड़ रुपये के कुल बिल बकाया हैं, और लागत में हेराफेरी के कई मामले सामने आए हैं, जिनमें 70 लाख रुपये की सड़क का 7 करोड़ रुपये में निर्माण और निगम के सॉफ्टवेयर की लागत का मूल 12 करोड़ रुपये से बढ़कर 120 करोड़ रुपये हो जाना शामिल है। इसके जवाब में, फडणवीस ने पुणे में पत्रकारों से कहा कि मैं अपने वचन का पालन करने वाला व्यक्ति हूं। इसीलिए, जब यह तय हुआ कि पुणे और पिंपरी-चिंचवाड़ में हम एनसीपी के साथ गठबंधन में चुनाव नहीं लड़ेंगे, तो हमने यह भी कहा था कि यह एक सौहार्दपूर्ण मुकाबला होगा और हम एक-दूसरे पर कोई व्यक्तिगत हमला नहीं करेंगे। हमने उस प्रतिबद्धता को अंत तक निभाया, लेकिन अजीत पवार ने ऐसा नहीं किया। उन्होंने ऐसा क्यों किया, यह मुझे नहीं पता। इससे पहले, अजीत पवार ने एएनआई को बताया, "चुनाव शुरू होने के बाद से, मैंने प्रेस कॉन्फ्रेंस करके बताया है कि क्या-क्या गलत हुआ है। पिंपरी-चिंचवाड़ इतना समृद्ध निगम था, फिर भी उन्हें बॉन्ड जारी करने पड़े। विभिन्न विभागों में लगभग 4,000 करोड़ रुपये के बिल लंबित हैं और भ्रष्टाचार बढ़ता जा रहा है। मैंने इसके उदाहरण दिए हैं।

प्रगति पोर्टल से बदली यूपी की तस्वीर, सीएम योगी बोले- बुनियादी ढांचा विकास में बने नंबर वन

लखनऊ एजेंसी: उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को कहा कि प्रगति (सक्रिय शासन और समयबद्ध कार्यान्वयन) केवल बड़ी अवसंरचना परियोजनाओं की समीक्षा करने की व्यवस्था नहीं है, बल्कि नए भारत की परिणामोन्मुखी कार्य संस्कृति का सशक्त प्रतीक है। एक विशेष प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि प्रगति प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा परिकल्पित शासन मॉडल को प्रतिबिंबित करती है, जो उद्देश्य, प्रौद्योगिकी और जवाबदेही पर आधारित है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रगति ने यह साबित कर दिया है कि जब उद्देश्य, प्रौद्योगिकी और जवाबदेही एक साथ आते हैं, तो ठोस परिणाम स्वतः ही सुनिश्चित हो जाते हैं। डिजिटल

शासन और सहकारी संघवाद को मजबूत करते हुए, इस मंच ने अंतर-मंत्रालयी और अंतर-विभागीय समन्वय के माध्यम से जटिल मुद्दों के समय पर समाधान को संभव बनाया है। मुख्यमंत्री योगी ने इसकी उत्पत्ति का जिक्र करते हुए बताया कि यह मॉडल 2003 में गुजरात में स्वागत (टेक्नोलॉजी के इस्तेमाल से शिकायतों पर राज्यव्यापी ध्यान) के रूप में शुरू हुआ था और 2014 के बाद राष्ट्रीय स्तर के प्रगति मंच में विकसित हुआ। राष्ट्रीय प्रभाव पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि प्रगति ने देशभर में 86 लाख करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं को गति देने में मदद की है। उठाए गए 3,162 प्रमुख मुद्दों में से 2,958 का समाधान हो चुका है, जो शासन प्रणाली की विश्वसनीयता को दर्शाता है। उत्तर प्रदेश का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि प्रगति योजना ने राज्य को भारत के अग्रणी अवसंरचना विकास केंद्रों में से एक बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। प्रगति के तहत निरंतर निगरानी के कारण एक्सप्रेसवे, रेलवे, मेट्रो, हवाईअड्डे, रैपिड रेल, अंतर्देशीय जलमार्ग और रोपवे से संबंधित प्रमुख परियोजनाएं समयबद्ध तरीके से आगे बढ़ी हैं।

वर्तमान में उत्तर प्रदेश के पास देश का सबसे बड़ा अवसंरचना पोर्टफोलियो है, जिसमें 10.48 लाख करोड़ रुपये की 330 परियोजनाएं शामिल हैं। इनमें से 2.37 लाख करोड़ रुपये की 128 परियोजनाएं (39 प्रतिशत) पूरी हो चुकी हैं और चालू हो चुकी हैं, जबकि 8.11 लाख करोड़ रुपये की 202 परियोजनाएं निर्धारित समयसीमा के भीतर प्रगति पर हैं।

'जना नायकन' विवाद के बीच टीवीके का बड़ा ऐलान, तमिलनाडु गठबंधन पर सिर्फ विजय लेंगे फैसला

नई दिल्ली एजेंसी: सीबीआई द्वारा पूछताछ के बाद टीवीके प्रमुख विजय के चेन्नई लौटने का इंतजार करते हुए, पार्टी के महासचिव सीटीआर निर्मल कुमार ने मंगलवार को कहा कि पार्टी अपने वैचारिक रुख को लेकर बिल्कुल स्पष्ट है और आगामी तमिलनाडु विधानसभा चुनावों के लिए गठबंधन की स्थिति में नेता निर्णय लेंगे। दिल्ली से विजय के लौटने का इंतजार करते हुए चेन्नई में पत्रकारों से बात करते हुए टीवीके सचिव ने कहा कि हम क्या करने जा रहे हैं और हमारा गठबंधन कैसा होगा, इस बारे में हम बिल्कुल स्पष्ट हैं। हमने अपना वैचारिक रुख पहले ही स्पष्ट कर दिया है। अगर गठबंधन की बात होती है, तो हम आपको सूचित करेंगे। कुमार ने आगे कहा कि गठबंधन की स्थिति में हमारे नेता निर्णय लेंगे। विजय की आखिरी फिल्म 'जना नायकन' के बारे में बात करते हुए, जिसकी रिलीज प्रमाणन में देरी के कारण स्थगित हो गई थी,

पार्टी नेता ने कहा कि वे चाहते हैं कि फिल्म 'शांतिपूर्ण ढंग से रिलीज' हो और रिलीज होने के बाद वे स्थिति को स्वीकार कर लेंगे। उन्होंने कहा, "हम उन सभी लोगों और नेताओं का धन्यवाद करते हैं जिन्होंने फिल्म की रिलीज का समर्थन किया। यह हमारे नेता की आखिरी फिल्म है। भावनात्मक रूप से, हमारे सभी पार्टी कार्यकर्ता, पूरा तमिलनाडु और सभी प्रशंसक चाहते थे कि यह फिल्म शांतिपूर्वक रिलीज हो, लेकिन यह मामला अदालत में लंबित है। फिल्म रिलीज होने के बाद हम स्थिति को स्वीकार कर लेंगे।" इससे पहले, लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने फिल्म की रिलीज का समर्थन किया, जबकि केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) द्वारा फिल्म के प्रमाणन को रोके जाने के बाद केंद्र सरकार पर हमला करते हुए इसे तमिल संस्कृति पर हमला बताया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी तमिल लोगों की आवाज को दबाने में सफल नहीं होंगे। कांग्रेस नेता ने एक्स पर लिखा, "सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय द्वारा 'जना नायकन' को रोकने का प्रयास तमिल संस्कृति पर हमला है।

केजरीवाल को राहत नहीं, संजय सिंह के साथ ही चलेगा मानहानि का केस

नई दिल्ली एजेंसी: दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को मंगलवार को बड़ा झटका लगा। गुजरात उच्च न्यायालय ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की शैक्षणिक योग्यता पर टिप्पणी से जुड़े आपराधिक मानहानि मामले में आम आदमी पार्टी के नेता संजय सिंह से अलग सुनवाई की मांग वाली उनकी याचिका खारिज कर दी। यह मामला आम आदमी पार्टी के नेताओं द्वारा प्रधानमंत्री की डिग्री की प्रामाणिकता पर सवाल उठाने से संबंधित है। न्यायमूर्ति एमआर मेंगडे ने आदेश सुनाते हुए कहा आवेदन खारिज किया जाता है। इससे पहले, अरविंद केजरीवाल ने अहमदाबाद स्थित सिटी सेशंस कोर्ट के अतिरिक्त प्रधान न्यायाधीश मनीष प्रद्युमन पुरोहित के 15 दिसंबर, 2025 के उस आदेश को चुनौती दी थी, जिसमें उन्होंने मजिस्ट्रेट कोर्ट द्वारा 23 सितंबर, 2023 को पारित आदेश को रद्द करने की मांग वाली उनकी पुनरीक्षण याचिका को खारिज कर दिया था। केजरीवाल ने मजिस्ट्रेट न्यायालय में अर्जी दाखिल कर अपील की थी कि याचिकाकर्ता का मुकदमा दूसरे आरोपी (आप नेता संजय सिंह) के मुकदमे से अलग चलाया जाए, क्योंकि दोनों घटनाओं को एक साथ जोड़कर एक ही शिकायत पर मुकदमा चलाना न्याय के हित में नहीं होगा। केजरीवाल ने सत्र न्यायालय में तर्क दिया था कि दोनों आरोपियों पर एक साथ मुकदमा नहीं चलाया जा सकता और मजिस्ट्रेट न्यायालय द्वारा अर्जी खारिज करना अवैध था, क्योंकि दोनों आरोपियों के खिलाफ लेन-देन और आरोप अलग-अलग हैं।

'तामिल आवाज दबा नहीं पाएंगे', फिल्म प्रतिबंध को लेकर राहुल गांधी की पीएम मोदी को सीधी चुनौती

नई दिल्ली एजेंसी: केंद्र सरकार द्वारा तमिल फिल्म जन नायकन पर रोक लगाने की कथित कार्रवाई को लेकर राजनीतिक बवाल मच गया है। विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय पर तमिल संस्कृति पर हमला करने का आरोप लगाया है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को चेतावनी दी है कि तमिल जनता की आवाज को दबाया नहीं जा सकता। मंगलवार को इस विवाद पर प्रतिक्रिया देते हुए गांधी ने पर सरकार को सीधी चुनौती दी। उन्होंने कहा कि सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय द्वारा 'जना नायकन' पर रोक लगाना तमिल संस्कृति पर हमला है। श्री मोदी, आप तमिल जनता की आवाज को दबाने में कभी सफल नहीं होंगे। जना नायकन को लेकर विवाद तब शुरू हुआ जब सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने कथित तौर पर फिल्म को मंजूरी देने से रोकने या उस पर रोक लगाने के लिए कदम उठाए। हालांकि केंद्र ने सार्वजनिक रूप से अपनी आपत्तियों का विवरण नहीं दिया है,

लेकिन मामले से परिचित सूत्रों का कहना है कि प्रमाणन मानदंडों और विषयवस्तु संबंधी दिशानिदेर्शों को लेकर चिंताएं जताई गई थीं, विशेष रूप से फिल्म के राजनीतिक निहितार्थों और समकालीन शासन व्यवस्था के साथ कथित समानताओं को लेकर। आधिकारिक तौर पर स्पष्टता की कमी ने अटकलों और आलोचनाओं को हवा दी है, खासकर तमिलनाडु में, जहां सिनेमा ऐतिहासिक रूप से राजनीतिक विचारों और सामाजिक आंदोलनों से जुड़ा रहा है। जन नायकन, जिसका अर्थ है "जनता का नेता", सामाजिक न्याय, राजनीतिक जवाबदेही और जन नेतृत्व पर आधारित अपनी कहानी के कारण रिलीज से पहले ही ध्यान आकर्षित कर चुका था। फिल्म के समर्थकों का तर्क है कि इसके विषय तमिल राजनीतिक इतिहास और सांस्कृतिक पहचान से गहराई से मेल खाते हैं। विपक्षी नेताओं और फिल्म जगत के सदस्यों ने फिल्म पर रोक लगाने के इस कदम को सेंसरशिप करार दिया है और चेतावनी दी है कि यह कलात्मक स्वतंत्रता को कमजोर करता है और भारत के सबसे राजनीतिक रूप से जागरूक फिल्म उद्योगों में से एक में सांस्कृतिक अभिव्यक्ति को सीमित करता है।

भारतीय सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने पाकिस्तान को चेताया, चीन सीमा के हालात से देश को अवगत कराया

नई दिल्ली एजेंसी: सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने आज पाकिस्तान को कड़ा संदेश देते हुए कहा कि ऑपरेशन सिंदूर अब भी जारी है और दुश्मन के किसी भी दुस्साहस से माकूल तरीके से निपटा जाएगा। सेना प्रमुख ने एक संवाददाता सम्मेलन में यह भी बताया कि चीन के साथ वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर हालात स्थिर हैं, लेकिन इस पर लगातार नजर रखने की जरूरत है। ऑपरेशन सिंदूर के अलग-अलग पहलुओं के बारे में विस्तार से बात करते हुए जनरल द्विवेदी ने कहा कि इससे रणनीतिक सोच को फिर से तैयार करने में मदद मिली, क्योंकि भारतीय सेना ने आतंकी ढांचे को खत्म करने और इस्लामाबाद की ह्यलंबे समय से चली आ रही परमाणु बयानबाजीह्ल को धता बताने के लिए अंदर तक हमला किया। उन्होंने कहा, जैसा कि आप जानते होंगे, ऑपरेशन सिंदूर अब भी जारी है, और भविष्य में किसी भी दुस्साहस का दृढ़ता से जवाब दिया जाएगा। जनरल द्विवेदी ने कहा कि तीनों सेनाओं के तालमेल को दिखाने वाला यह अभियान सीमापार आतंकवाद के लिए भारत का सोचा-समझा और मजबूत जवाब था, जो तैयारी, सटीकता और रणनीतिक स्पष्टता दिखाता है। उन्होंने यह भी कहा कि भारतीय सेना ने अपने सैनिकों को इकट्ठा कर लिया था और

वह जमीनी हमलों के लिए तैयार थी। जनरल द्विवेदी ने एक प्रश्न के जवाब में कहा, ह्यहमउत्तरी मोर्चे पर हालात स्थिर हैं, लेकिन लगातार नजर रखने की जरूरत है। नए सिरे से संपर्क और भरोसा बनाने के उपायों से हालात क्रमिक तरीके से सामान्य हो रहे हैं। उन्होंने कहा, साथ ही, संपूर्ण सरकार के रुख के माध्यम से क्षमता विकास और बुनियादी ढांचे को बेहतर बनाने का काम चल रहा है। सेना प्रमुख ने कहा कि जम्मू-कश्मीर में हालात संवेदनशील बने हुए हैं, लेकिन पूरी तरह नियंत्रण में हैं। भारतीय सेनाध्यक्ष जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने बेहद साफ शब्दों में कहा कि भारत जमीन से आक्रामक कार्रवाई के लिए पूरी तरह तैयार था और अब भी ऑपरेशन सिंदूर जारी है। यह कथन अपने आप में उस भ्रम को तोड़ने के लिए काफी है जो सीमा पार बैठा तंत्र अक्सर पाल लेता है। सेनाध्यक्ष ने खुलासा किया कि सीमा के उस पार आठ आतंकी ठिकाने अब भी सक्रिय हैं और उन पर हर गतिविधि भारतीय निगरानी में है। यह बयान सिर्फ जानकारी नहीं बल्कि सीधी चेतावनी है कि अब छिपने की कोई जगह नहीं बची है। किसी भी हरकत का जवाब तत्काल और निर्णायक होगा। यह नया भारत है जो पहले सबूत जुटाता है और फिर बिना हिचक प्रहार करता है। सेनाध्यक्ष ने जिस आत्मविश्वास से कहा कि भारत जमीन से कार्रवाई के लिए तैयार था, उससे यह साफ हो गया कि ऑपरेशन सिंदूर कोई तात्कालिक प्रतिक्रिया नहीं बल्कि सुनियोजित सैन्य प्रक्रिया है। इसका मतलब यह है कि सेना केवल नियंत्रण रेखा तक सीमित नहीं है बल्कि गहराई तक विकल्प तैयार रखे हुए है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि परमाणु धमकियों की हवा अब प्रभावहीन हो चुकी है। यह कथन बहुत बड़ा संकेत है। वर्षों से जिस डर को ढाल बनाकर सीमा पार दुस्साहस किया जाता रहा, अब वही डर छिद्रित हो चुका है। देखा जाये तो भारत अब परमाणु शोर से विचलित नहीं होता, बल्कि ठोस सैन्य गणना के साथ आगे बढ़ता है।

सेनाध्यक्ष ने ड्रोन गतिविधियों पर भी तीखा रुख अपनाया। उन्होंने साफ कहा कि दूसरी तरफ को अपने ड्रोन काबू में रखने की चेतावनी दी गई है। यह संकेत करता है कि आने वाले समय में संघर्ष केवल जमीन तक सीमित नहीं रहेगा। हवाई और तकनीकी मोर्चे पर भी सेना पूरी तरह सतर्क है।

भारतीय सेनाध्यक्ष जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने बेहद साफ शब्दों में कहा कि भारत जमीन से आक्रामक कार्रवाई के लिए पूरी तरह तैयार था और अब भी ऑपरेशन सिंदूर जारी है।

संपादकीय

अमेरिका की निगाह ईरान पर

ईरान में दिसंबर 2025 के आखिरी दिनों में आर्थिक संकट से भड़का आंदोलन अब सत्ता के खिलाफ खुले विद्रोह में बदल चुका है। ईरान की सड़कों पर इस समय भयावह मंजर है। एक तरफ सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई के खिलाफ सड़कों पर उबाल जारी है, तो वहीं प्रदर्शनकारियों को आतंकवादी करार देते हुए उन्हें कुचला जा रहा है। लेकिन यह केवल आंतरिक हिंसा नहीं है, बाहर से अमेरिका इस आग में घी डालने का काम लगातार कर रहा है। डोनाल्ड ट्रंप भले खुद को नोबेल शांति पुरस्कार के लिए सबसे योग्य मानें, असल में वे युद्ध अपराधों और मासूमों की जान लेने के दोषी ठहराए जाने चाहिए। वेनेजुएला पर तो ट्रंप अपना दावा ठोंक ही चुके हैं, अभी उन्होंने एक तस्वीर भी जारी की है, जिसमें वो खुद को वेनेजुएला का कार्यवाहक राष्ट्रपति दिखा रहे हैं। किसी देश की संप्रभुता और सम्मान के साथ ऐसा मजाक आधुनिक सभ्यता में नहीं किया जा सकता। लेकिन ट्रंप सभ्यता, कूटनीति और नैतिकता के तकाजों को मानते ही नहीं हैं। उन्हें केवल मुनाफे की परिभाषा समझ आती है। ट्रंप ने वेनेजुएला के बाद ग्रीनलैंड हड़पने की चेतावनी दी है। उत्तर अमेरिका और आर्कटिक के बीच बसा ग्रीनलैंड ट्रंप को अपने लिए सामरिक महत्व का लगता है, लेकिन केवल इस वजह से उस पर कब्जे की इजाजत नहीं दी जा सकती। ग्रीनलैंड डेनमार्क का अर्द्धस्वायत्त वाला देश है, यहां के लोग खुद अपना शासन चलाते हैं लेकिन विदेश नीति और सेना डेनमार्क के पास है। डेनमार्क ने साफ चेतावनी दी है कि अगर ट्रंप ने ग्रीनलैंड पर सैन्य कार्रवाई की, तो नाटो खत्म हो जाएगा। फ्रांस, इटली, जर्मनी जैसे बाकी देश भी अब ट्रंप से सावधान हो चुके हैं। जब अमेरिका की पूंजीवादी विस्तारवादी नीति एशिया या अफ्रीका के देशों को अपनी चपेट में लेती रही, तो ये यूरोपीय देश लोकतंत्र और उदारवाद के नाम पर अमेरिका का साथ देते आए। मगर अब खुद उन पर आंच आनी शुरू हुई तो उन्हें समझ आ रहा है कि-

लगेगी आग तो आएंगे घर कई जद में,
यहां पे सिर्फ हमारा मकान थोड़ी है।।
-राहत इंदौरी।

बहरहाल, यूरोपीय देशों को जो खतरा अब दिख रहा है, ईरान से उसे पहले ही भांप लिया था। हालांकि इसमें ईरानी शासन की अपनी खामियां भी हैं, लेकिन उसे अपने स्तर पर सुधरने का मौका दिया जाना चाहिए, न कि इसमें बाहरी ताकतों का दखल होना चाहिए। इस समय ईरान में आर्थिक संकट से खड़े हुए आंदोलन के बाद तख्तापलट का खतरा बढ़ गया है। पिछले साल 28 दिसंबर को शुरू हुए जनआंदोलन में अब तक 5 सौ से ज्यादा मौतें हो चुकी हैं और 10 हजार से ज्यादा लोग बंदी बनाए गए हैं। 1979 में हुई इस्लामिक क्रांति के बाद 47 साल में ऐसा आंदोलन कभी नहीं देखा गया। हालांकि इस बीच महसा अमीनी की मौत के बाद महिला अधिकारों को लेकर 2022 में आंदोलन हुआ था, लेकिन उसकी प्रकृति अलग थी।

चिंतन-मनन

मिथ्या और वास्तविक अहंकार

मिथ्या अहंकार का अर्थ है, इस शरीर को आत्मा मानना। जब कोई यह जान जाता है कि वह शरीर नहीं, अपितु आत्मा है तो वह वास्तविक अहंकार को प्राप्त होता है। अहंकार तो रहता ही है। मिथ्या अहंकार की भर्त्सना की जाती है, वास्तविक अहंकार की नहीं। वैदिक साहित्य में कहा गया है अहं ब्रह्मास्मि- मैं ब्रह्म हूं, मैं आत्मा हूं। ह्यमै हंह्म ही आत्म भाव है और यह आत्म साक्षात्कार की मुक्त अवस्था में भी पाया जाता है। ह्यमै हंह्म का भाव ही अहंकार है लेकिन जब ह्य मै हंह्म भाव को मिथ्या शरीर के लिए प्रयुक्त किया जाता है, तो वह मिथ्या अहंकार होता है। जब इस आत्म भाव (स्वरूप) को वास्तविकता के लिए प्रयुक्त किया जाता है, तो वह वास्तविक अहंकार होता है। ऐसे कुछ दार्शनिक हैं जो यह कहते हैं कि हमें अपना अहंकार त्यागना चाहिए। लेकिन हम अपने अहंकार को त्यागे कैसे? क्योंकि अहंकार का अर्थ है स्वरूप। लेकिन हमें मिथ्या देहात्मबुद्धि का त्याग करना ही होगा।

जन्म, मृत्यु, जरा तथा व्याधि को स्वीकार करने के कष्ट को समझना चाहिए। वैदिक ग्रन्थों में जन्म के अनेक वृत्तान्त है। श्रीमद्भागवत में जन्म से पूर्व की स्थिति, माता के गर्भ में बालक के निवास, उसके कष्ट आदि का सजीव वर्णन है। चूंकि हम भूल जाते हैं कि माता के गर्भ में हमें कितना कष्ट मिला है, अतएवं हम जन्म तथा मृत्यु की पुनरावृत्ति का कोई हल नहीं निकाल पाते। इसी प्रकार मृत्यु के समय भी सभी प्रकार के कष्ट मिलते हैं, जिनका उल्लेख प्रामाणिक शास्त्र में हुआ है। इनकी विवेचना की जानी चाहिए। जहां तक रोग तथा वृद्धावस्था का प्रश्न है, सबको इनका व्यावहारिक अनुभव है। कोई भी रोगग्रस्त नहीं होना चाहता, कोई भी बूढ़ा नहीं होना चाहता, लेकिन इनसे बचा नहीं जा सकता। जब तक हम जन्म, मृत्यु, जरा तथा व्याधि के दुखों को देखते हुए इस भौतिक जीवन के प्रति निराशावादी दृष्टिकोण नहीं बना पाते, तब तक आध्यात्मिक जीवन में प्रगति करने के लिए कोई प्रोत्साहन नहीं रह जाता।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

बिना ईडी के किसी राज्य में चुनाव संभव नहीं?

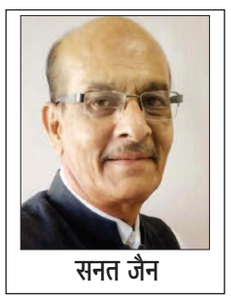

सनत जैन

कुछ ही महीनो में पांच राज्यों में चुनाव होने वाले हैं। पिछले 4 वर्ष में जहां-जहां विधानसभा, लोकसभा और अन्य महत्वपूर्ण चुनाव होते हैं, वहां पर केंद्रीय परिवर्तन निदेशालय के अधिकारी (ईडी) ठीक उसी तरह से पहुंच जाती है जिस तरह से चुनाव आयोग वहां पर चुनाव कराने के लिए पहुंचता है। महाराष्ट्र, दिल्ली, झारखंड, छत्तीसगढ़ के जब चुनाव हुए थे, तब ईडी की कार्यवाही को सबने देखा है। लोकसभा के जब चुनाव हो रहे थे उस समय भी ईडी देश भर में सक्रिय हो गई थी। अब असम, केरल, पांडुचेरी, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु इत्यादि राज्यों में चुनाव होना है। वहां पर भी ईडी बड़ी तेजी के साथ सक्रिय हो गई है। चुनाव के कुछ महीने पहले ही कई वर्षों पुराने मामले की जांच और छापे की कार्यवाही ईडी के अधिकारी विपक्षी दलों के नेताओं या उनसे जुड़े हुए लोगों के खिलाफ कर देते हैं। भाजपा इसका इस्तेमाल चुनाव के लिए करती है। ईडी की इस टाइमिंग को लेकर विपक्षी दल लगातार सवाल उठा रहे हैं। केंद्र सरकार और चुनाव आयोग को विपक्षी दलों की शिकायतों को सुनने का ना तो समय है और ना ही वह सुनना चाहते हैं। केंद्र सरकार की शह पर ईडी सक्रिय होती है। इस तरह का आरोप विपक्षी नेता लगाते हैं। ऐसी स्थिति में केंद्र सरकार कोई हस्तक्षेप करेगी, इस बात की कल्पना भी नहीं की जा सकती है। पहले चुनाव आयोग जरूर निष्पक्ष चुनाव कराने के लिए सजग रहता था। सभी राजनीतिक दलों को चुनाव में समान अवसर मिलें। इसको ध्यान में रखते हुए चुनाव आयोग समय-समय पर कार्यवाही करता था। पिछले 4 वर्षों में चुनाव आयोग निष्पक्ष नहीं रहा। चुनाव आयोग के तीनो आयुक्त को विपक्षी दल गांधी जी के तीन बंदर बताने लगे हैं। जो भाजपा के खिलाफ शिकायत होने पर ना बुरा देखते हैं, ना बुरा सुनते हैं, ना बुरा कहते हैं। विपक्षी दल इसकी शिकायत कोर्ट में भी करते आ रहे हैं। हाल ही में ईडी के अधिकारी बंगाल के साथ-साथ तमिलनाडु, केरल और असम भी पहुंच गए हैं। सबसे बड़ी तीखी प्रतिक्रिया पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता दीदी ने दी है। पश्चिम बंगाल की टीएमसी पार्टी के आईटी सेल के आईपैड कंपनी पर ईडी के अधिकारियों ने छापा डाला। यह मामला 2020 में दर्ज किया गया था। दो चुनाव पहले हो चुके हैं। अब विधानसभा चुनाव के ठीक पहले ईडी के अधिकारी छापा मारने पहुंच गए। छापा स्थल पर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पहुंची। उन्होंने ईडी के अधिकारियों से पार्टी से संबंधित दस्तावेजों को छुड़ा लिया। ईडी के अधिकारियों के खिलाफ पश्चिम बंगाल पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया। वहां से ईडी के अधिकारियों को भागना पड़ा। अब यह मामला हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में ईडी लेकर गई है।

इसी तरह से तमिलनाडु में शराब और रियल एस्टेट घोटाले को लेकर ईडी के अधिकारी सक्रिय हो गए हैं। इसी तरह केरल में गोल्ड तस्करी और सहकारी बैंक घोटाले के पुराने मामलों को खोलकर एलडीएफ के नेताओं और सरकार को घेरने की कोशिश ईडी के अधिकारी कर रहे हैं। केंद्रीय परिवर्तन निदेशालय (ईडी) के अधिकारियों का यह पैटर्न कोई नया नहीं है। इसके पहले भी झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को चुनाव के दौरान गिरफ्तार किया गया था। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को भी तिहाड़ जेल की हवा खिलाई गई थी। महाराष्ट्र के चुनाव में शिवसेना और एनसीपी के नेताओं को भी ईडी ने अपने शिकंजे में कसा था। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से जुड़े हुए लोगों के खिलाफ ईडी ने कार्रवाई की थी। लोकसभा चुनाव के समय कांग्रेस के सभी खातों को बंद कर दिया गया था। पिछले 4 वर्षों में ईडी का कोई विरोध नहीं हो रहा था, जिसके कारण ईडी का दायरा बढ़ता चला गया। लोकसभा-विधानसभा चुनाव के बाद अब स्थानीय संस्थाओं के चुनाव में भी ईडी के अधिकारी चुनाव से पहले सक्रिय हो जाते हैं। केंद्रीय चुनाव आयोग इन मामलों में चुप्पी साधकर बैठा रहता है। विपक्षी राजनीतिक दल शिकायत करते हैं। चुनाव आयोग उस पर कोई कार्यवाही नहीं करता है। विपक्षी दल आरोप लगाते हैं, यह सब केंद्र सरकार के इशारे पर होता है। अब तो विपक्षी दल न्याय पालिका के खिलाफ भी खुलकर बोलने लगे हैं। विपक्षी दल जब न्यायपालिका में न्याय पाने के लिए जाते हैं, वहां से उन्हें न्याय तो नहीं मिलता है, हां तारीख पर तारीख जरूर मिलना शुरू हो जाती है। बिहार एसआईआर के मामले में भी कुछ ऐसा ही हुआ है। बिहार में चुनाव भी हो गए, मामले की सुनवाई अभी भी सुप्रीम कोर्ट में चल रही है। ऐसी स्थिति में लोगों का संवैधानिक संस्थाओं से भरोसा उठने लगा है। बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बता दिया है, वह इस लड़ाई को अब सड़कों पर लड़ने के लिए तैयार हैं। इससे विपक्षी दलों का डर और भय अब खत्म होने लगा है। विभिन्न राज्यों में यह प्रतिरोध अब देखने को मिलने लगा है। ममता बनर्जी के बाद अब अन्य विपक्षी दल के नेता बड़ी तेजी के साथ सक्रिय हो गए हैं। जिसके कारण आने वाले समय में चुनाव आयोग तथा ईडी के अधिकारियों की मुसीबतें बढ़ना तय है। ऐसा लोग अब कहने लगे हैं। न्यायपालिका को अपनी संवैधानिक जिम्मेदारी के प्रति सजग होना होगा। भारतीय संविधान में संविधान की रक्षा और मौलिक अधिकारों का संरक्षण करने का दायित्व न्यायपालिका का है। न्यायाधीशों में न्याय की नैतिकता और न्यायप्रियता तथा न्याय उचित समय पर मिले इसका ध्यान रखना होगा। अन्यथा देश अराजकता की ओर आगे बढ़ेगा, इसमें देश और सभी का नुकसान होगा।

वैश्विक उथल-पुथल में भारतीय विवेक और विकास का संतुलन

नीलेश वर्मा

वर्तमान वैश्विक परिदृश्य गहरी अस्थिरता के दौर से गुजर रहा है और हम भारतीय आनंद के साथ अपने तीज-त्यौहार मना रहे हैं, पूरे देश में भव्य रूप में विभिन्न उत्सवों व समारोहों का आयोजन हो रहा है। हमें यह भी याद रखना होगा कि इसके पीछे हमारे पूर्वजों का बलिदान और भावी योजना है, क्योंकि आज जब हम देखतें हैं तो एशिया, यूरोप, अफ्रीका और मध्य-पूर्व के अनेक हिस्सों में युद्ध, गृहसंघर्ष, सत्ता संघर्ष और तख्तापलट की घटनाएँ अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था को लगातार कमजोर कर रही हैं। सीमाई विवाद सशस्त्र टकराव में बदल रहे हैं, लोकतांत्रिक संस्थाएँ दबाव में हैं और विश्व अर्थव्यवस्था पर इसका सीधा असर दिख रहा है। परिणामस्वरूप ऊर्जा संकट, बढ़ती महँगाई और आपूर्ति-श्रृंखला में बाधाओं ने विशेष रूप से विकासशील देशों के सामने अस्तित्व और स्थिरता की दोहरी चुनौती खड़ी कर दी है।

ऐसे संकटों से भरे वातावरण में भारत का दृष्टिकोण संतुलित, परिपक्व और दूरदर्शी दिखाई देता है। जहाँ कई देश युद्ध और टकराव को ही समाधान मान रहे हैं, वहीं भारत ने कूटनीति, संवाद और संयम को प्राथमिकता दी है। भारत ने यह करके दिखाया है कि स्थायी समाधान शक्ति-प्रदर्शन से नहीं, बल्कि विवेकपूर्ण निर्णयों से निकलता है। पड़ोसी पाकिस्तान के संदर्भ में भी भारत का यही दृष्टिकोण रहा। ऑपरेशन सिंदूर के बाद उत्पन्न तनावपूर्ण परिस्थितियों में भारत ने सैन्य दृढ़ता के साथ-साथ रणनीतिक संयम का परिचय दिया। उकसावे के बावजूद स्थिति को व्यापक युद्ध में बदलने से रोकना, अंतरराष्ट्रीय मंचों पर तथ्यों के साथ शांतिपूर्ण पक्ष रखना और क्षेत्रीय शांति को प्राथमिकता देना भारत को एक जिम्मेदार वैश्विक शक्ति के रूप में स्थापित करता है।

आज पूरा विश्व देख रहा है बांग्लादेश में भीड़ द्वारा हिंदू अल्पसंख्यकों का नरसंहार हो रहा है, अमेरिका-रूस और वेनेजुएला विवाद, ईरान में आंतरिक विरोध, इजरायल-लेबनान संघर्ष, मध्य-पूर्व में तनाव, सीरिया की सैन्य कार्रवाइयाँ, यूक्रेन, गाजा, सूडान और म्यांमार के युद्ध, अफ्रीका में तख्तापलट, चीन-ताइवान तनाव, पाकिस्तान के बलूचिस्तान में हिंसा, अफगानिस्तान की अस्थिरता और नेपाल की राजनीतिक कमजोरी यह सब दशार्ता है कि वैश्विक व्यवस्था गहरे संकट में है। ऐसे समय में भारत का संयमित व्यवहार और विकास-केंद्रित सोच यह संदेश देती है कि स्थायी शक्ति संवाद, सामाजिक सद्भाव और समावेशी प्रगति से ही बनती है।

इन सबके बावजूद भारत के भीतर विकास की गति निरंतर बनी रही। सड़क, रेल, बंदरगाह और हवाई अड्डों जैसे बुनियादी ढाँचों का विस्तार होने के साथ ही डिजिटल इंडिया के माध्यम से तकनीकी समावेशन, स्वदेशी रक्षा उत्पादन और ह्यमेक इन इंडियाह्व को बढ़ावा मिलना भारत की विकास-केंद्रित नीति को दशार्ते हैं। शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के माध्यम से अंतिम पंक्ति के नागरिक तक विकास पहुँचाने का प्रयास जारी है। नवीकरणीय ऊर्जा, जलवायु परिवर्तन के प्रति प्रतिबद्धता और आत्मनिर्भर अर्थव्यवस्था की दिशा में उठाए गए कदमों ने वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच भारत को मजबूत आधार दिया है। भारत ने विकास और सुरक्षा के बीच संतुलन बनाए रखा है। एक ओर सैन्य तैयारी और आंतरिक सुरक्षा को मजबूत किया, तो दूसरी ओर लोकतांत्रिक मूल्यों और सामाजिक सौहार्द को सुरक्षित रखने पर भी जोर दिया। यही संतुलन भारत को उन देशों से अलग करता है, जहाँ सत्ता संघर्ष और अस्थिरता ने विकास को वर्षों पीछे धकेल दिया।

देश के भीतर सुधारों की प्रक्रिया भी समानांतर रूप से आगे बढ़ी है। महिला आरक्षण, जीएसटी के माध्यम से कर-व्यवस्था का एकीकरण, तीन तलाक पर प्रतिबंध, अनुच्छेद 370 का निरसन, नागरिकता संशोधन अधिनियम, नई शिक्षा नीति, श्रम संहिताओं का सरलीकरण, दिवालियापन संहिता, डिजिटल डेटा संरक्षण कानून, औपनिवेशिक आपराधिक कानूनों के स्थान पर नई न्याय संहिताएँ, आतंकवाद और भ्रष्टाचार के विरुद्ध सख्त प्रावधान तथा चुनावी-प्रशासनिक पारदर्शिता के लिए एसआईआर जैसे कदम यह दशार्ते हैं कि सुधार केवल घोषणाओं तक सीमित नहीं, बल्कि संस्थागत स्तर पर लागू किए जा रहे हैं। विकास के ये प्रयास जमीन पर स्पष्ट रूप से दिखाई देते हैं, जिनमें दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे, पूर्व-पश्चिम कॉरिडोर, वंदे भारत ट्रेनें, अमृत भारत स्टेशन योजना, अयोध्या, काशी और सोमनाथ का सांस्कृतिक पुनर्विकास, मुंबई की कोस्टल रोड और अटल सेतु, सौर-पवन ऊर्जा परियोजनाएँ, मेडिकल कॉलेजों और अस्पतालों का विस्तार, हर-घर जल योजना, गगनयान और सेमीकंडक्टर परियोजनाओं में निवेश तथा सीमावर्ती क्षेत्रों में सड़क-सुरंग-पुल निर्माण ने यह साबित किया है कि भारत की विकास योजनाएँ ठोस कार्यों में बदल रही हैं।

वर्ष 2025 में सुरक्षा की दृष्टि से भारत ने विवेकपूर्ण भूमिका निभाई है। छत्तीसगढ़-तेलंगाना के सीमावर्ती जंगलों में ऑपरेशन ब्लैक फॉरेस्ट के तहत नक्सल-माओवादी नेटवर्क पर निर्णायक कार्रवाई की गई। बीजापुर (छत्तीसगढ़) में नक्सली हिंसा के बाद क्षेत्र-नियंत्रण और तलाशी अभियान चलाए गए। नियंत्रण रेखा और वास्तविक नियंत्रण रेखा पर सतत गश्त और त्वरित तैनाती से स्थिरता बनाए रखी गई। साथ ही अजेय वॉरियर-25 (राजस्थान), हरिमाऊ शक्ति-2025 (मलेशिया), ऑस्ट्राहिंद-2025 (ऑस्ट्रेलिया) और ब्राइट स्टार-2025 (मिस्र) जैसे अभ्यासों से अंतरराष्ट्रीय सैन्य सहयोग को मजबूती मिली। राष्ट्रीय नागरिक सुरक्षा मॉक ड्रिल-2025 और रक्षा आधुनिकीकरण ने भारत की तैयारी को और सुदृढ़ किया।

स्पष्ट है कि युद्ध और अराजकता के इस दौर में भारत ने विवेक, संवाद और समावेशी विकास के मार्ग को चुना है। यही भारतीय दृष्टिकोण न केवल देश के भविष्य को सुरक्षित करता है, बल्कि वैश्विक शांति में भी सकारात्मक योगदान देता है। भारतीय विवेक की यही विजय है और संतुलित विकास ही उसकी पहचान है, जो भविष्य में भारत के विश्व गुरू बनने की राह प्रशस्तप करते हैं। हमें गर्व है कि हम ऐसे महान देश के नागरिक हैं और हमारा सौभाग्य है जो हमने भारत भूमि पर जन्म लिया है। अपने कर्तव्यों और दायित्वों का ईमानदारी से पालन कर हमें देश के स्वाभिमान की रक्षा करनी होगी, ताकि हमारी आने वाली पीढ़ी आनंद व उमंग के साथ सौहार्दपूर्ण वातावरण में अपने गौरवमयी इतिहास को देख सके। (लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं।)

तिल-गुड़ की मिठास में बसा सूर्य पर्व है 'मकर संक्रांति'

मकर संक्रांति भारतीय संस्कृति का ऐसा प्राचीन पर्व है, जिसकी जड़ें केवल धार्मिक आस्था में ही नहीं, बल्कि प्रकृति, कृषि, खगोल विज्ञान और लोकजीवन की गहरी समझ में भी समाई हुई हैं। यह पर्व मूलतः सूर्य उपासना का उत्सव है, जिसे प्रतिवर्ष 14 या 15 जनवरी को पूरे उल्लास और श्रद्धा के साथ भारत सहित अनेक देशों में किसी न किसी रूप में मनाया जाता है। मकर संक्रांति का महत्व इसलिए भी विशिष्ट है क्योंकि यह पर्व किसी पौराणिक कथा तक सीमित न होकर खगोलीय घटना से प्रत्यक्ष रूप से जुड़ा हुआ है। इसी दिन सूर्य धनु राशि से निकलकर मकर राशि में प्रवेश करता है और अपनी उत्तरायण यात्रा आरंभ करता है, जिसे अंधकार से प्रकाश की ओर, निराशा से आशा की ओर और जड़ता से चेतना की ओर संक्रमण का प्रतीक माना गया है। इस वर्ष मकर संक्रांति 14 जनवरी को मनाई जा रही है।

मकर संक्रांति केवल एक तिथि नहीं, बल्कि ऋतु परिवर्तन का सजीव संकेत भी है। इसी दिन से वसंत ऋतु के आगमन की आहट मिलने लगती है। खरीफ की फसलें घरों तक पहुंच चुकी होती हैं और खेतों में रबी की फसलें लहलहाने लगती हैं। सरसों के पीले फूल खेतों में प्रकृति की मुस्कान बिखेरते हैं और किसान के श्रम का प्रतिफल उसकी आंखों के सामने साकार होने लगता है। यही कारण है कि मकर संक्रांति को देशभर में फसलों के आगमन और कृषि समृद्धि के पर्व के रूप में भी देखा जाता है। यह उत्सव किसान के लिए आशा, संतोष और भविष्य की संभावनाओं का प्रतीक बन जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इसी दिन सूर्य देव अपने सात घोड़ों वाले रथ पर सवार होकर मकर राशि में प्रवेश करते हैं। यह परिवर्तन केवल खगोलीय नहीं, बल्कि आध्यात्मिक दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण माना गया है। मान्यता है कि मकर संक्रांति के दिन सूर्य देव अपने पुत्र शनिदेव से वर्षों पुरानी नाराजगी भुलाकर उनके घर गए थे, इसलिए यह पर्व पारिवारिक समरसता, क्षमा और संबंधों की पुनर्स्थापना का संदेश भी देता है। एक अन्य पौराणिक कथा के अनुसार महाराज भगीरथ ने अपने पूर्वजों के उद्धार के लिए इसी दिन तर्पण किया था, जिससे इस तिथि को पितृ तर्पण और पुण्यकर्म से भी जोड़ा गया।

खगोल विज्ञान की दृष्टि से मकर संक्रांति का महत्व अत्यंत वैज्ञानिक है। पृथ्वी की गोलाकार संरचना और उसके अक्ष पर झुके हुए भ्रमण के कारण दिन और रात की अवधि में परिवर्तन होता है। जब सूर्य दक्षिणायन से उत्तरायण की ओर बढ़ता है, तब उत्तरी गोलार्द्ध में दिन धीरे-धीरे बड़े होने लगते हैं और रातें छोटी होने लगती हैं। लोकभाषा में कहा जाता है कि मकर संक्रांति से दिन 'तिल-तिल' बढ़ता है। दिन की अवधि बढ़ने से खेतों में बोए गए बीजों को अधिक प्रकाश, ऊष्मा और ऊर्जा मिलती है, जिससे फसलों की वृद्धि बेहतर होती है। यही कारण है कि यह पर्व किसानों के लिए विशेष महत्व रखता है और कृषि आधारित भारतीय समाज में इसका गहरा स्थान है। 'मकर' शब्द जहां मकर राशि की ओर संकेत करता है, वहीं 'संक्रांति' का शाब्दिक अर्थ है– संक्रमण या प्रवेश। सूर्य जब एक राशि को छोड़कर दूसरी राशि में प्रवेश करता है, तो उस खगोलीय घटना को संक्रांति कहा जाता है। सूर्य वर्षभर में कुल बारह राशियों में क्रमशः प्रवेश करता है, परंतु मकर संक्रांति को सबसे महत्वपूर्ण इसलिए माना गया है क्योंकि यह उत्तरायण का प्रारंभ बिंदु है। भारतीय परंपरा में उत्तरायण काल को अत्यंत शुभ माना गया है। महाभारत में भी भीष्म पितामह ने उत्तरायण की प्रतीक्षा करते हुए देह त्याग किया था, जिससे इस काल की पुण्यता और अधिक स्थापित होती है।

मकर संक्रांति की एक विशिष्ट विशेषता यह भी है कि यह भारत का ऐसा पर्व है, जो लगभग पूरे देश में किसी न किसी रूप में मनाया जाता है, हालांकि इसके नाम, परंपराएं और स्वरूप क्षेत्र विशेष के अनुसार बदल जाते हैं। उत्तर भारत में यह पर्व कहीं लोहड़ी, कहीं खिचड़ी, कहीं माघी तो कहीं पतंगोत्सव के रूप में मनाया जाता है। मध्य भारत में इसे सामान्यतः संक्रांति कहा जाता है, जबकि दक्षिण भारत में यही पर्व 'पोंगल' के रूप में महापर्व का दर्जा रखता है। कहीं इसे उत्तरायण कहा जाता है तो कहीं पौष संक्रांति। असम में यह भोगाली बिहू या माघ बिहू कहलाता है, तो बंगाल में पौष संक्रांति के रूप में मनाया जाता है। भारत की सीमाओं से बाहर भी मकर संक्रांति का सांस्कृतिक विस्तार देखने को मिलता है। नेपाल में यह माघे संक्रांति या खिचड़ी संक्रांति के रूप में मनाई जाती है। श्रीलंका में इसे पोंगल या उझवर तिरूनल कहा जाता है। बांग्लादेश में पौष संक्रांति, थाईलैंड में सोंगकरन, म्यांमार में थिंयान, कंबोडिया में मोहा संगक्रान और लाओस में पि मा लाओ के नाम से यह पर्व मनाया जाता है। यह तथ्य दशार्ता है कि सूर्य, ऋतु और कृषि से जुड़ा यह पर्व सीमाओं से परे मानव सभ्यता का साझा उत्सव है।

हिन्दू शास्त्रों में मकर संक्रांति को अत्यंत पुण्यदायी पर्व माना गया है। इस दिन तीर्थ स्नान, दान, जप और श्राद्धकर्म को विशेष फलदायी कहा गया है। गंगा, यमुना, गोदावरी, नर्मदा जैसी पवित्र नदियों के तटों पर लाखों श्रद्धालु इस दिन स्नान के लिए एकत्र होते हैं। गंगासागर में मकर संक्रांति पर लगने वाला मेला इस पर्व की विराटता और आस्था की गहराई का जीवंत उदाहरण है। कहा जाता है कि इस दिन पवित्र नदियों में स्नान करने से न केवल आध्यात्मिक शुद्धि होती है, बल्कि मानसिक और शारीरिक ऊर्जा भी प्राप्त होती है। मकर संक्रांति पर तिल का विशेष महत्व है। तिल को शुद्धता, ऊर्जा और सकारात्मकता का प्रतीक माना गया है। इस दिन तिल-गुड़ से बने व्यंजनों का सेवन और दान करने की परंपरा लगभग पूरे देश में देखने को मिलती है। माना जाता है कि तिल और गुड़ शरीर को ऊष्मा प्रदान करते हैं और शीत ऋतु में स्वास्थ्य के लिए लाभकारी होते हैं। यही कारण है कि इस पर्व पर 'तिल-गुड़ लो और मीठा बोलो' जैसी लोक कहावतें सामाजिक सौहार्द और आपसी संबंधों में मधुरता का संदेश देती हैं।

मकर संक्रांति का एक लोकप्रिय स्वरूप पतंगोत्सव के रूप में भी सामने आता है। उत्तर भारत और पश्चिमी भारत के कई हिस्सों में इस दिन आकाश रंग-बिरंगी पतंगों से भर जाता है। पतंग उड़ाना केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि सामाजिक मेल-जोल और स्वास्थ्य से भी जुड़ा हुआ है। कड़ाके की ठंड के मौसम में खुले आकाश के नीचे कुछ घंटे सूर्य के प्रकाश में बिताना शरीर के लिए लाभकारी माना जाता है। यह परंपरा अनजाने में ही सूर्य स्नान का रूप ले लेती है, जिससे त्वचा, हड्डियों और संपूर्ण स्वास्थ्य को लाभ पहुंचता है। इस प्रकार मकर संक्रांति केवल एक धार्मिक पर्व नहीं, बल्कि प्रकृति और मानव जीवन के बीच संतुलन का उत्सव है। यह पर्व हमें सूर्य के महत्व, कृषि के मूल्य, सामाजिक सौहार्द और सकारात्मक जीवन दृष्टि का बोध कराता है। विविधताओं से भरे भारतीय समाज में मकर संक्रांति एक ऐसा सूत्र है, जो विभिन्न भाषाओं, परंपराओं और संस्कृतियों को एक साझा भाव में बांध देता है। यही इसकी सबसे बड़ी विशेषता और स्थायी प्रासंगिकता है।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में जिला पोषण समिति की बैठक संपन्न

अमरोहा (सब का सपना):- जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जिला पोषण मिशन के अन्तर्गत कन्वर्जेन्स एक्शन प्लान की जिला स्तरीय पोषण समिति की बैठक आयोजित की गई। जिलाधिकारी ने सभी सीडीपीओ एवं सुपरवाइजर को निर्देश देते हुए कहा कि सभी बच्चों का वजन और ऊंचाई का सही मापन हो। इसके लिए सभी आंगनवाड़ी कार्यकत्री और सुपरवाइजर की ट्रेनिंग कराने के भी निर्देश दिए। निर्देश दिए कि आंगनबाड़ी कार्यकत्री किसी भी बच्चे की गलत स्थिति न चढ़ाएं यदि वह कुपोषित है तो उसे उसकी फीडिंग सही प्रकार करें। और उन्होंने निर्देश दिए कि जिस सेंटर पर अधिक कुपोषित बच्चे या नाटापन वाले अधिक बच्चे पाया जाना वहां विजिट कर उचित कार्यवाही करें। जिलाधिकारी ने सभी ग्रामों में आंगनवाड़ी केंद्रों पर वजन और ऊंचाई मापने सहित अन्य सभी आवश्यक उपकरण अवश्य हो। जिलाधिकारी ने कहा कि जिस ग्राम पंचायत पर आंगनबाड़ी केंद्र नहीं है तो वहां का प्रस्ताव जल्द से जल्द भेजें। उन्होंने सुपरवाइजर्स को निर्देश दिए की आंगनवाड़ी केंद्र पर जाकर आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों द्वारा जो कार्य किया गया है उसको चेक करें और जो कमी है उसे पूर्ण करें और आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को बताएं भी कि उसे कमी का निस्तारण कैसे किया जा सकता है यह सुपरवाइजर की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि एक-एक बच्चे का वजन आवश्यक हो यदि कोई बच्चा केंद्र पर नहीं है और उसका वजन नहीं है तो यह आवश्यक पता करें कि बच्चा कहां है और केंद्र पर क्यों नहीं आ रहा है। उन्होंने कहा होम विजिट करें और जो आंगनबाड़ी कार्यकत्री कार्य नहीं कर रही है उन पर कार्यवाही अवश्य हो। जिला कार्यक्रम अधिकारी ने अपार आई0डी0 के बारे में अवगत कराते हुए कहा कि यह आईडी 3 से 6 साल तक के बच्चों की बनी है और आवश्यक है और इसके लिए तीन से छह साल तक के बच्चों का आधार कार्ड अवश्य होना चाहिए इसलिए उन बच्चों के आधार कार्ड बनवाने के लिए पोस्ट ऑफिस बैंक या बीआरसी पर जाकर आधार कार्ड बनवाएं ताकि उनकी अपार आईडी बन सके। जिलाधिकारी ने सभी सुपरवाइजर को निर्देश दिए की बीएचएमएसडी सेशन का कार्य शुरू कारण और सुपरवाइजर्स प्रत्येक 5-5 सेंटर पर जाकर बीएचएनएसडी सेशन पर जाकर देखें। जिलाधिकारी ने इस अवसर पर आईसीडीएस के अंतर्गत चलाए जा रहे सभी कार्यक्रमों की बिंदुवार समीक्षा किया। निर्देश दिए कि जो बच्चे कमजोर हैं कुपोषित हैं उनको चिन्हित कर एनसरसी में भर्ती कराया जाए। कहा कि आईसीडीएस द्वारा गर्भवती व धात्री महिलाओ को दिया जाने वाला पूरक पोषाहार का वितरण समय से हो। सैम और मैम बच्चों को चिन्हित कर ज्यादा से ज्यादा बच्चों को चिन्हित कर सुधार किया जाए। आंगनबाड़ी सहायिका घर-घर जाकर ऐसे बच्चों को चिन्हित करें और एनआरसी में अधिक से अधिक बच्चों को भर्ती कराएं। आधारभूत संरचना के तहत केंद्रों पर चल रहे पेयजल, बाला पेंटिंग, पोषण वाटिका, रंगाई पुताई और रैन वाटर हार्वेस्टिंग, आंगनवाड़ी केन्द्र के निर्माण, लर्निंग लैब के कार्यों को शीघ्रता के साथ गुणवत्तापरक तरीके से पूर्ण करने के निर्देश संबंधित अधिकारी को दिए। बैठक में उन्होंने सभी सुपरवाइजर से वजन और लम्बाई संबंधी चार्ट पढ़वाकर देखा और उसके माध्यम से सैम और मैम बच्चों को कैसे चिन्हित किया जाता है उसकी जानकारी ली।

उन्होंने प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना के तहत अधिक से अधिक पंजीकरण कराने के निर्देश दिए। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र, जिला कार्यक्रम अधिकारी, जिला पंचायज राज अधिकारी सहित अन्य संबंधित अधिकारी सीडीपीओ और सुपरवाइजर मौजूद रहे।

जेबीएफ और जेएफएआरएम ने पांच हजार युवाओं को दिया रोजगार

देश के 12 राज्यों में लागू किया गया है कौशल विकास प्रोग्राम

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना) कविंद्र सिंह:- जुबिलेंट भरतिया ग्रुप की सामाजिक शाखा जुबिलेंट भरतिया फाउंडेशन ने जेएफएआरएम (जुबिलेंट फूडवर्क्स एकेडमी फॉर रेस्टोरेंट ऑपरेशंस एंड मैनेजमेंट) के तीन साल पूरे होने का जश्न मनाया। यह जुबिलेंट फूडवर्क्स लिमिटेड की सीएसआर आधारित कौशल विकास पहल है। जिसने 5000 से अधिक युवाओं के लिए रोजगार के मार्ग प्रशस्त किए हैं। यह प्रोग्राम युवाओं को भारत के तेजी से विकसित होते क्विक सर्विस रेस्टोरेंट (क्यूएसआर) उद्योग के लिए जरूरी कौशल प्रदान करता है तथा युवाओं को बदलावकर्ता के रूप में सशक्त बनाने की कंपनी की प्रतिबद्धता को दशार्ता है। चीफ एनालिटिक्स ऑफिसर, सीनियर वाईस प्रेजीडेंट - एनालिटिक्स एंड इनोवेशन एवं सीएसआर, जुबिलेंट फूडवर्क्स लिमिटेड राहुल भारदे ने कहा कि "जब कौशल विकास को लॉन्ग टर्म इरादे के साथ सुनिश्चित किया जाता है तो यह एक सशक्त प्रणाली का निर्माण करता है। पिछले सालों के दौरान हमने उद्योग जगत के अनुकूल ऐसे व्यवहारिक एवं अनुकरणीय मॉडल बनाए हैं, जहां प्रशिक्षण, रोजगार क्षमता एवं निरंतरता का संयोजन कार्यबल में प्रवेश करने वाले युवाओं को अनुकूल परिणाम देता है। एसवीपी एवं हेड, जुबिलेंट भरतिया फाउंडेशन विवेक प्रकाश ने कहा कि "यह देखकर बेहद गर्व का अनुभव होता है कि हमारे प्रोग्राम के माध्यम से प्रशिक्षित युवा पेशेवरों को देश भर में क्यूएसआर ब्राण्ड्स के साथ बेहतरीन करियर बनाने के अवसर मिल रहे हैं। 2023 में जुबिलेंट फूडवर्क्स लिमिटेड के लिए लॉन्च किया गया जेएफएआरएम क्यूएसआर कौशल विकास प्रोग्राम भारत के 12 राज्यों में लागू किया गया है।

सड़क हादसे में घायल धनौरा के युवक की इलाज के दौरान मौत,मेरठ में चल रहा था इलाज

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के थाना मंडी धनौरा के मोहल्ला चामुंडा रोड निवासी शाहरुख मलिक की सोमवार को सड़क हादसे में घायल होने के बाद उपचार के दौरान मौत हो गई। शाहरुख की मौत की खबर से पूरे परिवार में कोहराम मच गया। हादसे के बाद शाहरुख का इलाज मेरठ में चल रहा था। बता दें कि मामले में प्राप्त जानकारी के अनुसार शाहरुख मलिक रविवार को अपनी सेंट्रो कार से संभल क्षेत्र से अपने घर मंडी धनौरा लौट रहा था। बताया जा रहा है कि जैसे ही शाहरुख गवां-संभल रोड पर पहुंचा तो सामने से गलत दिशा से आ रही एक ट्रैक्टर ट्राली ने उसकी कार को जोरदार टक्कर मार दी ,टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई और शाहरुख गंभीर रूप से घायल हो गया, हादसे के बाद मौके पर मौजूद पुलिस ने घायल शाहरुख को तुरंत संभल जिला अस्पताल में भर्ती कराया, सूचना मिलने पर परिजन भी मौके पर पहुंचे जिन्होंने शाहरुख को बेहतर इलाज के लिए मेरठ के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया। सोमवार को शाहरुख के स्वास्थ्य में कुछ सुधार देखने पर परिजन उसे अस्पताल से छुट्टी करा कर घर ले आए थे ,हालांकि दोपहर के बाद अचानक उसकी तबीयत फिर बिगड़ गई परिजन उसे आनन फानन में मुरादाबाद एक निजी अस्पताल में ले गए जहां डॉक्टरों के काफी प्रयासों के बावजूद भी उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। शाहरुख अपने पीछे पत्नी एक बेटा और एक बेटी छोड़ कर गया है ,जवान बेटे की मौत से मोहल्ले में शोक का माहौल बना हुआ है ,शाहरुख के बड़े भाई सिकंदर मलिक ने बताया कि वह बहुत मिलनसार व्यक्ति था। शाहरुख की मौत से परिवार में कोहराम मचा हुआ है।

जिला प्रशासन द्वारा शीतलहर एवं ठंड से बचाव हेतु जारी की एडवाइजरी

अमरोहा (सब का सपना):- भारतीय मौसम विज्ञान केन्द्र द्वारा प्राप्त सूचना के क्रम में जनपद में ठंड व कोहंरा का प्रकोप लगातार बढ़ रहा है, जिसके कारण शीतलहर/ठंड से बचाव हेतु जिला प्रशासन द्वारा एडवाइजरी जारी की गई है, जिन्हे अपनाने से जनपद वासियों को शीतलहर/ठंड से बचाव हेतु सुविधा होगी। जैसे स्थानीय रेडियो, दैनिक समाचार पत्र, टी०वी० एवं मोबाइल फोन के माध्यम से मौसम की जानकारी लेते रहें। कोयले की अंगीठी/मिट्टी तेल का चूल्हा/ हीटर/ ब्लोवर इत्यादि का प्रयोग करते समय सावधानी बरते तथा कमरे में हवा का आवागमन/ वेंटिलेशन/वायु संचार बनाये रखे ताकि कमरे में विषाक्त/जहरीली धुआँ इकठा न हों। शरीर को सुखा रखें, गीले कपडे तुरन्त बदल लें, ये आपके शरीर को नुकसान पहुंचा सकते है। घर में अलाव का सामान न हो तो अत्याधित ठंड के दिनों में सामुदायिक केन्द्रों, आश्रय स्थलों पर जाये, जहाँ प्रशासन द्वारा अलाव का प्रबंध किया गया हो। कई स्तरों वाले गर्म कपड़े जैसे ऊनी कपडे, स्वेटर, टोपी, मफलर इत्यादि का प्रयोग आपको शीत लहर/ठंड के प्रभाव से बचा सकते है। ऊनी कपड़ों के कमी की दशा में दो तीन कपड़े एक के ऊपर एक पहनकर शीत लहर/ठंड के प्रभाव को कम किया जा सकता है। उन्होने यह भी बताया कि अत्याधिक ठंड/कोहरा पड़ने पर छोटे बच्चों और बुजुर्गों को जितना हो सके उतना घर के अन्दर रखें। शरीर में ऊष्मा के प्रभाव को बनाये रखने के लिए पोषक आहार एवं गर्म पेय पदार्थों का सेवन करें। धूप निकलने की दशा में इसका सेवन ठंड/शीत लहर से बचाव करेगा। हाइपोथर्मिया के लक्षणों जैसे शरीर का आसामान्य तापमान, भ्रम या स्मृति हानि, बेहोशी, विचलन, अत्याधिक ठिठुरन, सुस्ती, थकान, तुतलाहट इत्यादि की स्थिति उत्पन्न होने पर अपनी नजदीकी अस्पताल से सम्पर्क करें। शीतदंश के लक्षणों जैसे शरीर के अंगो का सुन्न पड़ना, हाथों-पैरों की ऊंगलियों, कान, नाक आदि सफेद या पीले रंग के दाग उभर आने पर अपने नजदीकी अस्पताल से सम्पर्क करें। अपने आस-पास के अकेले रहने वाले किसी भी पड़ोसियों की जानकारी रखे, खासकर बुजुर्गों की एवं किसी भी आपात स्थिति में नजदीकी पुलिस स्टेशन से सम्पर्क करें। ठंड शीत लहर की दशा में पालतु पशुओं पक्षियों के बाड़े को ऊष्मा रोधी बनाने हेतु खिड़की दरवाजो को ढककर रखें परन्तु वेंटिलेशन हेतु पर्याप्त खुला स्थान भी छोड़े। सिगडी अलाव अंगीठी सोते समय बुझाकर सोये इससे आग जनी से बचा जा सकता है। सिगड़ी अलाव अंगीठी बन्द स्थानों पर जलाने से बचें। निराश्रित असहाय विकलांग बीमार/मानसिक विकलांग व्यक्ति अगर ठंड से प्रभावित होते दिखे ऐसी दशा में क्षेत्रीय लेखपाल के माध्यम से निःशुल्क कम्बल दिलाने में मदद करें।

कांस्टेबल क्लर्क का सीओ कार्यालय में स्थानांतरण होने पर स्टाफ ने दी विदाई

बछरायूं/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के बछरायूं थाना परिसर में तैनात कांस्टेबल क्लर्क विपुल कुमार का क्षेत्राधिकारी (सीओ) कार्यालय में स्थानांतरण होने पर थाना परिसर में उनके लिए विदाई समारोह का आयोजन किया गया।विदाई समारोह को संबोधित करते हुए थाना प्रभारी कुलदीप तोमर ने विपुल कुमार के कार्यकाल की सराहना की। उन्होंने कहा कि विपुल ने अपने दायित्वों का निर्वहन कुशलता और ईमानदारी से किया। तोमर ने उनके मृदुभाषी स्वभाव और बेहतरीन कार्यप्रणाली का भी उल्लेख किया, जिससे विभागीय कार्य सुगम हुए।सहकर्मियों ने विपुल कुमार को स्मृति चिह्न और उपहार भेंट कर सम्मानित किया। इस अवसर पर उप निरीक्षक चंद वीर सिंह, उपनिरीक्षक लोकेंद्र कुमार, उप निरीक्षक जुगल किशोर और उप निरीक्षक विपिन तोमर सहित अन्य पुलिसकर्मी मौजूद रहे। हेड मोहर्रिर सुनील यादव, कांस्टेबल क्लर्क सुनील, मुनाजिर खान, महिला हेड कांस्टेबल पारुल चौधरी और महिला कांस्टेबल मीनू खान सहित थाने के समस्त पुलिस बल ने विपुल कुमार को फूल-मालाएं पहनाकर एवं मिठाई खिलाकर ससम्मान विदा किया।

उद्यान विभाग ने स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को मधुमक्खी पालन योजना की दी जानकारी

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के विकास भवन सभागार में उद्यान विभाग द्वारा स्वयं सहायता समूह की महिलाओं के लिए मधुमक्खी पालन की एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। इस कार्यशाला में जनपद के प्रगतिशील मधुमक्खी पालक मोहम्मद इकरार, पवन कुमार और योगेंद्र सिंह ने मुख्य प्रशिक्षक के रूप में हिस्सा लिया। उन्होंने महिलाओं को मधुमक्खी पालन की व्यावहारिक तकनीकों और महत्वपूर्ण जानकारियों से अवगत कराया।कार्यशाला में ठंड के मौसम में मधुमक्खियों की प्रमुख समस्याओं के समाधान पर विशेष जोर दिया गया। बताया गया कि ठंड में मौन पलकों की समस्या दूर करने के लिए इनफोकसिंग 500 एमजी और शिकारा 500 एम.एल को 10 लीटर पानी में 10 किलोग्राम चीनी के घोल में मिलाकर प्रत्येक बॉक्स में 200 मिलीलीटर डालने से प्रभावी राहत मिलती है। मक्खियों के रेंगने की समस्या के लिए लहसुन की 2-3 कलियां चूर कर बॉक्स में रखने की सलाह दी गई। इसी प्रकार पोलिन की कमी को पूरा करने हेतु केले को मसलकर बॉक्स में रखने और बेसन-गुड़ का मिश्रण बॉक्स के पास रखने की आसान विधि साझा की गई।जिला उद्यान अधिकारी अवनीश कुमार श्रीवास्तव ने अवगत कराया कि एकीकृत बागवानी विकास मिशन योजना के तहत मौन पालन कार्यक्रम में समूह की महिलाओं का चयन किया गया है। उन्होंने बताया कि जनपद को मिले लक्ष्य से अधिक लक्ष्य आवंटित करने की मांग पहले ही निदेशालय को भेजी जा चुकी है, ताकि अधिक से अधिक पालकों को योजना का लाभ मिल सके।यह कार्यशाला ग्रामीण महिलाओं को स्वरोजगार की नई दिशा प्रदान करने में महत्वपूर्ण साबित हुई।

सार्वजनिक नाले की दीवार तोड़ने पर भाकियू महिला संगठन ने की कार्यवाही की मांग

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के थाना मंडी धनौरा की माता कॉलोनी (गांधीनगर) में एक सार्वजनिक नल की दीवार तोड़ने और स्थानीय निवासियों को धमकाने के मामले में भारतीय किसान यूनियन (महिला संगठन) के सदस्यों व स्थानीय निवासियों ने धनोरा थाना प्रभारी बालेंद्र कुमार से शिकायत कर कार्यवाही की मांग की है। मंगलवार को धनौरा थाना प्रभारी को सौंपे गए शिकायती पत्र में संगठन की महिलाओं ने आरोप लगाया कि कॉलोनी का ही एक व्यक्ति क्षेत्रवासियों को अनावश्यक रूप से परेशान करता है। आरोप है कि वह व्यक्ति अब तक तीन बार नाले की दीवार तोड़ चुका है, जिससे जल निकासी बाधित हो रही है और गंदगी के कारण कॉलोनी वासियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।शिकायतकताओं का कहना है कि आरोपी दबंग किस्म का व्यक्ति है और विरोध करने पर जान से मारने की धमकी देता है, जिससे पूरी कॉलोनी में भय का माहौल है। भाकियू महिला संगठन की रीना रानी, ममता देवी और राजबीर सिंह के नेतृत्व में पहुंचे प्रतिनिधिमंडल ने मांग की है कि आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए, निवासियों की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए और नाले का पुनर्निर्माण कराया जाए। इस दौरान ममता देवी, राजबीर सिंह, राम रक्षपाल सिंह अवनी, ललित कुमार, सोहन लाल सैनी, रानू, विजेंद्र पाल, शशि, प्रभा, प्रीति, भावना और हरिओम फरीद अहमद सहित दर्जनों लोग उपस्थित रहे। यूनियन के पदाधिकारियों को थाना प्रभारी ने मामले की जांच करने के उपरांत उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

गणतंत्र दिवस और यूपी दिवस की तैयारियों के संबंध में हुई बैठक

अमरोहा (सब का सपना):- जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स की अध्यक्षता में 24 से 26 जनवरी तक जिले भर में उत्तर प्रदेश दिवस एवं गणतंत्र दिवस को पूरे उत्साह एवं हर्षोल्लास के साथ मनाए जाने के लिए कलैक्ट्रेट सभागार में विभागीय अधिकारियों के साथ समन्वय बैठक आहूत की गई। डीएम ने बताया कि उत्तर प्रदेश राज्य का स्थापना दिवस 24 जनवरी को वर्ष 2018 से निरन्तर आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने त्रिदिवसीय (24-26 जनवरी) आयोजन में समस्त विभागों को अपनी सहभागिता सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। उत्तर प्रदेश दिवस आयोजन की मुख्य थीम विकसित उत्तर प्रदेश-विकसित भारत है। डीएम ने कहा कि इस वर्ष ह्यह्यउत्तर प्रदेश दिवस पर जिले में भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम में विभिन्न सरकारी योजनाओं के संबंध में जागरूक करने एवं लाभ पहुंचाने के लिए स्टाल लगाए जाएंगे। निवेश एवं रोजगार, एमएसएमई, स्वयं सहायता समूहों, कृषि, स्वास्थ्य, उद्यान, पशुपालन एवं अन्य विभागों के उत्पादों व योजनाओं के स्टॉल लगाए जाएंगे। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि विभागों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले कार्मिकों को भी पुरस्कृत किया जाए। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की रूपरेखा का निर्धारण करते हुए निर्देशित किया कि स्वतंत्रता दिवस के पावन पर्व को जन-जन के सहयोग से हर्षोल्लास के साथ मनाया जाए। बैठक में जिलाधिकारी ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस के संबंध में अधिकारियों को सौंपी गयी जिम्मेदारियों को बेहतर ढंग से क्रियान्वित करते हुए कार्यक्रम को भव्यता के साथ मनाया जाए। जिलाधिकारी ने डीपीआरओ और समस्त अधिशासी अधिकारियों को निर्देशित किया कि अपने क्षेत्र में स्थित महात्मा गांधी जी, डॉक्टर भीमराव अंबेडकर जी एवं अन्य स्वतंत्रता संग्राम से जुड़े महापुरुषों की प्रतिमाओं की साज सज्जा सुनिश्चित करेंगे तथा गणतंत्र दिवस के दिन प्रतिमाओं पर माल्यार्पण करने तथा इस अवसर पर समुचित साफ-सफाई व्यवस्था करने के भी निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने सभी अधिकारियों को अपने कार्यालयों को बेहतर तरीके से सजाने और लाइटिंग करने के भी निर्देश दिए। मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र ने यूपी दिवस के अवसर पर तीन दिन आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की एक एक करके जानकारी दी। उन्होंने बताया कि विभिन्न विभागों द्वारा विभिन्न क्षेत्रों की ऐसी विशिष्ट सफल प्रतिभाओं को सम्मानित किया जाएगा, जो युवा पीढ़ी के लिए अनुकरणीय हों। सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम विभाग, कृषि एवं विज्ञान विभाग, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग तथा अन्य विभागों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले हस्तशिल्पियों, किसानों, उद्यमियों, चिकित्सकों आदि का चयन करते हुए 'उत्तर प्रदेश दिवस-2026' के अवसर पर उन्हें सम्मानित किया जाएगा। विश्वकर्मा श्रम सम्मान के विजेताओं, माटी कला बोर्ड में उत्कृष्ट कार्य करने वाले उद्यमियों, खेलकूद प्रतियोगिताओं के विजेताओं, उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं, चिकित्सकों, प्रगतिशील किसानों व वैज्ञानिकों का भी सम्मान किया जाए। सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम विभाग द्वारा एक जनपद-एक उत्पाद (ओ०डी० ओ०पी०) के अन्तर्गत जनपद के शिल्पकारों के उत्पादों की प्रदर्शनियों का आयोजन भी सुनिश्चित किया जाएगा।

बैठक में अपर जिलाधिकारी न्यायिक धीरेन्द्र प्रताप सिंह, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ0 योगेन्द्र सिंह, डिप्टी कलेक्टर बृजपाल सिंह, मसीहा नजम एवं जिलास्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

जिले में गंगा किनारे प्राकृतिक खेती को मिल रहा जोरदार बढ़ावा

अमरोहा (सब का सपना):- गंगा नदी के किनारे प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए एक सराहनीय पहल चल रही है। जिले में 400 से अधिक क्लस्टर स्थापित किए गए हैं, जिनके माध्यम से किसानों को रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों से मुक्त खेती अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। यह प्रयास नेशनल मिशन ऑन नेचुरल फार्मिंग और नमामि गंगे जैसी योजनाओं से जुड़ा हुआ है, जिसका मुख्य उद्देश्य गंगा नदी को प्रदूषण से मुक्त रखना तथा मिट्टी की उर्वरता बढ़ाना है।उप कृषि निदेशक डॉ. रामप्रवेश ने बताया कि प्राकृतिक खेती अपनाने वाले किसानों को आर्थिक सहायता प्रदान की जा रही है। पहले वर्ष में 4800 रुपये, दूसरे वर्ष में 4000 रुपये तथा तीसरे वर्ष में 3600 रुपये की राशि सामग्री खरीदने हेतु सीधे किसानों के खाते में ट्रांसफर की जाती है। यह सहायता किसानों को हरी खाद, जीवामृत, घन जीवामृत जैसी प्राकृतिक सामग्रियों के निर्माण और उपयोग में मदद करती है।किसान इन जैविक तरीकों से खेती कर रहे हैं, जिससे प्राप्त उत्पाद पूरी तरह जहर मुक्त होते हैं। ऐसे उत्पाद न केवल स्वास्थ्य के लिए लाभदायक हैं, बल्कि बाजार में भी अच्छी कीमत मिल रही है। इससे किसानों की आय बढ़ रही है और पर्यावरण संरक्षण में भी योगदान हो रहा है। गंगा किनारे की उपजाऊ भूमि पर प्राकृतिक खेती से मिट्टी की गुणवत्ता सुधर रही है तथा नदी में रासायनिक प्रदूषण कम हो रहा है।यह पहल अमरोहा के ग्रामीण क्षेत्रों में सतत विकास का बेहतरीन उदाहरण बन रही है। प्रशासन की कोशिश है कि अधिक से अधिक किसान इस अभियान से जुड़ें और रासायनिक मुक्त खेती को अपनाकर स्वस्थ समाज व स्वच्छ गंगा का निर्माण करें। प्राकृतिक खेती न केवल किसानों के लिए आर्थिक रूप से फायदेमंद है, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए भी एक स्वस्थ पर्यावरण सुनिश्चित कर रही है।

4 सब का सपना
हिंदी दैनिक
संभल/दिल्ली
अमरोहा
बुधवार 14 जनवरी 2026
www.sabkasapna.com

सीएम डैशबोर्ड पर विकास कार्यों की समीक्षा बैठक का किया गया आयोजन

बहजोई/संभल(सब का सपना):- जिलाधिकारी डॉ राजेन्द्र पैंसिया की अध्यक्षता में सीएम डैशबोर्ड पर विकास कार्यों की समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। सर्वप्रथम जिला अर्थ एवं सांख्यिकी अधिकारी रत्नेश कुमार ने समीक्षा बैठक की प्रमुख बिंदुओं के विषय में जिलाधिकारी को अवगत कराया जिसमें एनआरएलएम, जिला पंचायती राज विभाग, उद्योग विभाग की प्रगति कम होने को लेकर रैंकिंग खराब होने के विषय में अवगत कराया जिसको लेकर जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारी को स्पष्टीकरण जारी करने के निर्देश दिए उन्होंने कहा कि तीन दिवस में स्पष्टीकरण का जवाब तलब किया जाए। मुख्यमंत्री आवास योजना ग्रामीण में प्रगति कम को लेकर जिलाधिकारी ने नाराज की व्यक्ति की एवं संबंधित अधिकारी को चेतावनी जारी करने के निर्देश दिए।और जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि जिन बिंदुओं पर प्रगति खराब है उन्हें बिंदुओं पर प्राथमिकता के आधार पर कार्य किया जाए नहीं तो कार्यवाही संज्ञान में लाई जाएगी। दशमोत्तर छात्रवृत्ति की प्रगति खराब होने को लेकर संबंधित को निर्देशित किया एवं आईसीडीएस विभाग की प्रगति रिपोर्ट कम पाई गई जिसमें जिलाधिकारी ने जिला कार्यक्रम अधिकारी आईसीडीएस को स्पष्टीकरण जारी करने के निर्देश दिए। निर्माण कार्य को लेकर जिलाधिकारी ने जानकारी प्राप्त की जिसमें लोक निर्माण की प्रगति के विषय में जानकारी प्राप्त करते हुए जिलाधिकारी ने संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देशित किया उन्होंने कहा कि जनपद की जो नई सड़कों का निर्माण कार्य किया गया है उनका अधोहस्ताक्षरी द्वारा निरीक्षण लगाया जाए ताकि सड़कों की गुणवत्ता चेक की जा सके।

जिलाधिकारी ने समाज कल्याण अधिकारी से छात्रवृत्ति के विषय में जानकारी प्राप्त करते हुए निर्देशित करते हुए कहा कि छात्रवृत्ति के कार्यों में और सुधार लाया जाए। ग्राम गजेटियर एवं जनपद गजेटियर के विषय में जिलाधिकारी ने जानकारी प्राप्त की और संबंधित को निर्देशित करते हुए कहा कि अपर जिलाधिकारी की अध्यक्षता में साप्ताहिक बैठक कराई जाए एवं एक मासिक बैठक अधोहस्ताक्षरी की अध्यक्षता में संपन्न कराई जाए जिससे कार्य में गति आ सके।जिलाधिकारी ने निर्देशित करते हुए कहा की ग्राम गजेटियर बनाने के लिए एक ऐप बनवाया जाए जिससे गजेटियर की रिपोर्ट आसानी से भरी जा सके। एकीकृत बागवानी, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, फसल बीमा, पीएम कुसुम योजना, बीज डीबीटी, प्रधानमंत्री आवास, मुख्यमंत्री आवास, आर ई डी विभाग के अन्तर्गत भवन निर्माण को लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। स्वास्थ्य विभाग के अन्तर्गत एम्बुलेंस सेवा 102 एवं 108 की समय सीमा को लेकर जानकारी प्राप्त की तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दशा निर्देश दिए जल जीवन मिशन को लेकर जानकारी प्राप्त की तथा एफएसटीसी के कार्य को पूर्ण करने के निर्देश दिए। पर्यटन विभाग, सामाजिक वानिकी,अण्डा उत्पादन, गौवंश संरक्षण, मत्स्य उत्पादन, सेतु निर्माण, पोषण अभियान, कन्या सुमंगला, प्रोजेक्ट अलंकार तथा राजकीय विद्यालय को लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। श्रम विभाग विभाग के अंतर्गत चलने वाली विभिन्न प्रकार की योजनाओं को लेकर जानकारी प्राप्त की एवं संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। ओडीओपी के अन्तर्गत रैंक कम रहने पर संबंधित अधिकारी का स्पष्टीकरण जारी करने के निर्देश दिए। इसके उपरांत शासनम अनुशासनम् के अन्तर्गत विभिन्न विभागों के इस माह आये शासनादेशों पर चर्चा की गयी। और जिलाधिकारी ने कलेक्ट्रेट आवासीय निर्माण भवन के विषय में जानकारी प्राप्त की जिसको लेकर जिलाधिकारी ने संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देशित किया। सद्भाव मंडप के निर्माण कार्य के विषय में जानकारी प्राप्त करते हुए संबंधित को यथाशीघ्र निर्माण कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। ऑडिटोरियम की भूमि को लेकर जिलाधिकारी को अवगत कराया जिसको लेकर जिला अधिकारी ने संबंधित को निर्देशित किया। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट,मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ तरुण पाठक, जिला विकास अधिकारी राम आशीष, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ शैलेन्द्र सिंह एवं जिला अर्थ एवं सांख्यिकी अधिकारी रत्नेश कुमार एवं संबंधित अधिकारी कर्मचारी उपस्थिति रहे।

'क्या हुआ तेरा वादा, वो कसम वो इरादा', कांग्रेस का भाजपा पर मजेदार हमला; यमुना में क्रूज पर उठाए ये बड़े सवाल

नई दिल्ली। दिल्ली में कांग्रेस ने विधानसभा के पांच दिवसीय शीतकालीन सत्र पर सवाल उठाते हुए भाजपा को घेरा है। पूर्व विधायक व मीडिया-कम्युनिकेशन विभाग के अध्यक्ष अनिल भारद्वाज ने कहा कि भाजपा भी (आम आदमी पार्टी) आप की राह पर चल रही है। उन्होंने कहा, 'भाजपा वाले कल तक आप सरकार पर अंगुली उठाते थे, आज खुद वही काम कर रहे हैं। चार दिन का शीतकालीन सत्र बुलाया, चार दिन हंगामे में बीते। फिर एक दिन सत्र बढ़ाकर कागजी खानापूर्ति कर दी।' कांग्रेस की ओर से कहा गया कि प्रदूषण पर चर्चा के नाम पर पर्यावरण मंत्री ने अपनी पीठ थपथपा दी। कहा कि शीशमहल पर आज तक भी कुछ ठोस कार्यवाही नहीं हो सकी। कैग रिपोर्ट भी सदन में नहीं रखी गई। पूरा सत्र आप और भाजपा में आरोप-प्रत्यारोपों में ही बीत गया। अनिल भारद्वाज ने कहा कि नेता विपक्ष आतिशी द्वारा गुरुओं का अपमान भी बहुत चिंताजनक है। यमुना का हाल किसी से छिपा नहीं और सरकार क्रूज चलाने की बात कर रही है। घर-घर जलापूर्ति के नाम पर दूषित जलापूर्ति की जा रही है। चुनाव से पहले दिल्ली की जनता से किए गए वायदे अब भी अधूरे हैं। उन्होंने कहा, 'पुराने वायदे पूरे करने के बजाए, नए-नए सब्जबाग दिखाए जा रहे हैं। भाजपा सरकार की स्थिति पर यह गाना बिल्कुल फिट बैठता है। क्या हुआ तेरा वादा, वो कसम वो इरादा?'

अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के युवा प्रदेश संगठन मंत्री गौरीशंकर चौधरी को मिला सम्मान

सम्भल(सब का सपना):- स्वामी विवेकानंद की जयंती 12 जनवरी को राष्ट्रीय युवा दिवस के रूप में मनाया गया जिसमें भारतीय इतिहास संकलन समिति, मेरठ प्रांत ने विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान देने वाले युवा प्रतिभाओं को सम्मानित करने की परंपरा को बरकरार रखते हुए इस वर्ष अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के युवा प्रदेश संगठन मंत्री गौरीशंकर चौधरी को उनके व्यापारी हितों में किए गए अद्वितीय और अतुलनीय योगदान के लिए सम्मानित किया।आर्य समाज स्कूल के सभागार में एक शानदार और भावपूर्ण समारोह में गौरीशंकर चौधरी को शॉल

ओढ़ाकर, सम्मान-पत्र प्रदान कर और भगवद्गीता भेंट करके विशेष रूप से सम्मानित किया गया। यह सम्मान न केवल उनके व्यक्तिगत प्रयासों का प्रमाण है, बल्कि युवाओं के लिए एक प्रेरणा भी है कि निष्ठा, समर्पण और नवाचार से कोई भी क्षेत्र में नई ऊँचाइयाँ छू सकता है गौरीशंकर चौधरी का यह सम्मान व्यापार, उद्योग और सामाजिक संगठन के क्षेत्र में युवाओं की बढ़ती भागीदारी को दशार्ता है। उनकी इस उपलब्धि पर सभी व्यापारी बंधु, युवा साथी और शुभचिंतक उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएँ देते हैं। उठो, जागो और तब तक मत रुको जब तक लक्ष्य प्राप्त न हो जाए स्वामी विवेकानंद के इसी संदेश को चरितार्थ करते हुए गौरीशंकर चौधरी जैसे युवा नई पीढ़ी के लिए प्रेरणा स्रोत बन रहे हैं। इस अवसर पर समिति के अध्यक्ष अजय शर्मा,डॉ अरविंद कुमार गुप्ता, सुशील कुमार गुप्ता भगतजी, यतेन्द्र वर्मा, नेहा मलय, सुबोध कुमार गुप्ता, हर्षित शर्मा, शोभित गुप्ता, अरविन्द प्रजापति सहित अनेक सम्मानित व्यापारी एवं पदाधिकारी मौजूद रहे।

'सत्यमेव जयते, हम सब की जीत हुई', 10 मिनट डिलीवरी सर्विस बंद होने पर राघव चड्ढा ने जताई खुशी

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) के राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा ने 10 मिनट डिलीवरी पर सरकार की तरफ से रोक लगाए जाने का स्वागत किया है। उन्होंने एक्स पर पोस्ट किया- सत्यमेव जयते! हम सब की जीत हुई। उन्होंने कहा- केंद्र सरकार के समयबद्ध और संवेदनशील हस्तक्षेप से क्विक कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स ने 10 मिनट डिलीवरी का ब्रैंडिंग हटाने का फैसला किया है। उन्होंने कहा कि यह कदम डिलीवरी राइडर्स की सुरक्षा के लिए बेहद जरूरी है, क्योंकि राइडर की टी-शर्ट, जैकेट या बैग पर 10 मिनट छपा होने और

कस्टमर स्क्रीन पर टाइमर चलने से लगातार दबाव बना रहता है, जो खतरनाक है। राघव चड्ढा ने इस जीत का स्वागत करते हुए कहा कि पिछले महीनों में उन्होंने सैकड़ों डिलीवरी पार्टनर्स से बात की, जो ओवरवर्क, कम पेमेंट और अवास्तविक वादे पूरा करने के लिए अपनी जान जोखिम में डाल रहे थे। केंद्र सरकार के इस फैसले से रोड पर चलने वाले राइडर्स और आम लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित होगी। उन्होंने हर नागरिक का शुक्रिया अदा किया जो मानव जीवन, सुरक्षा और सम्मान के पक्ष में खड़ा रहा। गिग वर्कर्स के लिए बड़ी राहत की खबर: राघव चड्ढा केंद्रीय श्रम मंत्री मनसुख मांडविया ने ब्लिंकिट, जेप्टो, स्विगी और जोमैटो जैसे प्रमुख प्लेटफॉर्म्स के साथ बैठक की, जिसमें सख्त डिलीवरी टाइमलाइन हटाने की सलाह दी गई। राघव चड्ढा ने कहा- ब्लिंकिट ने पहले ही अपना ब्रैंडिंग बदल दिया है, और अन्य कंपनियां भी जल्द ऐसा करेंगी। यह कदम गिग वर्कर्स के लिए एक बड़ी राहत है, आप अकेले नहीं हैं, हम सब आपके साथ हैं।

एसईपीएल मनी लॉन्ड्रिंग केस में एन गुरुमूर्ति को 7 दिन की ईडी रिमांड पर भेजा, शेल कंपनियों के जरिये किया गबन!

नई दिल्ली। राऊज एवेन्यू स्थित अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश की अदालत ने सारवांथी एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड (एसईपीएल) से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में कंपनी के उपाध्यक्ष एन गुरुमूर्ति को सात दिन की ईडी कस्टडी में भेज दिया है। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश अंकुर जैन कहा कि पीएमएलए की धारा 19 के तहत गिरफ्तारी उचित और कानूनी है। ईडी के आवेदन और जांच के आधार पर कोर्ट ने माना कि गुरुमूर्ति ने फर्जी कंपनियों के लिए खरीद प्रस्ताव और भुगतान नोट्स तैयार कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। मामले की सुनवाई के दौरान विशेष लोक अभियोजक साइमन बेंजामिन ने दलील दी कि गुरुमूर्ति एसईपीएल के प्रमोटर डीवी राव के करीबी सहयोगी हैं। ईडी ने आरोप लगाया कि गुरुमूर्ति

ने राव के साथ मिलकर एसईपीएल के 139.21 करोड़ रुपये को शेल कंपनियों के माध्यम से गबन और अवैध तरीके से स्थानांतरित करने में मदद की। ईडी ने दावा किया कि गुरुमूर्ति ने फर्जी कंपनियों के माध्यम से किए गए लेन-देन में संपत्ति की पहचान, लाभार्थियों की जानकारी और पूरे कार्यप्रणाली की जानकारी जुटाने में मदद की। ईडी ने दलील दी कि गुरुमूर्ति की कस्टडी में होने से अन्य आरोपित और गवाहों के बयानों का सामना कराना और अपराध के पूरे पहलुओं की जांच करना संभव होगा। वहीं, गुरुमूर्ति की ओर से पेश अधिवक्ता ने दलील दी कि उनका मुवक्किल केवल डीवी राव के निदेशों का पालन कर रहा था और किसी साजिश का हिस्सा नहीं हैं। अधिवक्ता ने तर्क दिया कि गुरुमूर्ति पूरे मामले में ईडी के साथ सहयोग कर रहा है। ईडी की जांच 17 नवंबर 2025 को एसईपीएल के कार्यालय में की गई थी। इस दौरान फर्जी सप्लायर्स के स्टांप और लेटरहेड बरामद किए गए। ईडी ने लगभग 100 फर्जी कंपनियों की पहचान की। इसके बाद सूचना पुलिस को दी गई और 27 दिसंबर 2025 को गुरुग्राम पीएस डीएलएफ फेज-3 में दर्ज की गई। प्राथमिकी के अनुसार, एसईपीएल ने पिछले कई वर्षों में वर्सेट टेक्नोलाजी को हर माह 75 लाख रुपये परामर्श शुल्क के रूप में दिए, जबकि कुल मिलाकर लगभग 89 करोड़ रुपये वर्ष 2016-2017 से वर्ष 2024-2025 तक अवैध तरीके से स्थानांतरित किए गए।

वाहनों में क्षमता से अधिक सवारियां लेने और माल वाहनों में ओवरलोडिंग के खिलाफ बड़ी कार्रवाई

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद में जनवरी 2026 के राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के अवसर पर परिवहन विभाग ने यात्री वाहनों में क्षमता से अधिक सवारियां लेने और माल वाहनों में ओवरलोडिंग के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। यह अभियान सड़क दुर्घटनाओं को रोकने और यातायात नियमों का पालन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से चलाया जा रहा है।एआरटीओ प्रवर्तन महेश शर्मा ने दो विशेष टीमें गठित कीं। एक टीम का नेतृत्व उन्होंने स्वयं किया, जबकि दूसरी टीम का नेतृत्व पीटीओ सुधीर सिंह ने किया। दोनों टीमों ने नेशनल हाईवे, बंबूगढ़

चौराहा और गजरौला क्षेत्र में सघन चेकिंग अभियान चलाया।आज की इस कार्रवाई में 8 ओवरलोड यात्री वाहनों के खिलाफ चालान काटे गए, जिनमें क्षमता से अधिक यात्रियों को बैठाकर संचालन किया जा रहा था। साथ ही 3 माल वाहन (डम्पर) को ओवरलोडिंग के आरोप में सीज कर लिया गया। इन वाहनों को रोडवेज बस स्टैंड अमरोहा में सुरक्षित रखा गया है।इसके अलावा, हेलमेट न पहनने, सीट बेल्ट न लगाने, वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का उपयोग करने जैसे अन्य सड़क सुरक्षा उल्लंघनों के खिलाफ 120 वाहनों पर चालान जारी किए गए।परिवहन विभाग का कहना है कि सड़क सुरक्षा माह के दौरान ऐसी प्रवर्तन कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी, ताकि जनता में जागरूकता बढ़े और दुर्घटनाओं में कमी आए। अधिकारी आमजन से अपील कर रहे हैं कि यातायात नियमों का कड़ाई से पालन करें, क्योंकि सड़क सुरक्षा जीवन रक्षा का सबसे बड़ा माध्यम है।

लंदन-मुंबई मॉडल पर दिल्ली सरकार का मेगा प्रोजेक्ट, राजघाट पावर प्लांट को 'नाइटस्केप हब' में बदलने की तैयारी

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार बंद पड़े राजघाट पावर प्लांट और उससे जुड़े 45 एकड़ क्षेत्र को शहर के बड़े नाइटलाइफ, सांस्कृतिक और खानपान केंद्र के रूप में विकसित करने पर विचार कर रही है। इसके तहत यमुना किनारे एक भव्य प्रोमेनेड बनाने की योजना है, जिसमें फूड स्ट्रीट, वॉकवे, सांस्कृतिक गतिविधियों के लिए प्लाजा और मॉड्यूलर ओपन स्पेस शामिल होंगे। बैटरसी पावर स्टेशन और लोअर परेल से ली जाएगी प्रेरणा अधिकारियों के अनुसार, पावर विभाग इस परियोजना के लिए देश-विदेश के कई मिश्रित उपयोग वाले पुनर्विकास मॉडल का अध्ययन कर रहा है, जिनमें लंदन का बैटरसी पावर स्टेशन और मुंबई का लोअर परेल प्रमुख उदाहरण हैं। एलईडी वॉकवे और पैडल बोट से सजेगा प्रोमेनेड प्रस्तावों के मुताबिक यमुना प्रोमेनेड पर एलईडी लाइट से सजे

वॉकवे, बैठने की बेंच, इको-टूरिज्म के लिए पर्यावरण अनुकूल पैडल बोट और नाइटलाइफ क्षेत्र के भीतर 247 यूथ लर्निंग व रिक्रिएशन हब विकसित किया जा सकता है। यह पूरी परियोजना पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप मॉडल पर विकसित किए जाने की संभावना है। नालंदा परिसर की तर्ज पर बनेगा 6 एकड़ का यूथ हब छत्तीसगढ़ के रायपुर स्थित नालंदा परिसर से प्रेरणा लेते हुए राजघाट नाइटस्केप में एक अलग सेक्शन को 6 एकड़ के इको-फ्रेंडली यूथ हब के रूप में विकसित करने का सुझाव है। इसमें लाइब्रेरी, हाई-स्पीड इंटरनेट, ई-लाइब्रेरी, बास्केटबॉल कोर्ट, कैफेटेरिया और ओपन-एयर रीडिंग स्पेस होंगे, जिससे शिक्षा और मनोरंजन का संगम तैयार किया जा सके। ओल्ड दिल्ली के स्वाद के साथ बनेगी फूड स्ट्रीट लोअर परेल की तर्ज पर यहां एक फूड स्ट्रीट बनाने का भी प्रस्ताव है, जहां लाइसेंस प्राप्त वेंडर स्ट्रीट फूड और फूड ट्रक के जरिए दिल्ली की खास पाक संस्कृति को पेश करेंगे। यमुना प्रोमेनेड के पास करीब 500 मीटर क्षेत्र को फूड स्ट्रीट के लिए आरक्षित कर ओल्ड दिल्ली के स्थानीय रसोइयों को रियायती दरों पर स्टॉल देने की योजना है। वीआर हेरिटेज म्यूजियम और रूफटॉप कैफे भी होंगे योजना में लेट नाइट हेरिटेज म्यूजियम भी शामिल है, जहां वर्चुअल रियलिटी के जरिए दिल्ली के इतिहास को दिखाया जाएगा। इसके अलावा इनडोर गेमिंग जोन, इमर्सिव एंटरटेनमेंट स्पेस और यमुना के नजारों वाले रूफटॉप कैफे भी इस प्रोजेक्ट का हिस्सा हो सकते हैं। 2015 में पर्यावरण कारणों से बंद हुआ था प्लांट गौरतलब है कि पर्यावरण संबंधी कारणों से वर्ष 2015 में राजघाट पावर प्लांट को बंद कर दिया गया था। यह 45 एकड़ जमीन दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) के स्वामित्व में है, जिस पर अब दिल्ली सरकार शहर का नया और आकर्षक नाइटस्केप विकसित करने की तैयारी कर रही है।

वी के इंटरनेशनल स्कूल में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया मकर संक्रांति व लोहड़ी का पर्व

नहटौर/बिजनौर (सब का सपना):- थाना क्षेत्र के नूरपुर रोड स्थित वी के इंटरनेशनल स्कूल में मंगलवार को मकर संक्रांति व लोहड़ी का पर्व बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विशेष प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया। विद्यालय के एम डी शिल्पी कुमार अग्रवाल एवं ई डी प्रार्थना अग्रवाल भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में लोहड़ी के अवसर पर अलाव प्रज्वलित कर पारंपरिक रीति-रिवाज का पालन किया गया। तिल, रेबड़ी, मूंगफली का वितरण किया गया। विभिन्न प्रकार के खेलों का आयोजन किया गया, जिसमें

बच्चों और अध्यापकों ने भाग लिया। इस अवसर पर स्कूल प्रधानाचार्या प्रेरणा चौधरी ने लोहड़ी और मकर संक्रांति के अवसर पर शुभकामनाएं देते हुए कहा कि ऐसे पर्व हमारी सांस्कृतिक विरासत को सहेजने और नई पीढ़ी को अपनी परंपराओं से जोड़ने का कार्य करते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को भारतीय मूल्य, सामाजिक एकता और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया। ई डी प्रार्थना अग्रवाल ने अपने संदेश में कहा कि लोहड़ी और मकर संक्रांति हमें प्रकृति के करीब आने और जीवन में सकारात्मकता लाने का अवसर प्रदान करते हैं।
उन्होंने सभी को इन त्योहारों की शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम को सफल बनाने में स्कूल अध्यापिका समाना नकवी, रजनीश शर्मा, दीपक कुमार शर्मा, आशु सैनी, अंजू चौहान, रुचि चौहान, शिल्पी चिकारा, प्रियंका त्यागी, सुदेश कुमारी, रूपम शर्मा, मयूर कुमार सैनी, नीरज कुमार, अमन तोमर आदि समस्त स्कूल स्टाफ का योगदान रहा।

भैंस चोरी के दो अभियुक्त गिरफ्तार, महिन्द्रा पिकअप और बिक्री के पैसे बरामद

बबराला/सम्भल(सब का सपना):- क्षेत्र में पुलिस ने पशु चोरी के एक मामले का सफलतापूर्वक खुलासा किया है। पुलिस अधीक्षक सम्भल कृष्ण कुमार विश्नोई और अपर पुलिस अधीक्षक दक्षिणी अनुकृति शर्मा के कुशल निर्देशन में, क्षेत्राधिकारी गुन्नौर आलोक सिद्ध के मार्गदर्शन तथा थानाध्यक्ष सौरभ त्यागी के नेतृत्व में बबराला पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दो अभियुक्तों को दबोच लिया। आपको बता दें 9 जनवरी की रात ग्राम फरीदपुर निवासी जीतपाल पुत्र डालचन्द्र के घर से उनकी एक भैंस को अज्ञात चोरों ने महिन्द्रा पिकअप वाहन में लादकर ले गए थे। पीड़ित की सूचना पर तुरंत मुकदमा दर्ज किया गया और जांच टीम गठित की गई। पुलिस ने गांव के आने-जाने वाले रास्तों पर लगे सीसीटीवी कैमरों का गहन अवलोकन

किया, जिससे चोरी में प्रयुक्त महिन्द्रा पिकअप की पहचान हो सकी। मंगलवार को पुलिस ने चन्दौसी रोड से नूरपुर जाने वाले रास्ते पर कार्रवाई करते हुए दो अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया गिरफ्तार अभियुक्तों में चरन सिंह पुत्र देवेन्द्र सिंह,(20) नीरज पुत्र कृपाल सिंह,(22) शामिल हैं। गिरफ्तारी के दौरान घटना में प्रयुक्त महिन्द्रा पिकअप और चोरी की भैंस की बिक्री से प्राप्त धनराशि भी बरामद की गई। अभियुक्तों ने पूछताछ के दौरान कबूल किया कि उन्होंने 9 जनवरी की रात अपने 3 अन्य साथियों के साथ मिलकर फरीदपुर गांव से भैंस चुराई थी। इसे उन्होंने सम्भल में 40 हजार रुपये में बेच दिया। इस रकम में से 5 हजार रुपये खाने-पीने और गाड़ी के खर्च में चले गए, जबकि बाकी पैसे में पांचों लोगों को 7-7 हजार रुपये का हिस्सा मिला। बीते सोमवार रात अभियुक्त फिर से चोरी की नीयत से निकले थे, लेकिन पुलिस ने उन्हें पकड़ लिया। पुलिस अन्य तीन फरार साथियों की तलाश कर रही है। गिरफ्तार अभियुक्तों के खिलाफ वैधानिक कार्रवाई की जा रही है और उन्हें न्यायालय में पेश किया जा रहा है। यह सफलता पुलिस की सतर्कता, सीसीटीवी की उपयोगिता और त्वरित कार्रवाई का बेहतरीन उदाहरण है, जो ग्रामीण क्षेत्रों में पशु चोरी जैसी घटनाओं पर लगाम कसने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

थाना अफजलगढ़ में न्यायालय के आदेश पर भारी मात्रा में मुकदमाती माल का नष्टीकरण

धामपुर/बिजनौर (सब का सपना):- तहसील क्षेत्र के थाना अफजलगढ़ पर मंगलवार को न्यायालय के आदेश के अनुपालन में बड़ी कार्रवाई करते हुए भारी मात्रा में मुकदमाती माल का नियमानुसार नष्टीकरण किया गया। यह कार्रवाई अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट नगीना द्वारा 28 अगस्त 2025 को पारित आदेश के क्रम में संपन्न हुई। प्राप्त विवरण के अनुसार धारा 3/25 आर्म्स एक्ट के अंतर्गत 121 माल, धारा 4/25 आर्म्स एक्ट के अंतर्गत 59 माल तथा आबकारी अधिनियम के अंतर्गत 37 माल, जो माननीय न्यायालय द्वारा निर्णित किए जा चुके थे, का विधिवत नष्टीकरण किया गया। न्यायालय द्वारा उक्त प्रक्रिया को पूर्ण कराने हेतु उपजिलाधिकारी धामपुर को नियुक्त किया गया था।

उनके निदेर्शानुसार नायब तहसीलदार कपिल कुमार की देखरेख में थानाध्यक्ष अफजलगढ़ रामप्रताप सिंह,उपनिरीक्षक कमरूल हसन, हेड मोहर्रिर जगन्नाथ सिंह, शेरकोट लेखपाल छत्रपाल सिंह तथा क्षेत्र के सम्भ्रांत नागरिक अनिल नारायण सहित अन्य गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में समस्त मुकदमाती माल को नियमानुसार नष्ट किया गया। पुलिस व प्रशासनिक अधिकारियों ने बताया कि पूरी कार्रवाई पारदर्शिता, सुरक्षा मानकों एवं विधिक प्रक्रिया के अनुरूप की गई। इस नष्टीकरण से थाना क्षेत्र में लंबित मुकदमों के निस्तारण की प्रक्रिया को गति मिली है तथा अवैध शस्त्रों व अवैध मदिरा से जुड़े मामलों पर प्रभावी नियंत्रण की दिशा में यह एक अहम कदम माना जा रहा है।

वी.टी. इलेक्ट्रो होम्योपैथिक कॉलेज में डॉ. काउंट सीजर मैटी की 217वीं जयंती श्रद्धा व उत्साह से मनाई गई

टॉपर छात्र-छात्राएं डिग्री, डिप्लोमा व पंजीकरण प्रमाण-पत्र से सम्मानित

बिजनौर (सब का सपना) ओमपाल सिंह:- वी.टी. इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल में इलेक्ट्रो होम्योपैथी के जनक डॉ. काउंट सीजर मैटी की 217वीं जयंती श्रद्धापूर्वक एवं धूमधाम से मनाई गई। इस अवसर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले टॉपर छात्र-छात्राओं को डिग्री, डिप्लोमा, रजिस्ट्रेशन प्रमाण-पत्र एवं मेडल प्रदान कर सम्मानित किया गया। समारोह का शुभारंभ मुख्य अतिथि डॉ. हिमांशु शर्मा एवं प्राचार्य डॉ. राजकुमार त्यागी ने डॉ. काउंट सीजर मैटी के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन व पुष्पांजलि अर्पित कर किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सीनियर इलेक्ट्रो होम्योपैथ डॉ. विजयपाल सिंह राजपूत ने की, जबकि संचालन उप प्राचार्य डॉ. मनोज कटारिया ने कुशलतापूर्वक किया। विशिष्ट अतिथि डॉ. ब्रजवीर सिंह एवं डॉ. पूनम शर्मा ने इलेक्ट्रो होम्योपैथी को हानिरहित, सस्ती और सुलभ चिकित्सा पद्धति बताते हुए कम खर्च में गरीब व असहाय लोगों के उपचार पर जोर दिया। अध्यक्षीय संबोधन में डॉ. विजयपाल सिंह राजपूत ने चिकित्सा क्षेत्र में ईमानदारी और सेवाभाव से कार्य करने का आह्वान किया। प्राचार्य डॉ. राजकुमार त्यागी ने अतिथियों एवं आगंतुकों का आभार व्यक्त करते हुए इलेक्ट्रो होम्योपैथी को प्राचीन एवं संपूर्ण चिकित्सा पद्धति बताया और इसके प्रचार-प्रसार पर बल दिया। उप प्राचार्य डॉ. मनोज कटारिया ने कहा कि इलेक्ट्रो होम्योपैथी विशुद्ध रूप से हर्बल है और इसके माध्यम से असाध्य रोगों पर भी प्रभावी उपचार संभव है। उन्होंने डॉ. काउंट सीजर मैटी के जीवन-वृत्त पर प्रकाश डालते हुए बताया कि इटली निवासी मैटी ने 1865 में इस चिकित्सा पद्धति का आविष्कार कर समाज को अमूल्य योगदान दिया। कार्यक्रम में डॉ. राहुल चौधरी, डॉ. अनीसुद्दीन मंसूरी, डॉ. चमन भारद्वाज, डॉ. जबर सिंह, डॉ. सिद्धार्थ मुनि शर्मा, डॉ. सुभाष कुमार, डॉ. आनंद सिंह, डॉ. मोहम्मद अशरफ, डॉ. त्रिलोक शर्मा, डॉ. संचित अग्रवाल, डॉ. अतुल शर्मा, डॉ. पुष्पेन्द्र कुमार, डॉ. राकेश कुमार सैनी सहित बड़ी संख्या में चिकित्सक, विद्यार्थी एवं अतिथि उपस्थित रहे। कार्यक्रम श्रद्धा, गरिमा और उत्साह के साथ सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

डॉ दलीप सिंह ग्लोबल आइकॉन अवार्ड से सम्मानित

स्योहारा/बिजनौर (सब का सपना):- जनपद के ग्राम रतनपुरा निवासी डॉ दलीप सिंह को पी एच एच डी फाउंडेशन/मैजिक बुक आफ रिकार्ड एवं आर्ट यूनिवर्सिटी फरीदाबाद हरियाणा द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने शैक्षिक सुधार, कार्यक्रम प्रबंधन एवं जनसंपर्क विशेषज्ञता के लिए ग्लोबल आइकॉन राष्ट्रीय अवार्ड से सम्मानित किया गया। दलीप सिंह वर्तमान में पौड़ी गढ़वाल उत्तराखंड में स्थित सरस्वती विद्या मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय क्यूंकालेश्वर पौड़ी में प्रधानाचार्य के पद पर कार्यरत हैं। ये विगत 21 वर्षों से विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान से सम्बद्ध एवं भारतीय शिक्षा समिति उत्तराखंड द्वारा द्वारा संचालित सरस्वती विद्या मंदिर में शिक्षक के रूप में कार्यरत हैं और ग्यारह बर्ष से प्रधानाचार्य का दायित्व है। इससे पूर्व में संस्था द्वारा इनको डॉक्टरेट की मानद उपाधि एवं एम बी आर सेवारत्न से भी सम्मानित किया जा चुका है।

शिक्षण से पूर्व इन्होंने रोटरी सामुदायिक सेवा , नेहरू युवा केंद्र बिजनौर, ग्राम पंचायत में सदस्यता एवं पल्स पोलियों प्रतिरक्षण अभियान में भी सक्रिय भूमिका निभाई है।

वन विभाग के पिंजरे में कैद हुआ आदमखोर गुलदार, ग्रामीणों ने ली राहत की सांस

मंडावर/बिजनौर (सब का सपना):- थाना मंडावर क्षेत्र के गांव तिमरपुर में बीते लंबे समय से दहशत का कारण बना आदमखोर गुलदार आखिरकार वन विभाग के पिंजरे में कैद हो गया। गुलदार के पकड़े जाने की खबर मिलते ही गांव और आसपास के इलाकों में लोगों ने राहत की सांस ली है। बताया जा रहा है कि गांव तिमरपुर और आसपास के क्षेत्रों में आए दिन गुलदार के दिखाई देने से ग्रामीण बेहद परेशान थे। हालात ऐसे हो गए थे कि लोग खेतों में काम करने जाने से डर रहे थे, पशुओं के लिए चारा लाना मुश्किल हो गया था और बच्चों की पढ़ाई भी प्रभावित हो रही थी। लगातार हो रहे गुलदार के मूवमेंट से पूरे क्षेत्र में दहशत का माहौल बना हुआ था।

ग्रामीणों की मांग पर वन विभाग की टीम ने गांव तिमरपुर में एक निजी अस्पताल के पीछे स्थित जंगलनुमा खेतों में पिंजरा लगाया था। सोमवार को उसी पिंजरे में आदमखोर गुलदार कैद हो गया। गुलदार के पकड़े जाने के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई और वन विभाग की टीम ने सुरक्षा व्यवस्था के बीच गुलदार को अपने कब्जे में ले लिया। स्थानीय लोगों के अनुसार यह गुलदार पिछले दो वर्षों में अब तक 36 लोगों को मौत के घाट उतार चुका था, जबकि कई अन्य ग्रामीण उसके हमलों में गंभीर रूप से घायल हुए थे। वन विभाग के आंकड़ों के मुताबिक अब तक सौ से अधिक आदमखोर गुलदार पकड़े जा चुके हैं, वहीं क्षेत्र में चार सौ से अधिक गुलदार होने की आशंका जताई जा रही है। गुलदार की गिरफ्त से गांव को फिलहाल राहत जरूर मिली है, लेकिन ग्रामीणों ने वन विभाग से क्षेत्र में गश्त बढ़ाने और स्थायी समाधान की मांग की है, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो सके।

के.एम. इंटर कॉलेज में उत्तर प्रदेश पर्व के तहत सांस्कृतिक उत्सव का भव्य आयोजन

धामपुर/बिजनौर (सब का सपना):- के.एम. इंटर कॉलेज के पुस्तकालय भवन में उत्तर प्रदेश पर्व हमारी संस्कृति, हमारी पहचान कार्यक्रम के अंतर्गत सांस्कृतिक उत्सव 2025-26 का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर धामपुर क्षेत्र के विभिन्न विद्यालयों से आए छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग कर अपनी प्रतिभा और सांस्कृतिक चेतना का परिचय दिया। कार्यक्रम के दौरान सामूहिक गायन, काव्य गोष्ठी, लोक संगीत, लोक नृत्य एवं वंदना जैसी विविध सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। छात्र-छात्राओं ने उत्तर प्रदेश की समृद्ध लोक परंपराओं, सांस्कृतिक विरासत और सामाजिक मूल्यों को मंच पर जीवंत कर दिया। लोकगीतों और नृत्यों की प्रस्तुति ने दर्शकों को भावविभोर कर दिया, वहीं काव्य पाठ और वंदना ने कार्यक्रम को गरिमा प्रदान की। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया। प्रधानाचार्य सुभाषचंद्र ने अपने संबोधन में कहा कि ऐसे आयोजन विद्यार्थियों को अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ने के साथ-साथ उनके सर्वांगीण विकास में भी सहायक होते हैं। उन्होंने छात्र-छात्राओं का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि संस्कृति और परंपरा ही हमारी असली पहचान हैं। इस अवसर पर एडीओ पंचायत अनिल कुमार, सविता रानी, रंजन यादव, नीरज कुमार, रेखा देवी, मिथिलेश, अनिल कुमार, नरेंद्र पाल सिंह सहित कई गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। अतिथियों ने प्रतिभागी विद्यार्थियों की प्रस्तुतियों की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम नई पीढ़ी को अपनी लोक संस्कृति से जोड़ने का सशक्त माध्यम हैं। कार्यक्रम के अंत में प्रतिभागी छात्र-छात्राओं को प्रोत्साहित किया गया और भविष्य में भी ऐसे सांस्कृतिक आयोजनों के निरंतर आयोजन का संकल्प लिया गया। आयोजन पूरे उत्साह, अनुशासन और सांस्कृतिक सौहार्द के साथ संपन्न हुआ।

नूरपुर में चोरों के हौसले बुलंद, पुलिस की गश्त पर सवाल

नूरपुर/बिजनौर (सब का सपना):- थाना नूरपुर क्षेत्र में चोरों के हौसले लगातार बुलंद होते जा रहे हैं, जबकि पुलिस चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने में नाकाम नजर आ रही है। ताजा मामला लज्जावती पेट्रोल पंप के पास ऑन रोड खड़े एक 6 टायरा ट्रक से जुड़ा है, जहां चोरों ने बेखौफ होकर वारदात को अंजाम दिया। पीड़ित ट्रक मालिक के अनुसार रात के समय खड़े ट्रक से चोर दो बड़े बैटरे, एक सीट, डीजल टैंक का ढक्कन और डीजल चोरी कर ले गए। इस चोरी की कुल कीमत लगभग 50 हजार रुपये आंकी जा रही है। सुबह जब चालक ट्रक के पास पहुंचा तो चोरी का पता चला, जिसके बाद क्षेत्र में हड़कंप मच गया। घटना की सूचना पुलिस को दे दी गई है, लेकिन अभी तक न तो चोरों का सुराग लग सका है और न ही कोई बरामदगी हो पाई है। व्यस्त सड़क और पेट्रोल पंप के पास हुई इस चोरी ने पुलिस की रात्रि गश्त और सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि क्षेत्र में आए दिन वाहनों से चोरी की घटनाएं हो रही हैं, लेकिन पुलिस की सक्रियता न होने के कारण चोरों के हौसले बढ़ते जा रहे हैं।

लोगों ने पुलिस प्रशासन से मांग की है कि रात्रि गश्त बढ़ाई जाए और चोरी की घटनाओं का शीघ्र खुलासा कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए।

सोनू हत्याकांड के आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग, कश्यप समाज का कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन

बिजनौर (सब का सपना):- मेरठ निवासी सोनू कश्यप की हत्या के मामले में सभी आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर कश्यप समाज के लोगों ने कलेक्ट्रेट में जोरदार प्रदर्शन किया। कश्यप समाज संगठन सेवा समिति के बैनर तले सैकड़ों की संख्या में पहुंचे प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर लापरवाही बरतने का आरोप लगाते हुए मुख्यमंत्री के नाम एक ज्ञापन प्रशासन को सौंपा। प्रदर्शन कर रहे लोगों का कहना था कि सोनू कश्यप की हत्या एक सुनियोजित घटना है, लेकिन पुलिस इस मामले में गंभीरता नहीं दिखा रही है। ज्ञापन में बताया गया कि घटना से पहले सोनू ने अपनी मौसी के घर फोन कर जानकारी दी थी कि सलावा गांव के कुछ युवक उसके साथ मारपीट कर रहे हैं। इसके बाद उसकी मौत हो गई। पुलिस को दी गई तहरीर में भी सलावा गांव के कई युवकों द्वारा घटना को अंजाम देने का स्पष्ट उल्लेख किया गया है। कश्यप समाज के लोगों ने आरोप लगाया कि पुलिस ने मामले में केवल एक टेंपो चालक को गिरफ्तार कर अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ने का प्रयास किया है, जबकि मुख्य आरोपी अभी भी खुलेआम घूम रहे हैं। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि यदि समय रहते सभी आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाती, तो समाज में पुलिस के प्रति भरोसा बना रहता।

प्रदर्शन के दौरान लोगों ने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही सभी दोषियों को गिरफ्तार नहीं किया गया तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। इस मौके पर शिवकुमार, पवन कुमार, ओमपाल, बिजेंदर, धनीराम, दीपक, अमर सिंह, नीरज, अशोक, अमित कश्यप सहित सैकड़ों लोग मौजूद रहे। प्रशासन की ओर से मामले की निष्पक्ष जांच का आश्वासन दिया गया।

जानवर को बचाने के प्रयास में कार दूसरी लेन जाकर गिरी,चालक घायल

डिडौली/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के डिडौली क्षेत्र में हाईवे 9 पर एक कर जंगली जानवर को बचाने के चक्कर में अनियंत्रित होकर डिवाइडर पार करती हुई दूसरी लेन में जाकर गिर गई। इस दौरान सामने से आ रहे एक ट्रक ने कार को टक्कर मार दी जिससे कार चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। बता दें कि डिडौली थाना क्षेत्र में हाईवे 9 पर मंगलवार की सुबह मुरादाबाद से जोया जाते समय एक क्रेटा कार जंगली जानवर को बचाने के प्रयास में अनियंत्रित होकर डिवाइडर पार कर दूसरी लेन जाकर गिर गई इस दौरान सामने से आ रहे ट्रक ने कार को टक्कर मार दी जिसमें कार चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार बताया जा रहा है कि गांव सरकड़ा कमाल, ब्लॉक जोया निवासी प्रदीप कुमार अपनी क्रेटा कार से मुरादाबाद से अपने घर जा रहे थे। डिडौली कस्बे के पास अचानक एक जंगली जानवर उनकी कार के सामने आ गया,जानवर को बचाने के चक्कर में कार अनियंत्रित हो गई और डिवाइडर पार कर विपरीत दिशा वाली लेन में पहुंच गई।उधर विपरीत दिशा से आ रहे एक ट्रक ने अनियंत्रित कार को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि प्रदीप कुमार गंभीर रूप से घायल हो गए।सूचना मिलते ही डिडौली पुलिस मौके पर पहुंची और घायल प्रदीप को तुरंत जोया के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया। पुलिस ने क्रेन की मदद से क्षतिग्रस्त कार को सड़क किनारे से हटवाया। डिडौली प्रभारी निरीक्षक हरिशवर्धन ने बताया कि इस घटना के संबंध में अभी तक कोई तहरीर प्राप्त नहीं हुई है। तहरीर मिलने पर नियमानुसार कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के सात दिवसीय शिविर का किया गया शुभारंभ

हल्दौर/बिजनौर (सब का सपना):- जनपद के गांव कूकड़ा के समग्र विद्यालय में मंगलवार को आरएचएस इंटर कॉलेज की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के सात दिवसीय शिविर का शुभारंभ किया गया। शिविर का प्रथम दिवस उद्घाटन एवं उद्बोधन दिवस के रूप में मनाया गया। शिविर का शुभारंभ गांव कूकड़ा के ग्राम प्रधान सागर सिंह एवं पर्यवेक्षक चारु राजपूत द्वारा फीता काटकर किया गया। इस अवसर पर स्वयंसेवकों द्वारा प्रार्थना एवं लक्ष्य गीत प्रस्तुत किये गये। कार्यक्रम के दौरान ग्राम प्रधान सागर सिंह ने कहा कि ऐसे शिविर ग्रामीण समाज में जागरूकता, सेवा भावना और अनुशासन को बढ़ावा देते हैं। कॉलेज के प्रधानाचार्य मेघराज सिंह ने राष्ट्रीय सेवा योजना के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। पर्यवेक्षक चारू राजपूत ने स्वयंसेवकों को समाज सेवा, स्वच्छता, शिक्षा और राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम अधिकारी मणिकांत कुमार ने आगंतुको का पुष्प देकर स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन जयपाल सिंह ने किया। इस मौके पर कॉलेज के प्रधानाचार्य मेघराज सिंह राणा, सेवानिवृत्त शिक्षक धर्मेंद्र कुमार, उमेशचन्द्र गहलौत, कॉलेज के प्रधानाचार्य मेघराज सिंह राणा, संजय सलिल, पवित्र कुमार, अवनीश कुमार, रजनीश कुमार, सचिन कुमार,अमरदीप कुमार,भाषा रानी आदि उपस्थित रहे।

काम करते समय मजदूर की अचानक मौत, गांव में मचा कोहराम

अफजलगढ़/बिजनौर(सब का सपना):- जनपद के अफजलगढ थाना क्षेत्र के गांव झाड़पुरा भागीजोत में मंगलवार सुबह काम के दौरान एक मजदूर की अचानक मौत हो जाने पर परिजनों में कोहराम मच गया। वही गोबर खाद भरते समय 42 वर्षीय मजदूर लाल सिंह सैनी पुत्र न्यादर सिंह की हृदय गति रुकने से मौके पर ही मौत हो गई। अचानक हुई इस घटना से परिजनों में कोहराम मच गया, जबकि गांव में शोक की लहर दौड़ गई। थाना क्षेत्र के गांव झाड़पुरा भागीजोत निवासी लाल सिंह सैनी उम्र 42 वर्षीय पुत्र न्यादर सिंह मंगलवार सुबह करीब आठ बजे खेत में गोबर खाद की कूढ़ी उठाकर परात के माध्यम से ट्रैक्टर-ट्रॉली में भरने का कार्य कर रहे थे। इसी दौरान वह अचानक बेहोश होकर जमीन पर गिर पड़े। आसपास मौजूद लोगों व परिजनों ने उन्हें उठाने की कोशिश की, लेकिन तब तक उनकी सांसें थम चुकी थीं। मृतक मजदूर की मौत की खबर मिलते ही परिवार में चीख-पुकार मच गई। पत्नी व बच्चों का रो-रोकर बुरा हाल है। ग्रामीणों ने बताया कि लाल सिंह मेहनत-मजदूरी कर परिवार का पालन-पोषण करता था और वही घर का एकमात्र कमाने वाला सदस्य था। घटना के बाद गांव में शोक की लहर दौड़ गई। परिजनों ने मौत को स्वाभाविक बताते हुए किसी भी प्रकार की कानूनी कार्रवाई से इनकार कर दिया। अचानक हुई इस दर्दनाक घटना से पूरे क्षेत्र में शोक व्याप्त है। मृतक अपने पीछे पत्नी बच्चों सहित पूरा परिवार रोता बिलखता छोड़ गया है।

तेज रफ्तार कार ने बाइक सवारों को कुचला, एक की मौत, दूसरा घायल

बिजनौर (सब का सपना):- कोतवाली देहात थाना क्षेत्र में मंगलवार दोपहर एक दर्दनाक सड़क हादसे में तेज रफ्तार कार ने बाइक सवार दो लोगों को जोरदार टक्कर मार दी। हादसा इतना भीषण था कि एक बुजुर्ग की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरा युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। टक्कर के बाद बाइक पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और सड़क पर अफरा-तफरी मच गई। घटना गारवपुर गांव के पास एक ईंट भट्टे के सामने की बताई जा रही है। मृतक की पहचान शौकत पुत्र रहमतुल्लाह के रूप में हुई है। हादसे में घायल युवक रवि पुत्र बबलू को गंभीर हालत में जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसकी हालत को देखते हुए हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार टक्कर इतनी तेज थी कि शौकत का एक पैर कटकर करीब 15 से 20 फीट दूर जा गिरा, जिससे मौके पर ही उसकी मौत हो गई। बताया गया है कि शौकत ने बाइक सवार रवि से लिफ्ट ली थी और दोनों किसी काम से जा रहे थे। इसी दौरान पीछे से तेज रफ्तार कार ने बाइक को रौंद दिया। हादसे के बाद कार चालक वाहन को मौके पर छोड़कर फरार हो गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायल को अस्पताल भिजवाया।

पुलिस ने कार को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। शुरूआत में परिजनों ने शव का पोस्टमार्टम कराने से इनकार कर दिया था, लेकिन पुलिस द्वारा समझाने-बुझाने के बाद वे राजी हो गए। इसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। पुलिस फरार चालक की तलाश में जुटी हुई है।

नगर निगम ने 12 बेसहारा पशुओं पकड़कर भेजा गौ-अभ्यारण

हिसार / निगमायुक्त नीरज के आदेशानुसार तथा अतिरिक्त आयुक्त डॉ. प्रदीप हुड्डा के निदेर्शानुसार पर बेसहारा पशुओं को पकड़े जाने का अभियान लगातार जारी है। अभियान के सहायक नोडल अधिकारी सुरेन्द्र वर्मा रहे। एएसआई संदीप बिश्नोई ने बताया कि निगम की टीम ने मंगलवार को कैमरी रोड, सेक्टर 9-11, गांव सातरोड, साउथ बाइपास, सिरसा रोड, आधार हस्पाताल के पास से 12 बेसहारा पशुओं को पकड़ाकर गौ-अभ्यारण भेजा गया। बेसहारा पशु पकड़ने वाली टीम के साथ पुलिस विभाग की टीम भी मौजूद रही।

मानव उत्थान सेवा समिति ने मकर संक्रांति के उपलक्ष्य में जरूरतमंद लोगों को कंबल वितरित किए

हिसार / विश्व विख्यात मानव उत्थान सेवा समिति के संस्थापक व मानव धर्म के प्रणेता सद्गुरु श्री सतपाल महाराज की प्रेरणा से पूरे विश्व में हर वर्ष की तरह मकर संक्रांति के उपलक्ष्य में आवश्यक सामग्री वितरण कार्यक्रम के तहत जरूरतमंद लोगों को सामग्री वितरित की जाती है। इसके तहत कैमरी रोड स्थित स्थानीय इकाई के तत्वावधान में श्री हंस सेवा मंदिर आश्रम की प्रभारी महात्मा श्री गौरा बाई व चन्द्रज्योति बाई की अध्यक्षता में बेसहारा व जरूरतमंद लोगों को कंबल वितरित किए गए। कंबल वितरण के मौके पर महात्मा गौरा बाई ने कहा कि बेसहारा और जरूरतमंद लोगों की सेवा ही वास्तव में ईश्वरीय सेवा है। इस अवसर पर समिति के श्रद्धालु भक्त भी उपस्थित रहे।

इंडियन नेशनल लोकदल कांग्रेस के नेताओं ने ही किया कांग्रेस पार्टी का सच उजागर

हिसार / हरियाणा में भाजपा को जिताने में कांग्रेस के बड़े नेताओं का हाथ शामिल था इस बात को चौ. अभय सिंह चौटाला और इंडियन नेशनल लोकदल हमेशा से कहती आ रही है लेकिन अब कांग्रेस पार्टी के नेताओं ने ही बाकायदा प्रेसवार्ता करके इस बात की पुष्टि कर दी है प्रदेश में कांग्रेस को हराने और बीजेपी की सरकार बनाने में कांग्रेस के बड़े नेताओं ने अपनी भूमिका निभाई। यह बात इंडियन नेशनल लोकदल के राष्ट्रीय संगठन सचिव उमेद लोहान ने एक पत्रकार वार्ता के दौरान कही। उमेद लोहान ने कहा कि कांग्रेस के तीन बड़े नेताओं (रामनिवास घोड़ेला) जो कि ओबीसी के नेशनल को ऑर्डिनेटर रह चुके हैं और पार्टी की टिकट पर चुनाव भी लड़ा है। फतेहाबाद जिले के सीनियर नेता (प्रहलाद सिंह गिल्लाखेड़ा) जो कि भूपेंद्र हुड्डा और दीपेंद्र हुड्डा के सभी कार्यक्रमों का फतेहाबाद में आयोजन देखते थे और उनके काफी नजदीकी माने जाते हैं और हिसार जिले के एक अन्य कांग्रेसी नेता (धर्मवीर गोयत) जो कि हुड्डा के काफी करीबी हैं। उक्त तीनों नेताओं ने संयुक्त रूप से एक प्रेस कांफ्रेंस के दौरान अपनी हार का ठिकरा कांग्रेस के बड़े नेताओं पर फोड़ा है। उन्होंने स्पष्ट तौर पर कहा कि हरियाणा में कांग्रेस हारी नहीं बल्कि उसे पार्टी के नेताओं द्वारा ही हराया गया है। वहीं प्रहलाद सिंह गिल्लाखेड़ा ने यहां हर शाख पर उल्लू बैठा है की बात कहकर अपनी पार्टी में ही विभीषण होने की बात का इशारा किया है। लोहान ने कहा कि भाजपा की जीत में कांग्रेस का हाथ होने की पुष्टि केवल उसकी पार्टी के नेता ही नहीं कर रहे बल्कि चुनाव के दौरान अनेक ऐसे वाकये सामने आए जब साफ दिखाई दे रहा था कि भूपेंद्र हुड्डा, दीपेंद्र हुड्डा और जयप्रकाश जैसे बड़े नेता कांग्रेस पार्टी को जिताने नहीं बल्कि हराने में लगे हुए थे। भूपेंद्र हुड्डा ने पहले अपने बयानों में कहा कि उन्हें केवल रोहतक की सीट जितवा दो कांग्रेस का राज आ जाएगा फिर कांग्रेस के नेताओं द्वारा ही आपत्ति उठाने पर 10 में से 5 सीटों पर जीत दिलवाने की बात कहने लगे। इससे साफ जाहिर होता है कि वे पहले ही निर्धारित कर चुके थे कि कितनी सीटें जितवानी और हरवानी हैं। पत्रकार वार्ता में उमेद लोहान के अलावा पार्टी के अन्य पदाधिकारी भी उपस्थित थे।

मारपीट कर जानलेवा हमला करने के मामले में दो आरोपी गिरफ्तार

रेवाड़ी। थाना खोल पुलिस ने गत वर्ष नवंबर माह में गांव आलियावास के एक व्यक्ति से मारपीट कर जानलेवा हमला करने के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान गांव आलियावास निवासी हवा सिंह व रामनिवास के रूप में हुई है। जांचकर्ता ने बताया की गत वर्ष 23 नवंबर को गांव आलियावास निवासी

सुरेंद्र सिंह ने अपनी शिकायत में बताया था कि 21 नवंबर 2025 की रात को वह अपने खेत में पानी लगा रहा था। इसी दौरान उसके गांव के हवासिंह, कुलदीप, रामनिवास व सतीश वहां आ गए। उसने आरोप लगाया कि इन लोगों ने आते ही उस पर लाठी व तेजधार हथियारों से हमला कर दिया। इसके बाद वह बेहोश होकर जमीन पर गिर गया। उसे लेने के लिए नवीन व शिव कुमार खेत में गए थे। इन लोगों ने उन पर पर भी धारदार हथियारों से हमला कर दिया। जिस पर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ थाना खोल में मारपीट व हत्या के प्रयास का मामला दर्ज करके जांच शुरू की थी। जो इस मामले में पुलिस ने सोमवार को मामले में संलिप्त दो आरोपी हवा सिंह और उसके पिता रामनिवास को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपियों को पेश अदालत करके न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। पुलिस द्वारा इस मामले में अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी भी जल्द की जाएगी।

सेना भर्ती के लिए ऑनलाइन परीक्षा पास कर चुके उम्मीदवार भिवानी पहुंचे

नारनौल। सेना भर्ती कार्यालय चरखी दादरी की ओर से अग्निवीर श्रेणी, अग्निवीर जनरल ड्यूटी, अग्निवीर क्लर्क, स्टोर कीपर टेक्निकल, अग्निवीर टेक्निकल और अग्निवीर ट्रेड्समैन के लिए सेना भर्ती 2025-2026 अग्निवीर स्कीम और स्थाई श्रेणी के तहत ऑनलाइन परीक्षा पास कर चुके उम्मीदवारों के लिए 28 जनवरी 2026 से 12 फरवरी 2026 के बीच शारीरिक दक्षता एवं मापदंड परीक्षा का आयोजन किया जाएगा। सेना भर्ती कार्यालय चरखी दादरी की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति अनुसार शारीरिक दक्षता एवं मापदंड परीक्षा के लिए अभ्यर्थियों को 28 जनवरी से 12 फरवरी के बीच एडमिट कार्ड पर दिए गए समय के अनुसार भीम स्टेडियम भिवानी में उपस्थित होना होगा। उन्होंने बताया कि यह भर्ती रैली उन अभ्यार्थियों के लिए है जिन्होंने सीईई परीक्षा जून 2025 में उत्तीर्ण की है। शारीरिक दक्षता और मापदंड परीक्षा संबंधी सभी जानकारी joinindianarmy.nic.in वेबसाइट से जानकारी ले सकते हैं। जिन उम्मीदवारों ने एक या एक से अधिक श्रेणियों में पंजीकरण किया है और सामान्य प्रवेश परीक्षा पास की है उनके लिए एक ही बार दौड़ में भाग लेने की अनुमति होगी। ऐसे उम्मीदवारों के लिए एक ही एडमिट कार्ड मिलेगा जिसमे सभी श्रेणियों को दशार्या होगा। एडमिट कार्ड को शारीरिक दक्षता और मापदंड परीक्षा में साथ लाना अनिवार्य है। सभी उम्मीदवार अपने साथ दस्तावेज का सत्यापन करने के लिए 10वीं एवं 12वीं पास की मार्कशीट, निवास प्रमाण पत्र, चरित्र प्रमाण पत्र, पुलिस वेरिफिकेशन, खेल प्रमाण पत्र, सेना से सम्बंधित प्रमाण पत्र रिलेशन सर्टिफिकेट) और एडमिट कार्ड अन्य दस्तावेज लाने होगें। इसके अलावा उम्मीदवार अधिक जानकारी के लिए ऑफिसियल नोटीफिकेशन को भी जरुर चेक कर लें। इसकी सूचना लिखित परीक्षा में सफल हुए उम्मीदवारों के पंजीकृत ईमेल आईडी पर भी भेजी जायेगी। उम्मीदवारों से अनुरोध है कि वे किसी भी प्रकार कि धोखाधड़ी या दलाल से सावधान रहें। भर्ती प्रक्रिया पुर्णतः पारदर्शी एवं योग्यता पर आधारित होगी।

झुग्गी -झोपड़ी के रहवासियों के बीच मनाया लोहड़ी एवं मकर संक्रांति पर्व

क्षुग्गीवासियों के बच्चों को मन लगाकर पढ़ने के लिए किया प्रेरित
जरूरतमंदों व निर्धनों की यथासंभव सहायता करना हर सक्षम नागरिक का कर्त्तव्य : अशोक प्रधान

रेवाड़ी। ऐतिहासिक पर्व लोहड़ी एवं सनातन आस्था के प्रसिद्ध त्योहार मकर संक्रांति के सिलसिले में मिठाइयां बांटने एवं सामाजिक सरोकार के तहत जनसमस्याएं जानने के लिए राष्ट्रीय सामाजिक संगठन लोक सेवा मंच के पदाधिकारीगण स्थानीय सेक्टर- 4 में झुग्गी झोपड़ियां के रहवासियों के बीच पहुंचे। झुग्गी झोपड़िया में रहकर गुजर बसर कर रही मेहनतकश महिलाओं और बच्चों ने मंच के पदाधिकारियों का जोरदार स्वागत किया और अपनी ज्वलंत समस्याओं से अवगत कराया। राष्ट्रीय प्रगतिशील विचारक एवं सामाजिक कार्यकर्ता अशोक प्रधान लोक सेवा मंच सहित मंच की

कोर कमेटी के सदस्य एवं सीनियर सिटीजन बीके राम सिंह , कंवर सिंह सैनी ने झुग्गी-झोपड़ी वासियों का कुशलक्षेम पूछा और उनमें मिठाइयां वितरित कीं । उपस्थित अनेक महिलाओं ने बताया कि सर्दी के इस ठिठुरते मौसम में उन्हें और उनके बच्चों को गर्म कपड़ों की आवश्यकता है । उन्होंने बताया कि टाट-चटाई बनाने के उनके पुश्तैनी कार्य और आसपास दिनभर की कड़ी मेहनत मजदूरी के बावजूद उनके परिवारों का गुजारा मुश्किल से हो पा रहा है । मगर उनके लिए संतोष की बात यह है कि उनके सभी बच्चे अब पढ़ने लगे हैं । उन्होंने कहा कि उन्हें भविष्य को लेकर उम्मीदें हैं कि उनके बच्चे पढ़ लिखकर वर्तमान के कठिनाईभरे हालातो में बदलाव ला सकेंगे और कामयाब होंगे । प्रगतिशील विचारक अशोक प्रधान लोक सेवा मंच ने बच्चों को प्रेरित करते हुए कहा कि उन्हें मन लगाकर पढ़ना चाहिए । उन्होंने बच्चों से जीवन में हमेशा अच्छी आदतों को अपनाने की बात कही । उन्होंने कहा कि शिक्षा प्राप्ति शेरनी के दूध के समान है । शिक्षा पाकर न केवल उनकी कठिनाइयां दूर होंगी बल्कि बड़े होकर वे देश और समाज की मनचाही ढंग से सेवा भी कर सकेंगे । उन्होंने लोक सेवा मंच की ओर से सभी देशवासियों एवं उपस्थित जनों को ऐतिहासिक पर्व लोहड़ी व हिंदू पर्व मकर संक्रांति की शुभकामनाएं भी व्यक्त कीं । कंवर सिंह सैनी ने 'अच्छे बच्चे बनना है , मिलकर आगे बढ़ना है' , 'कभी किसी से डरना -झगड़ना नहीं धर्म की राह चलनी है' , 'जय शिक्षा ज्योति जय सामाजिक क्रांति' आदि के जोरदार नारे लगवाएं। सीनियर सिटीजन बीके राम सिंह ने उपस्थित महिलाओं से अपने बच्चों को खूब पढ़ाने तथा उनमें अच्छे संस्कारों का निर्माण करने का विनम्र अनुरोध किया । क्षुग्गीवासियों ने कहा कि वे सामाजिक संगठन लोक सेवा मंच की ओर से जनहित में कमजोर ,वृद्ध और निर्धन लोगों से निरंतर मेलजोल रखने , उनकी हरसंभव सहायता करने और जनहित में जायज हकों के लिए लगातार चलाए जा रहे जनसम्पर्क अभियान से बहुत खुश हैं और बुलंद किए जा रहे सभी जनहितकारी मुद्दों का भरपूर वे जोरदार समर्थन करते हैं ।

आयुष्मान कार्ड बनवाने का झांसा और ऑनलाइन ठग लिए 88000 रुपए

गुरुग्राम 26 दिसंबर 2025 को पुलिस थाना सदर, गुरुग्राम में एक महिला द्वारा एक लिखित शिकायत के माध्यम से बताया कि नितिन नामक एक लड़के ने इसे इसका आयुष्मान कार्ड बनवाने का झांसा देते हुए इसका मोबाइल फोन लिया और इसके फोन-पे का प्रयोग करके ऑनलाइन इसके बैंक खाते से 88 हजार रुपए ट्रांसफर करके ठगी कर ली। प्राप्त शिकायत पर पुलिस थाना सदर, गुरुग्राम में सम्बन्धित धाराओं के तहत अभियोग अंकित किया गया। पुलिस थाना सदर, गुरुग्राम की पुलिस टीम ने त्वरित कार्यवाही करते

हुए उक्त वारदात को अंजाम देने वाले 01 आरोपी को एक दिन पहले संडे को ओमेक्स मॉल सेक्टर-49, गुरुग्राम से गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान नितिन (उम्र 19-वर्ष) निवासी अंगदपुर थाना मखनपुर जिला फिरोजाबाद (उत्तर-प्रदेश) के रूप में हुई। पुलिस पूछताछ के दौरान आरोपी ने बताया कि यह गुरुग्राम में डिलीवरी बॉय का काम करता है। इसने उपरोक्त अभियोग में शिकायकर्ता को उसका आयुष्मान कार्ड बनाने का झांसा देकर उसका मोबाइल फोन ले लिया उसके मोबाइल फोन से ऑनलाइन यूपीआई/फोन-पे के माध्यम से अपने दोस्त के बैंक खाते में 88 हजार रुपए ट्रांसफर कर दिए,
फिर अपने दोस्त को झूठ बोल दिया कि उपरोक्त रुपए इसकी बहन ने भेजे है और फिर इसने वो रुपए अपने बैंक खाते में ट्रांसफर करवा लिए। पुलिस टीम द्वारा आरोपी के कब्जा से 15 हजार रुपए बरामद किए गए व आरोपी को सोमवार को माननीय अदालत में पेश करके न्यायिक हिरासत में भेजा गया।

राष्ट्रीय युवा दिवस पर आईटीआई कॉलेज रेवाड़ी में संगोष्ठी का आयोजन

रेवाड़ी। राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर स्वामी विवेकानंद जी की जयंती को नेशनल मेडिको ऑर्गेनाइजेशन (एनएमओ) रेवाड़ी ब्रांच द्वारा आईटीआई कॉलेज, रेवाड़ी में राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका विषय पर संगोष्ठी आयोजित कर मनाया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित डॉ. आर.बी. यादव ने अपने संबोधन में कहा कि युवा शक्ति ही राष्ट्र की सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने स्वामी विवेकानंद के जीवन से जुड़े प्रेरणादायक प्रसंगों के माध्यम से युवाओं को आत्मविश्वास, अनुशासन एवं राष्ट्रसेवा के मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी तथा राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. दीपक शर्मा ने युवाओं से सोशल मीडिया का सकारात्मक एवं सीमित उपयोग करने की अपील की। उन्होंने कहा कि साधना, संयम एवं स्वस्थ जीवनशैली अपनाकर ही युवा अपने लक्ष्य की प्राप्ति कर सकते हैं। विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के जिला संघचालक रामावतार गौतम ने सामाजिक पंच परिवर्तन–परिवार प्रबोधन, पर्यावरण संरक्षण, नागरिक कर्तव्य, सामाजिक समरसता एवं स्वयं की दिशा–पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए युवाओं को समाज एवं राष्ट्र के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का बोध कराया। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. पी.सी. सिंघल द्वारा की गई। जिला अध्यक्ष डॉ. कंवर सिंह ने सफल आयोजन के लिए सभी अतिथियों, आयोजकों एवं प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर विद्यार्थियों के लिए स्वामी विवेकानंद जी की जीवनी पर आधारित प्रश्नोत्तरी, पोस्टर मेकिंग एवं भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें विजेता विद्यार्थियों नेहा, दिव्या, हेमंत कुमार, सुमित, सरस्वती, दीपक, खेमचंद एवं सागर को नमो टीम द्वारा सम्मानित किया गया। जी.आई. विनीता के संयोजन में आयोजित इस कार्यक्रम का मंच संचालन डॉ. रमन भूटानी ने किया। कार्यक्रम की समस्त व्यवस्थाएँ महासचिव डॉ. सुप्रतिक्स एवं कोषाध्यक्ष डॉ. वसंत गुप्ता द्वारा संभाली गईं। इस अवसर पर आईटीआई कॉलेज के प्रिंसिपल सुरेंद्र, सुपरिंटेंडेंट कुमेर सिंह, जी.आई. पवन कुमार, जी.आई. विनोद कुमार, जी.आई. हनुमान सिंह, कॉलेज के अन्य स्टाफ सदस्य तथा नमो से जुड़े डॉ. सुमन यादव सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

पुलिस ने नशीले पदार्थ 6.71 ग्राम चिट्टा के साथ नशा तस्कर दबोचा

हथीन/रोबिन माथुर : "नशा मुक्त भारत" अभियान अंतर्गत जिले में नशीले पदार्थों के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत बहीन थाना पुलिस ने एक बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने पहाड़ी-हथीन रोड पर नाकाबंदी के दौरान एक बाइक सवार युवक को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से नशीला पदार्थ 6.71 ग्राम चिट्टा बरामद किया है। थाना बहीन प्रभारी उप निरीक्षक सुरेश कुमार से प्राप्त जानकारी के अनुसार, सहायक उप-निरीक्षक सुखबीर सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम पहाड़ी गांव में गश्त पर थी। इसी दौरान गुप्त सूचना मिली कि गुराकसर

का रहने वाला आसीद लंबे समय से चिट्टा बेचने का काम कर रहा है और आज वह काले रंग की अपनी बाइक पर नशीला पदार्थ लेकर पहाड़ी की ओर आ रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस ने ईंट भट्टे के पास नाकाबंदी शुरू कर दी। नाकाबंदी के दौरान हथीन की तरफ से एक बाइक आती दिखाई दी। पुलिस का इशारा पाकर चालक ने भागने की कोशिश की, लेकिन मुस्तैद पुलिस टीम ने उसे मौके पर ही दबोच लिया। नियम अनुसार राजपत्रित अधिकारी डीएसपी हथीन मोहिन्दर वर्मा के समक्ष तलाशी के दौरान आरोपित की पैंट की दाहिनी जेब से दो सफेद पालीथिन बरामद हुईं, जिनमें 6.71 ग्राम नशीला पदार्थ (चिट्टा) रखा था। थाना प्रभारी ने बताया कि पुलिस टीम ने बरामद चिट्टा, मोबाइल फोन और आरोपी की बाइक को कब्जे में लेकर आरोपी आसीद के विरुद्ध बहीन थाने में एनडीपीएस एक्ट की विभिन्न धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। आरोपी यह नशीला पदार्थ कहाँ से लाया और इसे किसे सप्लाई किया जाना था के बारे गहन पूछताछ हेतु आरोपी को पुलिस रिमांड पर लेने की प्रक्रिया की जा रही है।

रोटरी क्लब रेवाड़ी मेन द्वारा लोहड़ी का जश्न

रेवाड़ी। रोटरी क्लब मेन ने आर बी एस स्कूल के परिसर में पूरे उत्साह के साथ लोहड़ी का त्योहार मनाया, जिसमें स्कूल की प्रिंसिपल रितु ओबेरॉय प्रोजेक्ट चेयरपर्सन थीं। कार्यक्रम की शुरूआत क्लब के सीनियर सदस्य वेद प्रकाश कथूरिया और अन्य सदस्यों ने दीप जलाकर की। कार्यक्रम की शुरूआत में सुषमा अग्रवाल ने 'राधे राधे' और लोहड़ी का गाना गाया। क्लब की प्रेसिडेंट नेहा शर्मा ने कहा कि यह त्योहार सदस्यों के बीच सद्भाव बनाए रखने के लिए क्लब हर साल मनाता है। उन्होंने इस कार्यक्रम को यादगार बनाने के लिए रितु ओबेरॉय और स्कूल स्टाफ के प्रयासों की सराहना की। इस मौके पर क्लब के सदस्यों

के लिए कई खेल खेले गए, जिसमें सदस्यों ने पूरे जोश के साथ हिस्सा लिया। क्लब के सेक्रेटरी अनुकूल शर्मा ने कहा कि यह त्योहार क्लब के सदस्यों के दिलों में खास जगह रखता है। उन्होंने इस त्योहार से जुड़ी कहानियां सुनाईं और सदस्यों को इस पवित्र त्योहार का संदेश समाज में फैलाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने इस कार्यक्रम के लिए जगह और सुविधाएं देने के लिए स्कूल मैनेजमेंट को धन्यवाद दिया। इस मौके पर क्लब के सदस्यों और उनके बच्चों ने इस कार्यक्रम को यादगार बनाने के लिए भांगड़ा डांस सहित कई परफॉर्मेंस दीं। क्लब ने विभिन्न खेलों में विजेताओं को पुरस्कार दिए। इस मौके पर डॉ. अरुण गुप्ता, ज्योति गुप्ता, हरीश मेहंदिरत्ता, रोजी मेहंदिरत्ता, समीर भाटिया, भारती भाटिया, राहुल जैन, जय प्रकाश चौहान, रुचि चौहान, रजत वर्मा, तमन्ना वर्मा, मनोज चक्रवर्ती, सोनिया चक्रवर्ती, सुधीर मक्कड़, ज्योति अदलखा , मनीष अरोड़ा, आरती अरोड़ा, अनुराधा सैनी, दिनेश लखेरा, नेहा लखेरा, डॉ. पवन गुप्ता, डॉ. डिंपल गुप्ता और अन्य सदस्यों ने इस जश्न को यादगार बनाने के लिए सक्रिय रूप से भाग लिया। सदस्यों के लिए स्वादिष्ट घर का बना खाना परोसा गया। कार्यक्रम के आखिर में अलाव की व्यवस्था की गई, जो लोहड़ी त्योहार का मुख्य आकर्षण था और इसने इस कार्यक्रम को एक अनोखा रंग दिया। क्लब के प्रवक्ता डॉ. नवीन अदलखा ने कहा कि यह त्योहार रोटरी क्लब के सदस्यों के लिए बहुत खास जगह रखता है।

बाघपुर के ग्रामीणों ने किया सूर्य नमस्कार योगाभ्यास

बेरी, झज्जर 13 जनवरी। आयुष विभाग तथा हरियाणा योग आयोग के संयुक्त तत्वावधान में एसडीएम अंकित कुमार चौकसे के मार्गदर्शन व जिला योग संयोजक डॉ पवन कुमार के दिशा निर्देशन में गांव बाघपुर में सूर्य नमस्कार कार्यक्रम आयोजित किया गया। डॉ. पवन देशवाल ने बताया कि योग को जन-जन तक पहुंचाने और नागरिकों को स्वस्थ जीवनशैली से जोड़ने के उद्देश्य से गत 12 जनवरी (स्वामी विवेकानंद जयंती) से 12 फरवरी (महर्षि दयानंद सरस्वती जयंती) तक एक माह का सूर्य नमस्कार अभियान आयोजित किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि अभियान का मुख्य उद्देश्य योग, विशेषकर सूर्य नमस्कार, के वैज्ञानिक, शारीरिक और मानसिक लाभों के प्रति लोगों को जागरूक करना तथा उन्हें नियमित योग अभ्यास के लिए प्रेरित करना है। वहीं योगाचार्य गीता कादयान ने ग्राम वासियों को योग करवाते हुए कहा कि सूर्य नमस्कार केवल एक योग अभ्यास नहीं, बल्कि स्वास्थ्य, ऊर्जा, सकारात्मकता और आत्म-अनुशासन का संपूर्ण माध्यम है। यह रक्त संचार को बेहतर बनाता है, रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाता है और तनाव कम करने में सहायक है। उन्होंने ग्रामीणों से अपील की कि वे स्वयं तथा अपने परिवार, मित्रों, विद्यार्थियों, सहकर्मियों और ग्रामीणों को इस अभियान से जोड़ें और सूर्य नमस्कार को अपनी दैनिक दिनचर्या में शामिल कर स्वस्थ और खुशहाल हरियाणा के निर्माण में सहभागिता निभाएं।

यूट्यूब देख हत्या की प्लानिंग तथा हत्या के बाद पुलिस से बचने की साजिश

आरोपी व उसके आरोपी साथी को गिरफ्तार कर सुलझाई ब्लाईड मर्डर की गुत्थी
मौसी के लड़के की गोली मारकर हत्या करने वाले आरोपी - सहआरोपी दबोचे
14 साल पुराना व्यवसायिक विवाद बना हत्या किया जाने का मुख्य कारण
वारदात की रेकी के लिए मुख्य आरोपी ने दिए थे सह आरोपी को 10 लाख रुपए
आरोपियों की पहचान गुरुदत्त शर्मा उर्फ बालेश्वर शर्मा व अनिल के रूप में हुई

गुरुग्राम 13 जनवरी । 6 जनवरी 2026 को पुलिस थाना सैक्टर-10 की पुलिस टीम को सूचना प्राप्त हुई कि सेक्टर-37 डी रामा पार्क के पास सड़क किनारे एक व्यक्ति दुर्घटनाग्रस्त अवस्था में खून से लथपथ पड़ा हुआ है। सूचना मिलते ही पुलिस थाना सेक्टर-10, गुरुग्राम की टीम घटनास्थल पर पहुंची, जहां पर उपस्थित ईआरवी टीम द्वारा घायल व्यक्ति को तुरंत सिविल अस्पताल, सेक्टर-10, गुरुग्राम ले जाया गया । पुलिस टीम द्वारा पुलिस की सीन-ऑफ-क्राइम, डॉग-स्क्वाड एवं फिंगरप्रिंट टीमों से घटनास्थल का गहन निरीक्षण कराया। अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टरों द्वारा उक्त व्यक्ति को मृत घोषित कर दिया गया। जिला पुलिस प्रवक्ता के मुताबिक पुलिस द्वारा मृतक के शव का नियमानुसार पोस्टमार्टम करवाया गया। इसी दौरान मृतक के बेटे द्वारा लिखित शिकायत दी गई, जिसमें बताया गया कि मृतक

उसके पिता संजय शर्मा (उम्र 50 वर्ष), निवासी बसई इंक्लेव पार्ट-2, गुरुग्राम है। इसके पिता (मृतक) 6 जनवरी को कार में सवार होकर अपनी कैंटीन सेक्टर-34, गुरुग्राम के लिए निकले थे। रास्ते में रामा पार्क, सेक्टर-37 डी के पास किन्हीं अज्ञात व्यक्तियों द्वारा उनकी हत्या कर दी गई। प्राप्त शिकायत के आधार पर पुलिस थाना सेक्टर-10, गुरुग्राम में हत्या से संबंधित धाराओं के तहत अभियोग अंकित किया गया। इंस्पेक्टर जयबीर, इंचार्ज अपराध शाखा पालम विहार, गुरुग्राम के नेतृत्व में तथा अभियोग के अनुसंधानकर्ता उप-निरीक्षक अंकित व गठित पुलिस टीम ने त्वरित कार्यवाही करते हुए हत्या की वारदात को अंजाम देने वाले 02 आरोपियों को गिरफ्तार करके इस ब्लाईंड मर्डर की गुत्थी को सुलझाने में बड़ी कामयाबी हासिल की है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान 1. गुरुदत्त शर्मा उर्फ बालेश्वर शर्मा (उम्र-56 वर्ष) निवासी गांव डहकोरा, जिला रोहतक (हरियाणा), 2. अनिल (उम्र 48 वर्ष), निवासी गांव कंडोरा, जिला बागपत (उत्तर प्रदेश) के रूप में हुई। पुलिस टीम द्वारा आरोपी गुरुदत्त शर्मा 10 जनवरी को देहरादून (उत्तराखंड) से गिरफ्तार करके 11 जनवरी को माननीय अदालत में पेश किया गया, जहां से उसे 04 दिन के पुलिस हिरासत रिमांड पर लिया गया। वहीं आरोपी अनिल को 12. जनवरी को मुजफ्फरनगर, उत्तर-प्रदेश से गिरफ्तार किया गया। पहले गाड़ी को टक्कर, फिर गोली भी मारी पुलिस पूछताछ में आरोपियों ने खुलासा किया कि आरोपी गुरुदत्त शर्मा, देहरादून में कैफे चलाता है तथा मृतक संजय शर्मा इसकी (गुरूदत्त) मौसी का लड़का था। दोनों का वर्ष 2011-12 तक क्रेशर बजरी का संयुक्त व्यवसाय था, जो आपसी मनमुटाव के चलते बंद हो गया था। इसी रंजिश के चलते दोनों के बीच कई बार विवाद भी हुआ था। इसने अपने उपरोक्त साथी आरोपी अनिल एवं अन्य सहयोगियों के साथ मिलकर मृतक की रेकी करवाई और पूर्व नियोजित योजना के तहत 6 जनवरी 2026 को रामा पार्क, सेक्टर-37डी के पास मृतक की गाड़ी को टक्कर मारी। जब मृतक गाड़ी से नीचे उतरा तो इसने (गुरुदत्त) गोली मारकर उसकी हत्या कर दी गई। यूट्यूब वीडियो देख पूरी वारदात को अंजाम दिया आरोपियों ने पुलिस पूछताछ में यह भी खुलाशा किया कि उपरोक्त वारदात को अंजाम देने की योजना ये काफी समय से बना रहे थे। आरोपी गुरुदत्त शर्मा, आरोपी अनिल को पिछले लगभग 10 वर्षों से जानता था। आरोपी अनिल, मुजफ्फरनगर में प्राइवेट बस चालक के रूप में कार्य करता है। गुरुदत्त शर्मा ने हत्या की वारदात को अंजाम देने व रेकी के लिए आरोपी अनिल को 10 लाख रुपये दिए थे।
आरोपियों ने स्वीकार किया कि हत्या की योजना बनाने एवं वारदात के बाद पुलिस से बचने के तरीकों के लिए इन्होंने यूट्यूब पर वीडियो देखकर जानकारी प्राप्त की और प्राप्त जानकारी के अनुसार साजिश रची। पुलिस टीम द्वारा आरोपियों से अभियोग में गहनता से पूछताछ की जा रही है तथा इस वारदात में शामिल अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के प्रयास जारी हैं।

चन्द्रमा पर आधारित पंचाग के अनुसार जब सूर्य कर्क रेखा से मकर रेखा पर आ जाता है तब उसे सूर्य उत्तरायण कहा जाता है पौष माह के मध्य मे और आधुनिक पंचाग के अनुसार 14 जनवरी के दिन पड़ता है सूर्य के एक राशि से दूसरी राशि मे आने और जाने को सक्रांति कहते है पूरे भारतवर्ष मे यह त्यौहार बड़ी धूमधाम से मनाया जाता रहा है पंजाब मे लोहडी,उत्तर भारत मे मकर-सक्रांति, दक्षिण मे पोंगल,पूर्वीय पर्वर्तीय भारत मे बिहू के रूप मे मनाया जाता है लोग इस दिन को तिल और खिचडी सक्रांति भी कहते है क्योकि इस दिन के ये प्रशिद्ध पकवान है यह त्यौहार हिन्दू लोगो के लिए बहुत ही शुभ दिन है और इस दिन लोग सुबहे सूर्य निकलने से पूर्व ही ही स्नान करते हुए ही सूर्य देवता की पूजा करते है और संपूर्ण भारत मे हिन्दू लोग भारी संख्या मे पवित्र नदिया मे स्नान करते है और गरीबो के लिए दान और भोजन का प्रबंध करते है

प्यार, एकता व आस्था का त्योहार

मकर सक्रांति

ग्रहों के अनुसार दान कर पाएं सफलता

कहते हैं सौ हाथों से कमाएं और हजार हाथों से खर्च करें तो जिंदगी में आपको कभी किसी भी तरह की कमी का सामना नहीं करना पड़ेगा। मकर सक्रांति पर आपकी जन्मकुंडली में जो ग्रह कमजोर हो उस ग्रह से संबंधित दान देकर ग्रहों के अशुभ प्रभाव को दूर कर अपने भविष्य को उज्जवल बना सकते हैं इससे आपको करियर में सफलता मिलने लगेगी।

सूर्य - माणिक्य, गेहूं, सवत्सा, गाय, लाल वस्त्र, लाल फूल, गुड़, स्वर्ण, तांबा, लाल चंदन, केशर, भूमि, भवन आदि।

चंद्र - टोकरी (बांस की), चावल, कर्पूर, सफेद कपड़ा, मोती, चांदी, दूध, दही, मिश्री, शकर, घी आदि।

मंगल - गेहूं, मसूर, लाल, कपड़ा, गुड़ तांबा, लाल फूल, लाल चंदन, केशर, लाल बैल, भूमि, मूंगा आदि।

बुध - हरा वस्त्र, स्वर्ण, ही मूंग, पन्ना, कस्तूरी आदि।

गुरु - पीला धान्य, पीला कपड़ा, पुखराज, स्वर्ण, चांदी, शकर, शहद, नमक, केसर, वृद्धों की सेवा, हल्दी, घोड़ा।

शुक्र - सफेद घोड़ा, गाय-बछड़े सहित हीरा, इत्र, सेंट, चावल, घी, कर्पूर, सफेद वस्त्र, चंदन, शकर, मिश्री।

शनि - उड़द, तिल, तेल, काली गाय, काला वस्त्र, कंबल, जूता, स्वर्ण, नीलम, चांदी आदि।

राहु - गेहूं, उड़द, गोमेद, काला घोड़ा, तलवार, तेल, लोहा, रत्न, अभ्रक, नीला कपड़ा।

केतु - लहसुनिया, तिल, कंबल, कस्तूरी, चाकू, लोहा, छतरी, सीसा, रागा, बकरा, काला कपड़ा आदि।

मकर संक्रान्ति भारत के प्रमुख त्यौहारों में से एक है। यह पर्व प्रत्येक वर्ष जनवरी महीने में समस्त भारत में मनाया जाता है। इस दिन से सूर्य उत्तरायण होता है, जब उत्तरी गोलार्ध सूर्य की ओर मुड़ जाता है। परम्परा से यह विश्वास किया जाता है कि इसी दिन सूर्य मकर राशि में प्रवेश करता है। यह वैदिक उत्सव है। इस दिन खिचड़ी का भोग लगाया जाता है। गुड़-तिल, रेवड़ी, गजक का प्रसाद बाँटा जाता है। इस त्यौहार का सम्बन्ध प्रकृति, ऋतु परिवर्तन और कृषि से है। ये तीनों चीजें ही जीवन का आधार हैं। प्रकृति के कारक के तौर पर इस पर्व में सूर्य देव को पूजा जाता है, जिन्हें शास्त्रों में भौतिक एवं अभौतिक तत्वों की आत्मा कहा गया है। इन्हीं की स्थिति के अनुसार ऋतु परिवर्तन होता है और धरती अनाज उत्पन्न करती है, जिससे जीव समुदाय का भरण-पोषण होता है।

संक्रांति का अर्थ

संक्रान्ति का अर्थ है सूर्य का एक राशि से दूसरी राशि में जाना, अत- वह राशि जिसमें सूर्य प्रवेश करता है, संक्रान्ति की संज्ञा से विख्यात है। राशियाँ बारह हैं, यथा मेष, वृषभ, मिथुन, कर्क, सिंह, कन्या, तुला, वृच्छिक, धनु, मकर, कुम्भ, मीन। मलमास पड़ जाने पर भी वर्ष में केवल 12 राशियाँ होती हैं। प्रत्येक संक्रान्ति पवित्र दिन के रूप में ग्राह्य है। भारत विविधताओं में एकता वाला देश है। यहाँ हर जाति व संस्कृति व धर्म को मानने वाले लोग रहते हैं। हमारे यहाँ कई त्योहार मनाए जाते हैं, जो ईश्वर के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने तथा सामाजिक संबंधों को नई मजबूती प्रदान करने के लिए मनाए जाते हैं। मकर संक्राति भी इन्हीं त्योहारों में से एक है। यह त्योहार इस संपूर्ण सृष्टि में ऊर्जा के प्रमुख स्त्रोत सूर्य की आराधना के पर्व के रूप में भी मनाया जाता है। इस दिन सूर्य सिंह राशि से मकर राशि में प्रवेश करता है। सूर्य के दक्षिणायन से उत्तरायन होने के साथ ही मौसम में परिवर्तन होता है और त्योहार के रूप में खुशियाँ मनाई जाती हैं। कहा जाता है कि इस दिन के बाद हर दिन तिल के बराबर बड़ा होता जाता है।

हर प्रांत हर रंग

भारत के अलग-अलग प्रांतों में इस त्योहार को अलग-

अलग ढंग से मनाया जाता है लेकिन इन सभी के पीछे मूल ध्येय एकता, समानता व आस्था दर्शाना होता है। मकर सक्रांति को पोंगल, लोहड़ी, पतंग उत्सव, तिल सक्रांति आदि नामों से भी जाना जाता है। इस दिन पवित्र नदी में स्नान करने का, तिल-गुड़ खाने का तथा सूर्य को देने का अपना एक महत्व है। बचपन की यादें ताजा करने व दोस्तों के साथ फिर से हँसी-ठहाके करने का त्योहार मकर सक्रांति है। गिल्ली-डंडे के खेल के रूप में मौज-मस्ती के एक बहाने के रूप में म.प्र. में यह त्योहार मनाया जाता है। इस त्योहार पर परिवार के बच्चे से लेकर बूढ़े सभी एक साथ गिल्ली-डंडे के इस खेल का आनंद उठाते हैं।

लाल, हरी, नीली, पीली आदि रंग-बिरंगी पतंगें जब आसमान में लहराती हैं तो ऐसा लगता है मानो इन पतंगों के साथ हमारे सपने भी हकीकत की ऊँचाईयों को छू रहे हैं और हम सभी सारे गिले-शिकवे भूलकर एक-दूसरे की पतंगों के पेंच लड़ा रहे हैं। गुजरात में मकर सक्रांति के दिन पतंगबाजी के आयोजन में इसी प्रकार का सांप्रदायिक सद्भाव देखने को मिलता है। यहाँ अलसुबह ही सभी लोग अपने घरों की छतों पर जमा होकर पतंगबाजी करके खु?शी व उल्लास के साथ इस त्योहार का भरपूर लुत्फ उठाते हैं। कहते हैं जिंदगी बहुत छोटी है और यदि हम इस छोटी सी जिंदगी में भी अपनों से बैर पालकर बैठ जाएँ तो जिंदगी का क्या मजा आएगा? इस दिन सभी पुराने गिले-शिकवे भूलाकर तिल-गुड़ से मुँह मीठा कर दोस्ती का एक नया रिश्ता कायम किया जाता है। समूचे महाराष्ट्र में इस त्योहार को रिश्तों की एक नई शुरुआत के रूप में मनाया जाता है। कुछ इसी तरह पंजाब में लोहड़ी के रूप में तो तमिलनाडु में पोंगल के रूप में इस त्योहार को मनाते हुए प्रकृति देवता का नमन किया जाता है।

क्या करें

हमारे धार्मिक आख्यानों के अनुसार मकर संक्राति के दिन हमें ब्रह्म मूहर्त में किसी पवित्र नदी में स्नान कर सूर्य देवता को देना चाहिए। उसके बाद यथोचित दान-धर्म कर अपने ईश्वर का नमन करना चाहिए तथा अपनों के साथ खुशियाँ बाँटकर इस त्योहार को मनाना चाहिए। हर त्योहार हमारे लिए कुछ न कुछ संदेश लेकर आता है। मकर सक्रांति का त्योहार भी हमें भेदभाव भूलाकर एकजुट होने का संदेश देता है। तो क्यों न इस दिन हम सभी एक-दूसरे के साथ प्रेम, आत्मीयता व सम्मान का एक नया रिश्ता कायम करें।

ब्रह्म मुहूर्त में करें स्नान

मकर संक्रांति के अवसर पर ब्रह्म मुहूर्त में ही स्नान करना अच्छा माना जाता है। कुछ लोग गंगा जी जाकर स्नान करते हैं तो जो नहीं जा पाते वे घरों में ही पानी में गंगा जल मिलाकर स्नान कर मकर संक्रांति का पुण्य प्राप्त कर लेते हैं। इस दिन खिचड़ी का दान किया जाएगा। पूर्व उत्तरप्रदेश में इसे खिचड़ी संक्रांति भी कहते हैं। कहा जाता है कि जाड़े के दिनों में जब सूर्य मकर राशि में प्रवेश करता है तो माघ का महीना प्रारंभ हो जाता है। इस महीने उड़द की खिचड़ी एवं रेवड़ी-मूंगफली खाने से शरीर में ऊर्जा बढ़ती है। इस प्रकार यह पर्व प्रकृति परिवर्तन के साथ शरीर का संतुलन बनाए रखने की ओर भी इशारा करता है। उत्तराखंड के लोग इसे घुघुतिया त्योहार भी कहते हैं जिसमें आटे को गुड़ या शहद में तैयार कर शकरपारे बनाए जाते हैं तथा सुबह स्नान करने के बाद काले कौआ काले पूस की रोटी माघ में खाले, के नारे लगाते हुए छोटे-छोटे बच्चे घुघुत को कौआ को बुलाकर खिलाएंगे। भगवान श्रीकृष्ण गीता में कहते हैं समस्त प्रकृतियां, ऋतु एवं महीने सब मुझसे ही पैदा होते हैं। इसलिए भारतीय उपासना पद्धति में प्रत्येक ऋतु, मास, पक्ष, सप्ताह एवं दिन-रात परामात्मा के स्वरूप ही माने गए हैं। इसीलिए हमारी उपासना सनातन उपासना कहलाती है। हर दिन किसी न किसी देवता की उपासना से जुड़ा होने से नित उत्सव का आनंद लोगों को मिलता ही रहता है। साथ ही किसी विशेष पर्व पर होने वाले धार्मिक उत्सव में तो सारा जनमानस एक-साथ आनंद में झूमने लगता है। इसी कड़ी में है लोहड़ी और मकर संक्राति का पर्व जो हमें धार्मिक अनुष्ठान करते हुए प्रकृति से जुड़े रहने का संदेश देता है। इसकी धूम गांव, नगर, शहर हर जगह दिखाई देती है। ज्योतिषियों के अनुसार मकर संक्रांति के दिन तिल का उपयोग 6 प्रकार से करना चाहिए। तिल का तेल जल में डालकर स्नान, तिल के तेल की शरीर पर मालिश करके स्नान, तिल का उपयोग हवन सामग्री में, तिलयुक्त जल का सेवन, तिल व गुडयुक्त मिठाई व भोजन का सेवन, तिल का दान करने से शारीरिक, धार्मिक व अन्य लाभ तथा पुण्य प्राप्त होते हैं। इसके अतिरिक्त पूजन में चंदन से अष्टदल का कमल बनाकर उसमें सूर्यदेव का चित्र स्थापित करें। शाम को तिलयुक्त भोजन से अपना व्रत खोलें।

गज पर सवार होकर आ रही है मकर संक्रांति

जब सूर्य मकर राशि में प्रवेश करता है तो मकर संक्रांति होती है। 14 जनवरी 2014 को आने वाली मकर संक्रांति महोदरी है। यह संक्रांति सरकार के लिए कष्टकारी होगी। जनवरी के बाद एक माह कठिन परीक्षा का भी हो सकता है। सूर्य 14 जनवरी को मकर में राहु के नक्षत्र आर्द्रा, योग ऐन्द्र, करण में रहेंगे।

इस बार संक्रांति का वाहन है हाथी, उपवाहन है गधा, वस्त्र रक्त, आयुध धनुष, फल मध्य, जाति मृग, भक्षण पेय, लेपन गोरोचन, वय प्रौढ़ा, पात्र लोहा, भूषण मुकुट, कंचु सित, स्थिति बैठी, फल लक्ष्मी, पुष्प बेल मंगलवारी होने से दक्षिण दिशा की और गमन करेगी। नैऋत्य की और दृष्टि होती है। जिस-जिस वस्तुओं पर संक्रांति आती है वह महंगी हो जाती है। जिस दिशा की और संक्रांति गमन करती है व जिस दिशा में संक्रांति की दृष्टि होती है उस दिशा को कष्ट रहता है। मंगलवारी संक्रांति होने से गुड़, रस, नमक, घी, तेल, सरसो, केसर, मंजीठ, लाल वस्तु, मक्कादि, चना, ज्वार, बाजरा आदि तेज होंगे। रुई, सूत, कपास, बिनोला, तांबा, पीतल, जस्ता, सोना, चांदी में घट-बढ़ रहेगी।

कैसा होगा संक्रांति का फल

इस संक्रांति पर मकर का सूर्य मेष लग्न में आ रहा है। लग्नेश मंगल षष्ट भाव में होने से सरकार को परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। राहु के नक्षत्र आर्द्रा में होने से कष्टकारी भी रहती है। संक्रांति मेष लग्न में राहु-शनि के साथ सप्तम भाव में होने से महिला वर्ग के लिए शुभ नहीं रहेगा। सप्तम भाव व द्वितीय भाव वाणी व स्त्री है अत- स्त्रियों के लिए होने वाले वार्तालाप ठीक नहीं रहेगें। भाग्य व द्वादश भाव का स्वामी गुरु वक्री भी है अतः बाहरी मामलों में सावधानी रखना होगी। शनि की लग्न पर नीच दृष्टि होने से देश में राजनीतिक संकट मंडराता दिखाई देगा। लेकिन मंगल की उच्च दृष्टि लग्न पर होने से साहस बल द्वारा प्रभावी तरीके से हर मामला निपटा लिया जाएगा।

दक्षिण भारत का छठ है पोंगल

दक्षिण में मकर संक्रांति को पोंगल के रुप में मनाया जाता है। सौर पंचांग के अनुसार यह पर्व महीने की पहली तारीख को आता है। पोंगल विशेष रूप से किसानों का पर्व है। पोंगल सामान्यतः तीन दिन तक मनाया जाता है। पहले दिन कूड़ा-करकट एकत्र कर जलाया जाता है, दूसरे दिन लक्ष्मी की पूजा होती है और तीसरे तीन पशु धन की। पोंगल के दिन स्नान करके खुले आँगन में मिट्टी के नए बर्तन में खीर बनाई जाती है, जिसे पोंगल कहते हैं। इसके बाद सूर्य भगवान को नैवेद्य चढ़ाया जाता है। तब खीर को प्रसाद रूप में सब लोग ग्रहण करते हैं। इस दिन बेटी और दामाद का घर पर स्वागत किया जाता है। तीसरे दिन किसान अपने पशुओं को खूब अच्छी तरह सजाकर जुलूस निकालते हैं। कन्याओं के लिए यह हर्षोल्लास का पर्व है।

मकर संक्रांति को देश में कई नामों से जाना जाता है. जहां उत्तर भारत में इसे खिचड़ी के नाम से जानते हैं वहीं दक्षिण भारत में इसे पोंगल कहा जाता है. पोंगल तमिल हिन्दुओं का एक प्रमुख त्यौहार है. यह त्यौहार हमारे दक्षिण भारत की संस्कृति को दुनिया के सामने रखता है. पोंगल का महत्व दक्षिण भारतीयों के लिए उसी तरह है जैसा उत्तर भारतीयों के लिए छठ पर्व.

आखिर कैसे पड़ा नाम पोंगल

इस त्यौहार का नाम पोंगल इसलिए है क्योंकि इस दिन सूर्य देव को जो प्रसाद अर्पित किया जाता है वह पोगल कहलता है. तमिल भाषा में पोंगल का एक अन्य अर्थ निकलता है अच्छी तरह उबालना. दोनों ही रूपों में देखा जाए तो बात निकल कर यह आती है कि अच्छी तरह उबाल कर सूर्य देवता को प्रसाद भोग लगाना सबसे जरूरी है.

पोंगल पर्व मनाने का कारण

पोंगल मकर संक्रांति का ही एक रूप है. जिस तरह लोहड़ी और मकर संक्रांति फसलों से जुड़े हैं यह पर्व भी फसलों से ही संबंधित है. जनवरी महीने तक तमिलनाडु की मुख्य फसल गन्ना व धान पककर तैयार हो जाती है. जब किसान अपने खेतों में लहलहाती फसलों को देखता है तो वह भगवान के प्रति अपना आभार व्यक्त करने के लिए पोंगल का त्यौहार मनाता है. पोंगल के त्यौहार में मुख्य रूप से बैल की पूजा की जाती है क्योंकि बैल के माध्यम से किसान अपनी जमीन जोतता है और साथ ही भगवान को नई फसल का भोग लगाया जाता है.

छठ जैसी पवित्रता

जिस तरह बिहार समेत उत्तर भारत के लोग छठ मनाते हैं, वैसी ही पवित्रता के साथ दक्षिण भारत में पोंगल मनाया जाता है. इसमें दीपावली की रस्म भी पूरी की जाती है.

तीन दिन का पर्व पोंगल

पोंगल सामान्यत: तीन दिन तक मनाया जाता है. पहले दिन कूड़ा-करकट एकत्र कर जलाया जाता है, दूसरे दिन लक्ष्मी की पूजा होती है और तीसरे दिन पशु धन की.

पोंगल पर्व का आरंभ 'बोगी पोंगल' से होता है, तो समापन 'कानुम पोंगल' से होता है. सूर्य देव की आराधना पर आधारित इस पर्व के लिए मायके से चावल, गुड़, घी आदि से आता है. मकर संक्राति के एक दिन पहले बोगी पोंगल को घर की साफ-सफाई कर कचरे को घर के बाहर जलाया जाता है. इसके बाद आंगन में बहुत बड़ी रंगोली बनाई जाती है. 14 जनवरी को मिट्टी के नए बर्तन को मिट्टी के चूल्हे पर चढ़ाया जाता है जिसमें संयुक्त परिवार की महिलाएं अपने-अपने मायके से आए चावल, गुड़ और घी डालती हैं. जब मीठा चावल तैयार हो जाता है, तो छत पर पुरुष सदस्य सूर्य देव की पूजा करते हैं. इसी क्रम में दूध को उबाला जाता है. आमतौर पर उबलते हुए दूध का बर्तन से गिरना अशुभ माना जाता है, लेकिन पोंगल में इसे शुभ माना जाता है. दक्षिण के अलावा किसी भी दिशा में दूध उबलकर गिरता है तो उसे प्रणाम किया जाता है. मान्यता है कि ऐसा होने से पूरे वर्ष उनके घर सुख-समृद्धि बनी रहेगी. उस दिन पोंगल (खिचड़ी) के अलावा दही बड़ा अवश्य बनता है, जिसे महिलाएं नई हल्दी का लेप लगाकर स्नान करने के बाद ग्रहण करती हैं. तीसरे दिन कानुम पोंगल में लोग एक-दूसरे के घर जाते हैं. विवाहित महिलाएं लड़कियों को हल्दी का तिलक लगाकर आशीर्वाद देती हैं. इसी दिन चावल को अलग-अलग रंग में रंगकर घर के बाहर रखा जाता है, ताकि चिड़ियां उसे खाएं. तीनों दिन गन्ना जरूर खाया जाता है. यह त्यौहार भारतीय संस्कृति की पहचान है. माना कि समय के साथ इसमें थोड़ा-बहुत बदलाव आया है, लेकिन नियम-पवित्रता से कोई समझौता नहीं किया जाता है.

त्योहारों को पूर्णता देता है पोंगल

पोंगल अर्थात् खिचड़ी का त्योहार सूर्य के उत्तरायण होने के पुण्यकाल में मनाया जाता है। खुले आँगन में हल्दी की जड़ की गाँठ को पीले धागे में पिरोकर पीतल या मिट्टी की हाँड़ी की गर्दन में बाँधकर उसमें चावल एवं मूँग की दाल की खिचड़ी पकाते हैं। उसमें उफान आने पर दूध व घी डाला जाता है। उफान आते ही घर के सभी सदस्य गाजे-बाजे के साथ पोंगल - पोंगल की आवाज़ लगाकर खुशी प्रकट करते हैं। वह उफान सुख और समृद्धि का परिचायक है। लोग एक-दूसरे के सुख व समृद्धि की कामना करते हैं। गन्ने के साथ सूर्यदेव की पूजा की जाती है। इस दिन आग पर हाँड़ी चढ़ाने का विशेष मुहुर्त होता है, जिसे देखकर हाँड़ी को आग पर चढ़ाया जाता है। उबलता हुआ दूध जब पात्र में से गिरने लगता है, तो उसे समृद्धशाली कृषि ऋतु का प्रतीक माना जाता है। हल्दी के पौधे की छोटी-छोटी टहनियों को बर्तनों के चारों ओर बाँधा जाता है तथा उसके साथ-साथ सूर्य व चन्द्रमा की आकृतियाँ बनाई जाती हैं। सभी अपने मित्रों व सगे-सम्बन्धियों से मिलते हैं तथा मिठाइयों की भेंट देते हैं। पोंगल के समय गन्ने की फ़सल तैयार हो चुकी होती है तथा गन्ना सभी हाट-बाज़ारों में खूब बिकता है। जगह-जगह बच्चे गन्ना चूसते नज़र आते हैं।

रिश्तों की मधुरता का त्योहार लोहड़ी

लोहड़ी उत्तर भारत का एक प्रसिद्ध त्योहार है। यह मकर संक्रान्ति के एक दिन पहले मनाया जाता है। मकर संक्रान्ति की पूर्वसंध्या पर इस त्योहार का उल्लास रहता है। रात्रि में खुले स्थान में परिवार और आस-पड़ोस के लोग मिलकर आग के किनारे घेरा बना कर बैठते हैं। इस समय रेवड़ी, मूंगफली, लावा आदि खाए जाते हैं। लोहड़ी पौष के अंतिम दिन, सूर्यास्त के बाद (माघ संक्रांति से पहली रात) यह पर्व मनाया जाता है। यह प्राय- 12 या 13 जनवरी को पड़ता है। यह मुख्यत- पंजाब का पर्व है।

लोहड़ी से संबद्ध परंपराओं एवं रीति-रिवाजों से ज्ञात होता है कि प्रागैतिहासिक गाथाएँ भी इससे जुड़ गई हैं। दक्ष प्रजापति की पुत्री सती के योगाग्नि-दहन की याद में ही यह अग्नि जलाई जाती है। इस अवसर पर विवाहिता पुत्रियों को माँ के घर से त्योहार (वस्त्र, मिठाई, रेवड़ी, फलादि) भेजा जाता है। यज्ञ के समय अपने जामाता शिव का भाग न निकालने का दक्ष प्रजापति का प्रायश्चित्त ही इसमें दिखाई पड़ता है।

लोहड़ी से 20-25 दिन पहले ही बालक एवं बालिकाएँ लोहड़ी के लोकगीत गाकर लकड़ी और उपले इकट्ठे करते हैं। संचित सामग्री से चौराहे या मुहल्ले के किसी खुले स्थान पर आग जलाई जाती है। मुहल्ले या गाँव भर के लोग अग्नि के चारों ओर आसन जमा लेते हैं। घर और व्यवसाय के कामकाज से निपटकर प्रत्येक परिवार अग्नि की परिक्रमा करता है। रेवड़ी (और कहीं कहीं मक्की के भुने दाने) अग्नि की भेंट किए जाते हैं तथा ये ही चीजें प्रसाद के रूप में सभी उपस्थित लोगों को बाँटी जाती हैं। घर लौटते समय लोहड़ी में से दो चार दहकते कोयले, प्रसाद के रूप में, घर पर लाने की प्रथा भी है। जिन परिवारों में लड़के का विवाह होता है अथवा जिन्हें पुत्रप्राप्ति होती है, उनसे पैसे लेकर मुहल्ले या गाँव भर में बच्चे ही बराबर बराबर रेवड़ी बाँटते हैं। लोहड़ी के दिन या उससे दो चार दिन पूर्व बालक बालिकाएँ बाजारों में दुकानदारों तथा पथिकों से मोहमाया या महामाई (लोहड़ी का ही दूसरा नाम) के पैसे माँगते हैं, इनसे लकड़ी एवं रेवड़ी खरीदकर सामूहिक लोहड़ी में प्रयुक्त करते हैं।

शहरों के शरारती लड़के दूसरे मुहल्लों में जाकर लोहड़ी से जलती ह इ

लकड़ी उठाकर अपने मुहल्ले की लोहड़ी में डाल देते हैं। यह लोहड़ी व्याहना कहलाता है। कई बार छीना झपटी में सिर फुटौवल भी हो जाती है। मँहगाई के कारण पर्याप्त लकड़ी और उपलों के अभाव में दुकानों के बाहर पड़ी लकड़ी की चीजें उठाकर जला देने की शरारतें भी चल पड़ी हैं।

लोहड़ी का त्यौहार पंजाबियों तथा हरयानी लोगो का प्रमुख त्यौहार माना जाता है। यह लोहड़ी का त्यौहार पंजाब, हरियाणा , दिल्ली, जम्मू काश्मीर और हिमांचल में धूम धाम तथा हर्षो लाश के साथ मनाया जाता हैं। यह त्यौहार मकर संक्राति से एक दिन पहले 13 जनवरी को हर वर्ष मनाया जाता हैं।

लोहड़ी त्यौहार के उत्पति के बारे में काफी मान्यताएं हैं जो की पंजाब के त्यौहार से जुडी हुई मानी जाती हैं। लोहड़ी का त्यौहार पंजाबियों तथा हरयानी लोगो का प्रमुख त्यौहार माना जाता है। यह लोहड़ी का त्यौहार पंजाब, हरियाणा , दिल्ली, जम्मू काश्मीर और हिमांचल में धूम धाम तथा हर्षो लाश के साथ मनाया जाता हैं। यह त्यौहार मकर संक्राति से एक दिन पहले 13 जनवरी को हर वर्ष मनाया जाता हैं। लोहड़ी त्यौहार के उत्पति के बारे में काफी मान्यताएं हैं जो की पंजाब के त्यौहार से जुडी हुई मानी जाती हैं। कई लोगो का मानना हैं की यह त्यौहार जाड़े की ऋतू के आने का द्योतक के रूप में मनाया जाता हैं।

आधुनिक युग में अब यह लोहड़ी का त्यौहार सिर्फ पंजाब, हरियाणा , दिल्ली, जम्मू काश्मीर और हिमांचल में ही नहीं अपितु बंगाल तथा उड़िया लोगो द्वारा भी मनाया जा रहा हैं!

दुल्ला भट्टी की कहानी

लोहड़ी को दुल्ला भट्टी की एक कहानी से भी जोड़ा जाता हैं। लोहड़ी की सभी गानों को दुल्ला भट्टी से ही जुड़ा तथा यह भी कह सकते हैं की लोहड़ी के गानों का केंद्र बिंदु दुल्ला भट्टी को ही बनाया जाता हैं। दुल्ला भट्टी मुग़ल शासक अकबर के समय में पंजाब में रहता था। उसे पंजाब के नायक की उपाधि से सम्मानित किया गया था! उस समय संदल बार के जगह पर लड़कियों को गुलामी के लिए बल पूर्वक अमीर लोगों को बेच जाता था जिसे दुल्ला भट्टी ने एक योजना के तहत लड़कियों को न की मुक्त ही करवाया बल्कि उनकी शादी की हिन्दू लडको से करवाई और उनके शादी के सभी व्यवस्था भी करवाई। दुल्ला भट्टी एक विद्रोही था और जिसकी वंशवली भट्टी राजपूत थे। उसके पूर्वज पिंडी भट्टियों के शासक थे जो की संदल बार में था अब संदल बार पकिस्तान में स्थित हैं। वह सभी पंजाबियों का नायक था।

लोहड़ी सिख परिवारों के लिए बहुत महत्वपूर्ण त्योहार है। लोहड़ी मकर संक्रांति के एक दिन पहले मनाया जाता है। हर साल 13 जनवरी को पंजाबी परिवारों में विशेष उत्साह होता है। यह उत्साह तब और बढ़ जाता है यदि घर में बहू या फिर बच्चे के जन्म की पहली लोहड़ी हो।

सच्ची घटना पर आधारित सस्पेंस-क्राइम थ्रिलर फिल्म 'चीकाटिलो' लेकर आ रही हैं शोभिता धुलिपाला

'द नाइट मैनेजर' जैसी वेब सीरीज में नजर आईं अभिनेत्री शोभिता धुलिपाला अब एक नई फिल्म लेकर आ रही हैं। यह एक सस्पेंस-क्राइम थ्रिलर फिल्म है। फिल्म का नाम 'चीकाटिलो' है। फिल्म की घोषणा के साथ ही इसका पहला पोस्टर भी जारी हुआ है, जिसमें शोभिता इंटेंस लुक में नजर आ रही हैं।

एक पॉडकास्टर की कहानी है फिल्म

'चीकाटिलो' प्राइम वीडियो की ओरिजिनल तेलुगु भाषा की फिल्म है। हालांकि, यह हिंदी में भी रिलीज होगी। हैदराबाद की पृष्ठभूमि पर बनी 'चीकाटीलो' एक रोमांचक क्राइम-सस्पेंस फिल्म है। कहानी संध्या नाम की लड़की के इर्द-गिर्द घूमती है, जो एक ट्रू-क्राइम पॉडकास्टर है। इस किरदार को शोभिता धुलिपाला ने निभाया है। अपने इंटर्न की रहस्यमयी मौत के बाद न्याय पाने की अपनी लगातार कोशिश में संध्या को खौफनाक अपराधों की एक चौंकाने वाली कड़ी का पता चलता है। जिसके बाद उसके सामने शहर के कुछ सबसे खौफनाक और काले राज सामने आते हैं। फिल्म 23 जनवरी को प्राइम वीडियो पर रिलीज होगी। शरण कोपिशेट्टी द्वारा निर्देशित 'चीकाटिलो' को डी. सुरेश बाबू ने प्रोड्यूस किया है। फिल्म की कहानी चंद्र पेम्मराजू और शरण कोपिशेट्टी ने लिखी है। फिल्म में शोभिता धुलिपाला और विश्वदेव राचकोंडा मुख्य भूमिकाओं में हैं। इसके अलावा चैतन्य विशालक्ष्मी, ईशा चावला, झांसी, आमानी और वडलामणि श्रीनिवास भी अहम किरदारों में नजर आएंगे।

द ब्लफ में समुद्री डाकू बनीं हैं प्रियंका चोपड़ा

ग्लोबल आइकॉन बन चुकीं प्रियंका चोपड़ा की फिल्म द ब्लफ की झलक ने ही फैंस को दीवाना बना दिया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर कुछ फोटोज शेयर की हैं, जो आग की तरह फैल गई हैं। उनके हर अवतार से फैंस इंप्रेस हो गए हैं। फिल्म को आप कब और कहां देख सकते हैं, इसका भी ऐलान कर दिया गया है। हॉलीवुड और ग्लोबल एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में अपनी खास पहचान बना चुकीं प्रियंका चोपड़ा एक बार फिर दर्शकों को चौंकाने के लिए तैयार हैं। वह इस बार बिल्कुल नए और अनदेखे किरदार में नजर आने वाली हैं। वह इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म द ब्लफ को लेकर चर्चा में हैं। इस फिल्म में ताकत, मातृत्व, अतीत की परछाइयों और आत्मसंघर्ष का गहरा मेल देखने को मिलेगा। इस फिल्म के जरिए प्रियंका चोपड़ा एक बार फिर साबित करती दिखेंगी कि वह नए रास्ते तलाशने से कभी पीछे नहीं हटतीं। उनकी फिल्म द ब्लफ एक एक्शन थ्रिलर है, जिसमें समुद्री लुटेरों की खतरनाक दुनिया दिखाई गई है। इसमें प्रियंका एर्सेल बॉडन नाम की एक निडर और ताकतवर महिला का किरदार निभा रही हैं, जो कभी ब्लडी मैरी के नाम से जानी जाने वाली एक खूंखार समुद्री डाकू रह चुकी है। यह भूमिका प्रियंका के अब तक के किरदारों से बिल्कुल अलग है, क्योंकि इसमें केवल एक्शन ही नहीं, बल्कि भावनात्मक गहराई भी देखने को मिलेगी।

प्रियंका ने रिलीज डेट का किया ऐलान

फिल्म की रिलीज से पहले प्रियंका ने अपने फैंस के साथ द ब्लफ की कुछ तस्वीरें साझा की हैं। यह फिल्म 25 फरवरी 2026 को ओटीटी प्लेटफॉर्म प्राइम वीडियो पर रिलीज होगी।

प्रियंका ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर फिल्म के कुछ सीन्स की तस्वीरों को साझा किया। एक तस्वीर में प्रियंका खून से लथपथ, हथियार थामे और पूरी तरह लड़ाई के लिए तैयार नजर आ रही हैं। वहीं, एक और तस्वीर में प्रियंका तलवार लिए गुस्से में लड़ती दिख रही हैं। इसके अलावा, एक तस्वीर में वह खाने की टेबल पर फैमिली के साथ बैठी हैं। बाकी की तस्वीरों में वह कभी एक रक्षक के रूप में तो कभी समुद्री डाकू के लुक में नजर आ रही हैं। इन तस्वीरों ने सोशल मीडिया पर हलचल मचा दी है और फैंस इस नए अवतार को देखकर काफी उत्साहित हैं।

द ब्लफ रिलीज डेट

इन तस्वीरों को शेयर करते हुए प्रियंका ने एक खास कैप्शन लिखा, मां... रक्षक... समुद्री डाकू, ब्लडी मैरी से मिलिए। द ब्लफ 25 फरवरी 2026 को प्राइम वीडियो पर रिलीज होगी।

मुकेश भट्ट ने आवारापन 2 की रिलीज में देरी पर तोड़ी चुप्पी

फिल्म प्रोड्यूसर मुकेश भट्ट ने अपनी फिल्म आवारापन 2 की रिलीज में देरी की खबरों पर चुप्पी तोड़ते हुए कहा कि फिल्म में देरी इसलिए हो रही है क्योंकि फिल्म पर अभी कुछ काम बाकी है, न कि इसलिए कि वे फिल्म धुरंधर 2 के आसपास थिएटर्स में फिल्म लाने से डर रहे हैं। दरअसल, आवारापन 2, साल 2007 की एक्शन-रोमांटिक ड्रामा फिल्म आवारापन का सीक्वल है, जिसमें इमरान हाशमी लीड रोल में थे। मीडिया में ऐसी खबरें आई थीं कि आवारापन 2, 13 अप्रैल को रिलीज नहीं होगी, क्योंकि फिल्म धुरंधर पार्ट 2 और यश की फिल्म टॉक्सिक 19 मार्च को रिलीज हो रही हैं। मुकेश भट्ट ने कहा कि फिल्म की रिलीज डेट अब मई या जून में शिफ्ट की गई है, क्योंकि शूटिंग के दौरान इमरान हाशमी का एक्सीडेंट हो गया था और उन्हें सर्जरी करानी पड़ी। मुकेश भट्ट ने यह भी कहा, इस वजह से उन्हें 45 दिनों तक एक्शन करने की इजाजत नहीं है। इसलिए सारे एक्शन सीक्वेंस बाद में शूट किए जाएंगे। मैं धुरंधर 2 और टॉक्सिक से बिल्कुल नहीं डरता। प्रोड्यूसर के मुताबिक, आवारापन 2 का करीब 20 दिनों का एक शूटिंग शेड्यूल अभी बाकी है, जो मार्च में मलेशिया में पूरा किया जाएगा।

आलिया भट्ट ने टॉक्सिक में यश के लुक पर दी प्रतिक्रिया

फिल्म टॉक्सिक का टीजर आज यश के जन्मदिन पर रिलीज किया गया। एक्टर यश की फिल्म टॉक्सिक- ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स का टीजर सोशल मीडिया पर खूब पसंद किया जा रहा है। एक्शन से भरे इस टीजर ने फिल्म को लेकर फैंस के उत्साह को और अधिक बढ़ा दिया है। अब बॉलीवुड एक्ट्रेस आलिया भट्ट ने टॉक्सिक के टीजर पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। आलिया ने टीजर की बहुत तारीफ की। उन्होंने टॉक्सिक के टीजर को अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर शेयर किया और सिर्फ एक शब्द लिखा- डाइनामाइट। साथ में दो फायर इमोजी भी बनाए। उन्होंने फिल्म की कास्ट और टीम को टैग भी किया। आलिया के अलावा रितेश देशमुख, संदीप रेड्डी वांगा, राम गोपाल वर्मा और करण जौहर जैसे कई स्टार्स ने भी टीजर की प्रशंसा की है।

टीजर की शुरुआत एक अंतिम संस्कार के सीन से होती है, जहां कई लोग बंदूक लिए पहरा देते नजर आ रहे हैं। फिर एक कार आती है और सीन एक लड़के-लड़की के रोमांटिक सीन में बदल जाता है। अचानक धमाका होता है। वह आदमी बिना शर्ट के कार से बाहर निकलता है, काला कोट पहनता है और धुएं में सबको गोली मारता हुआ आगे बढ़ता है। पता चलता है कि वह यश हैं। आखिर में यश कहते हैं, पापा घर आ गए हैं। निर्माताओं ने टीजर के कैप्शन में लिखा, अपने खतरे को अच्छे से देख लो- पेश है राया...

फिल्म टॉक्सिक के बारे में

टॉक्सिक एक गैंगस्टर फिल्म है। इसका निर्देशन गीतू मोहंदास ने किया है। प्रोडक्शन यश और वेंकट के. नारायण ने अपने बैनर और मॉन्स्टर माइंड क्रिएशंस से किया है। यश और गीतू ने कहानी भी लिखी है। फिल्म में यश के साथ नयनतारा, कियारा आडवाणी, तारा सुतारिया, हुमा कुरैशी और रुक्मिणी वसंत मुख्य रोल में हैं।

थलापति विजय और प्रभास को पीछे छोड़ सारा अर्जुन बनीं सबसे लोकप्रिय स्टार

रणवीर सिंह की फिल्म 'धुरंधर' रिलीज के एक महीने बाद भी बॉक्स ऑफिस पर जमी हुई है और शानदार प्रदर्शन कर रही है। फिल्म की सफलता से फिल्म के कलाकारों की भी लोकप्रियता में इजाफा हुआ है। सिर्फ रणवीर सिंह और अक्षय खन्ना ही नहीं बल्कि फिल्म की हीरोइन सारा अर्जुन को भी 'धुरंधर' की सफलता से फायदा मिला है। तभी सारा इस हफ्ते आईएमडीबी की लोकप्रिय भारतीय हस्तियों की सूची में पहले स्थान पर पहुंच गई हैं। इस मामले में उन्होंने प्रभास और थलापति विजय जैसे कई बड़े दिग्गजों को पीछा छोड़ा है। आईएमडीबी ने अपनी साप्ताहिक लोकप्रियता रैंकिंग जारी की। ये दुनिया भर के लाखों प्रशंसकों के पेज व्यू और यूजर एंगेजमेंट के आधार पर निर्धारित की जाती है। इस रैंकिंग में सारा अर्जुन, जो पिछले हफ्ते दूसरे स्थान पर थीं, इस बार शीर्ष पर पहुंच गईं। उन्होंने इस मामले में थलपति विजय, प्रभास और अगस्त्य नंदा सहित भारतीय सिनेमा के कुछ बड़े नामों को पीछे छोड़ दिया। उनकी इस सफलता का श्रेय काफी हद तक धुरंधर को जाता है। आईएमडीबी ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट साझा करते हुए लिखा, 'इस सप्ताह की लोकप्रिय भारतीय हस्तियों की सूची में अपने पसंदीदा सितारों को पहचानें। यह सूची पॉपुलर इंडियन सेलेब्रिटीज द्वारा प्रस्तुत की गई है, जो आईएमडीबी का एक साप्ताहिक फीचर है और इसमें विश्व स्तर पर ट्रेंड कर रहे भारतीय सितारों को दिखाया जाता है। अभिनेता, निर्देशक, सिनेमैटोग्राफर, लेखक और अन्य। हमेशा की तरह यह सूची दुनिया भर के 2 करोड़ से अधिक फैंस द्वारा तय की जाती है।'

थलापति विजय आठवें और अगस्त्य नंदा 12वें स्थान पर रहे

सारा के अलावा इस सूची में दूसरे नंबर पर 'धुरंधर' के निर्देशक आदित्य धर रहे, जो पिछले हफ्ते तीसरे नंबर पर थे। हफ्ते के अन्य लोकप्रिय स्टार्स की लिस्ट में थलापति विजय आठवें स्थान और अगस्त्य नंदा 12वें स्थान पर रहे।

करियर की शुरुआत में मैं टाइपकास्ट हो गया था, फिर मैंने भी प्रयोग किए और लोगों ने पसंद किया

इमरान हाशमी बॉलीवुड के उन अभिनेताओं में से हैं, जिन्होंने करियर की शुरुआत में लवर बॉय और सीरियल किसर के रूप में खूब शोहरत हासिल की। लेकिन फिर वक्त बदला तो अपने हुनर से गजब का इमेज मेकओवर भी किया। वाय चीट इंडिया, चेहरे, ग्राउंड जीरो, बार्ड ऑफ ब्लड, हक जैसे तमाम प्रोजेक्ट्स ने उन्हें एक सशक्त अभिनेता के रूप में पहचान दी। यह भी कम दिलचस्प नहीं है कि इमरान हाल के दिनों में पर्दे पर नेगेटिव किरदारों में भी खूब पसंद किए गए। फिर चाहे वह टाइगर 3 हो या फिर दे कॉल हिम ओजी, सिनेमा का यह सितारा हर रंग में दमका।

आपकी मम्मी क्रिश्चियन, पिता मुस्लिम और पत्नी हिंदू हैं, आप गंगा-जमुनी तहजीब से ताल्लुक रखते हैं, क्या कहना चाहेंगे?

मैं इस गंगा-जमुनी तहजीब पर गर्व करता हूं। मेरे घर में मंदिर भी है और नमाज भी पढ़ी जाती है। मैं मानता हूं कि हमारे देश की सबसे बड़ी ताकत है, इसकी एक्सल्यूसिवनेस यानी समग्रता। माना कि हर एक किलोमीटर पर बोली और रहन-सहन बदल जाता है, मगर इसके बावजूद हम को-एग्जिस्ट करते हैं, तो यही हमारी सबसे बड़ी खूबी है। माना कि कई बार कॉनफ्लिक्ट्स होते हैं, मगर हम एक ऐसा देश है, जो अपनी एक्सल्यूसिवनेस के लिए जाना जाता है। एक सेक्युलर माइंडसेट के साथ लोग रहते हैं। हालांकि मेरा विश्वास सही है और आपका गलत, ये सोच तो कुछ लोगों में रहने ही वाली है, मगर एक बड़ी तादाद में लोग जिस तरह से मिल-जुलकर रहते हैं, वो शानदार है।

आपके बेटे अयान 15 साल के हो गए हैं, अब पिता के रूप में आपकी असुरक्षाएं क्या हैं?

एक कहावत है न कि आपको पिता होने की असुरक्षा का अहसास तब तक नहीं होता, जब तक आप पिता नहीं बनते, तो ये सही बात है। अब जब से मैं पिता बना हूं, तो उस डर को समझता हूं। अगर मैं बाहर हूं, तो ये खयाल डराता है कि वो क्या कर रहा होगा? स्कूल में है, तो अलग चिंता रहती है। आप जब ट्रैवल करते हैं, तब भी दिमाग बच्चे में लगा रहता है। मगर इन तमाम इनसिक्योरिटीज के बीच कोशिश यही रहती है कि अपने बेटे के साथ ज्यादा से ज्यादा वक्त बिता सकूं, हालांकि मैं शूटिंग में मसरूफ रहता हूं, मगर समय निकालने का प्रयास करता हूं। देखिए, जब तक बच्चे 18 साल के नहीं हो जाते, तब तक का वक्त बड़ा कीमती होता है। उसके बाद तो आपके पास 15-20 पर्सेंट ही वक्त बचता है। उसके बाद तो उनकी अपनी जिंदगी होती है। अलबत्ता अब तो 13 साल के बाद ही बच्चे अपनी चीजों में मसरूफ रहने लग जाते हैं, तो मैं सभी पैरंट्स से कहूंगा कि बच्चे के 12 साल होने तक का आपके पास एक गोल्डन पीरियड है, उसे कैश कर लीजिए बच्चे के साथ समय बिताकर वरना आप बाद में पछताएंगे।

अगर मैं आपकी अभिनय यात्रा के बारे में कहूं, तो लवर बॉय और सीरियल किसर के रूप में शुरुआत करने के बाद अब आप अभिनेता के रूप में समृद्ध हो चुके हैं, इस ट्रांसफॉर्मेशन को कैसे देखते हैं?

इसका श्रेय मैं नहीं ले सकता। इसका क्रेडिट उन्हें जाना चाहिए, जिन्होंने मुझे उन अर्थपूर्ण कहानियों का हिस्सा बनाया। जब कोई फिल्मकार अपने कन्विक्शन के साथ मुझ पर दांव खेलता है, तो सेल्फिश एक्टर के रूप में उस मौके को झपट लेता हूं। सभी जानते हैं कि करियर की शुरुआत में तकरीबन दस साल तक मैं टाइपकास्ट हो गया था। मगर फिर मुझे लगा कि एक लंबी रेस का घोड़ा होना है, तो अलग-अलग किरदार जीने पड़ेंगे। मैंने भी प्रयोग किए और लोगों ने मुझे पसंद किया।

आम तौर पर दीपिका पादुकोण, तापसी पन्नू, विद्या बालन सरीखी कई अभिनेत्रियों को शिकायत रही है कि हीरोइन ओरिएंटेड फिल्म में बड़े स्टार्स काम नहीं करते, मगर अपनी पिछली फिल्म हक के नायिका प्रधान होने के बावजूद आप उसका हिस्सा बने?

अगर मुझे कहानी अच्छी लगे, अपना रोल पसंद आए, ये जानने को मिले कि परफॉर्मर के रूप में मैं कुछ अलग और नया कर पाऊंगा और निर्देशक के विजन से मैं इत्तफाक रखूं, तो फिर मैं उस रोल को करने से हिचकता नहीं। ये मैंने पहले भी किया है। मैं डर्टी पिक्चर में विद्या बालन के साथ था। मैं जानता हूं कि बहुत सारे हीरोज फीमेल ओरिएंटेड फिल्में करने से कतराते हैं। शायद उन्हें इनसिक्योरिटी लगती होगी या वो सोचते होंगे कि एक मेल प्रोटागोनिस्ट ही होना चाहिए। मगर इस फिल्म में मुझे अपनी भूमिका काफी दिलचस्प लगी। यह फिल्म एक चर्चित केस पर था और मुझे लगा कि अगर मैं इस फिल्म का हिस्सा नहीं बनूंगा, तो शायद पछताऊंगा।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।